3 | राजधानी
नहीं चला विनय का पैतरा, याचिका खारिज

6 | अभिमत
कोरोना जैसे संक्रमणों से बचने के तरीके

10 | स्पोर्ट्स
विलियमसन के खेल से न्यूजीलैंड मजबूत

12 | विदेश
अफगानिस्तान में सप्ताह भर का संघर्षविराम शुरू

RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 111
नई दिल्ली, रविवार, 23 फरवरी, 2020
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

लौट आया पारंपरिक थाली का जमाना
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

मेलेनिया देखेंगी हैप्पीनेस क्लास न्योता न आने से अनहैप्पी आप

- सरकारी स्कूल के इवेंट से केजरीवाल, सिसोदिया का नाम हटाने के लिए मोदी सरकार को ठहराया जिम्मेदार, केंद्र दी सफाई- नहीं है कोई लेना देना
- सिसोदिया ने ट्वीट कर कसा तंज -हर तरह की नफरत और छोटी मानसिकता का समाधान है हैप्पीनेस क्लास

अरविंद केजरीवाल | मेलोनिया ट्रंप | संबित पात्रा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलेनिया के सरकारी स्कूल में हैप्पीनेस क्लास देखने संबंधी कार्यक्रम के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उप मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को न्योता नहीं दिया गया है। मेलेनिया के इवेंट से केजरीवाल और सिसोदिया का नाम हटाने के मुद्दे ने पल झपकते राजनीतिक विवाद का रूप ले लिया। केंद्र को कठघरे में खड़ा करती आप व कांग्रेस ने सरकार और सत्ताधारी पार्टी भाजपा पर तीखे आरोपों की झड़ी लगा दी।

आम आदमी पार्टी के सूत्रों ने अमेरिका की प्रथम महिला के कार्यक्रम के लिए केजरीवाल और सिसोदिया को न्योता नहीं भेजने के पीछे मोदी सरकार का हाथ बताया जिस पर केंद्र ने सफाई दी कि नाम शामिल कराने या हटवाने में उसकी कोई भूमिका है ही नहीं। आप के सूत्रों ने दावा किया कि केजरीवाल और सिसोदिया अमेरिका की प्रथम महिला के साथ स्कूल के कार्यक्रम में जाने वाले थे। उन्हें मेलेनिया ट्रंप को आप सरकार द्वारा शुरू किए गए हैप्पीनेस पाठ्यक्रम से अवगत कराना था लेकिन, मोदी सरकार के कहने पर उनका नाम कार्यक्रम की सूची से हटा दिया गया। इस बारे में संपर्क करने पर अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार से जानकारी प्राप्त करना बेहतर होगा।

हालांकि दिल्ली सरकार की तरफ से मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है लेकिन उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री सिसोदिया ने हैप्पीनेस क्लास के बारे में ट्वीट कर केंद्र सरकार व भाजपा पर तंज जरूर कसा। सिसोदिया ने ट्वीट में लिखा कि हैप्पीनेस क्लास हर तरह की नफरत और छोटी मानसिकता का समाधान है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय से इस बारे में सवाल पूछने पर उन्होंने फिलहाल कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। राय ने कहा कि आधिकारिक जानकारी मिलने पर ही वह कुछ कहेंगे। केजरीवाल सरकार ने 2018 में दिल्ली (शेष पेज 9)

ताजमहल के दीदार के वक्त ट्रंप के साथ नहीं होंगे मोदी

आगरा में ताजमहल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था में तैनात सीआईएसएफ के जवान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- अमेरिकी राष्ट्रपति को परिवार संग अपनी सुविधा अनुसार ऐतिहासिक धरोहर देखने का मौका देना वजह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगरा में ताज के दीदार के वक्त ट्रंप परिवार के साथ नहीं होंगे। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोमवार को अपने परिवार के साथ ताजमहल देखने आगरा जा रहे हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी के मौजूद रहने की संभावना नहीं है। सूत्रों ने प्रधानमंत्री मोदी के आगरा दौरे संबंधी किसी योजना (शेष पेज 9)

अमेरिकी राष्ट्रपति को परोसी जाएगी बुखारा की ट्रंप थाली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- ट्रंप को उपहार में दी ऐप्रन के साथ दी जाएगी एमएफ हुसैन की पेंटिग

अपने पहले भारत दौरे पर आ रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आईटीसी मौर्य में रुकेंगे। मौर्य के रेस्त्रां बुखारा में उनके जायके को ध्यान में रखकर सुस्वादु व्यंजन बनाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति को ट्रंप थाली परोसी जा सकती है। हालांकि, होटल ने ट्रंप के लिए किए गए विशेष इंतजाम का ब्योरा नहीं दिया परंतु ऐसे संकेत मिले हैं कि यहां अमेरिकी राष्ट्रपति को उपहार में ऐप्रन के साथ एम एफ हुसैन की पेंटिंग दी जाएगी। सूत्रों ने बताया कि बुखारा रेस्त्रां में इससे पहले भी कई राष्ट्राध्यक्ष आ चुके हैं जिनमें अमेरिका के कई पूर्व राष्ट्रपति भी शामिल हैं। पिछले 41 साल से इस रेस्त्रां के पकवानों की सूचि में बदलाव नहीं हुआ है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों की तरह ट्रंप भी इस रेस्त्रां में आएंगे और उन्हें उनकी पसंद की थाली परोसी जाएगी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने 2010 और 2015 में बतौर राष्ट्रपति दो बार भारत की यात्रा की थी और उन्हें बुखारा रेस्त्रां में ओबामा थाली परोसी गई। इसके बाद यह व्यंजन (शेष पेज 9)

बातचीत के चौथे दिन ड्रामा, खुलती-बंद होती रही सड़क

शाहीन बाग प्रदर्शन

मतभेद के चलते प्रदर्शनकारियों के एक गुट ने रास्ता खोला और दूसरे ने बंद कर दिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- प्रदर्शनकारियों ने बंद कर रखी है दिल्ली-फरीदाबाद रोड

संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) विरोधी प्रदर्शन के कारण शाहीन बाग में लगभग दो महीनों से बंद एक सड़क को प्रदर्शनकारियों के एक समूह द्वारा शनिवार को खोले जाने के कुछ देर बाद बंद कर दिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिणपूर्व) आरपी मीणा ने कहा, लगभग दो घंटे पहले प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने शाहीन बाग में सड़क संख्या नौ को फिर से खोला लेकिन एक अन्य समूह ने इसे फिर बंद कर दिया।

प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि उन्होंने नोएडा और दक्षिण दिल्ली के बीच लोगों के आवागमन के लिए प्रदर्शन स्थल के निकट शाम लगभग पांच बजे सड़क का एक हिस्सा खोला लेकिन दिल्ली पुलिस और नोएडा पुलिस इसे एक तरफ से बंद किए हुए हैं। नोएडा को दक्षिणपूर्वी दिल्ली और हरियाणा में फरीदाबाद तक जोड़ने वाली सड़क को शाहीन बाग में सीएए विरोधी प्रदर्शन के मद्देनजर गत 15 दिसम्बर से बंद किया हुआ है।

उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त मध्यस्थ वरिष्ठ अधिवक्ताओं संजय हेगड़े तथा साधना रामचंद्रन और प्रदर्शनकारियों के बीच सड़कों को अवरूद्ध किए जाने से लोगों को हो रही समस्या को लेकर तीन दिन चली बातचीत के बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। पुलिस के अनुसार प्रदर्शनकारियों ने कालिंदी कुंज की ओर जाने वाली एक सड़क के एक छोटे हिस्से को खोला था ताकि स्थानीय लोग अपने दोपहिया वाहनों से वहां से गुजर सके। एक अधिकारी ने कहा कि नोएडा यातायात पुलिस हालांकि सड़क पर उत्तर प्रदेश की तरफ प्रतिबंधों को जारी रखे हुए है। एक प्रदर्शनकारी सोनू वारसी ने कहा, बार-बार यह आरोप लगाया जा रहा था कि प्रदर्शनकारियों ने नोएडा सेक्टर 37 की तरफ जाने वाली कालिंदी कुंज सड़क को अवरूद्ध किया हुआ है। इसलिए आज यह निर्णय लिया गया कि इस आरोप को खत्म किया जाना चाहिए और मार्ग को खोला गया।

उन्होंने कहा, उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त मध्यस्थों को एक उपहार देने के लिए भी यह निर्णय लिया गया था, जिनकी बातचीत और मध्यस्थता ने मामले को फिर से खोलने में मदद की है। हमने सड़क को खोला और अब यह दिल्ली पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस को तय करना है कि वे किन वाहनों को अनुमति देंगे।

एएमयू छात्र प्रदर्शनकारियों ने शुरू की भूख हड़ताल

अलीगढ़। एएमयू छात्र समन्वय समिति ने ऐलान किया है कि संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ उनका दस सप्ताह पुराना आंदोलन अब नए चरण में प्रवेश कर रहा है और शुक्रवार रात से उन्होंने 72 घंटे की भूख हड़ताल शुरू कर दी है। समिति का कहना है कि पिछले साल 15 दिसंबर की रात छात्र प्रदर्शनकारियों पर पुलिसिया कार्रवाई को लेकर उनकी मांग पर संबंधित अधिकारियों ने कोई कार्वाई नहीं की है। समिति ने कहा कि अगर 72 घंटे में उनकी मांग पर उचित जवाब नहीं आया तो छात्र प्रदर्शनकारी बाब ए सैयद गेट पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करेंगे।

बाजार

सेंसेक्स	41,170	
निफ्टी	12,080	
सोना	42,492	/10g
चांदी	48,599	/kg

क्विक न्यूज

मुठभेड़ में लश्कर के दो आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले मे सुरक्षा बलो के साथ शुक्रवार रात हुई मुठभेड़ मे लश्करे तैयबा के दो आतंकवादी मारे गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। जम्मू कश्मीर पुलिस के महानिदेशक दिलबाग सिंह ने यहां संवाददाताओ को बताया कि मारे गए आतंकवादियो की पहचान कुलगाम के कैमोह निवासी नवीद अहमद भट उर्फ फुरकान और वानपोरा कैमोह निवासी अकीब यासीन भट के तौर पर हुई है। सिंह ने मुठभेड़ को घाटी मे सुरक्षा बलो के आतंकवाद निरोधक अभियान की एक और सफलता करार दिया।

यह मुठभेड़ दक्षिण कश्मीर के बिजबेहारा क्षेत्र के संगम मे हुई। डीजीपी ने बताया नवीद अहमद भट 2018 मे लश्करे तैयबा मे शामिल हुआ था और कई आतंकवादी घटनाओ मे शामिल था।

भारतीय विमान को वुहान भेजने की मंजूरी में देरी कर रहा चीन

भाषा। बीजिंग

- 100 से अधिक भारतीयों को निकाले जाने का इंतजार

चीन में कोरोना वायरस से प्रभावित हुबेई प्रांत में फंसे 100 से अधिक भारतीयों को वहां से निकाले जाने का इंतजार है। इस बीच यहां स्थित भारतीय दूतावास ने चीन में फंसे भारतीयों को सूचित किया है कि उन्हें ले जाने के लिए भारत से विशेष उड़ान संचालित करने में चीन सरकार की मंजूरी के अभाव में विलंब हो रहा है।

भारत ने हुबेई प्रांत की राजधानी वुहान के लिए इस महीने के शुरू में एअर इंडिया की दो विशेष उड़ानें संचालित की थीं और 647 भारतीयों और मालदीव के सात नागरिकों को वहां से निकाला था। भारत ने भारतीय वायुसेना के सबसे बड़े विमान सी..17 ग्लोबमास्टर को चिकित्सकीय आपूर्ति के साथ चीन भेजने की अपनी योजना की घोषणा की है जो वहां से बाकी भारतीयों को वापस लेकर आएगा जिनकी संख्या 100 से अधिक है। भारत ने साथ ही वहां से पड़ोसी देशों के नागरिकों को भी जगह की उपलब्धता के आधार पर वहां से निकालने की पेशकश की है।

दूतावास ने उन 100 से अधिक भारतीयों को एक संदेश जारी किया है जिन्होंने वहां से निकाले जाने का चयन किया है। दूतावास ने उड़ान में विलंब का कारण समझाया है और उन लोगों से शांत रहने और स्वयं की अच्छी तरह से देखभाल करने का आग्रह किया है। दूतावास ने कहा है कि वे वहां से निकाले जाने संबंधी निर्देशों का इंतजार करें। भारत का कहना है कि चीन के लिए तीसरी उड़ान में विलंब हुआ है जिससे चिकित्सकीय राहत आपूर्ति भी भेजी जाएगी क्योंकि चीन सरकार से इसके लिए अभी तक अनुमति प्राप्त नहीं हुई है।

रेप केस में आरोपी विधायक को क्लीन चिट

एजेंसी। भदोही

उत्तर प्रदेश के भदोही से भाजपा विधायक रविंद्र नाथ त्रिपाठी सहित उनके परिवार के पांच लोगों को सामूहिक बलात्कार मामले में पुलिस ने शनिवार को क्लीन चिट दे दी। पुलिस ने हालांकि विधायक के भतीजे संदीप तिवारी को बलात्कार का आरोपी माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। साथ ही विधायक के पुत्र नीतेश त्रिपाठी को मारपीट और गाली गलौज का आरोपी माना। पुलिस अधीक्षक राम बदन सिंह ने बताया, 10 फरवरी को एक महिला ने विधायक सहित सात लोगों पर सामूहिक बलात्कार का आरोप लगाया था।

इस मामले में सात लोगों के विरुद्ध मामला दर्जकर महिला का मजिस्ट्रेट के समक्ष लिखित में बयान दर्ज कराया गया। बयान में भी महिला ने वही बाते दोहराई जो उसने शिकायत में कहीं थीं।

हिंदी भाषा रोजगार का बहुत बड़ा माध्यम: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हिंदी भाषा देश के बड़े भू-भाग को जोड़ने का कार्य करती है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिंदी भाषा के महत्व को समझा और दुनिया भर में हिंदी को बढ़ाए जाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा रोजगार का बहुत बड़ा माध्यम है और भारत के ऋषि संस्कृत को बहुत पहले ही रोजगार से जोड़ चुके हैं। अगर संस्कृत पढ़ने वाला व्यक्ति अपनी बुद्धि का सही ढंग से उपयोग करे तो वह कभी भूख से नहीं मर सकता।

मुख्यमंत्री शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा महोत्सव का उद्घाटन करने के बाद समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि दुनिया को साहित्य का पाठ हम भारतीयों ने पढ़ाया है। दुनिया का सबसे प्राचीन ग्रंथ ऋग्वेद भी भारत ने ही दिया है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की बातें महाभारत जैसे ग्रंथ में लिखी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि तुलसीदास ने अवधी में श्रीरामचरित मानस के माध्यम से बहुत कुछ दिया और रामचरितमानस किसी बंधन में नहीं बंधा। यह हिंदी, संस्कृत, तेलुगू, मलयालम, कन्नड़ में भी है। उन्होंने कहा कि अवधी को भले ही भारतीय संविधान ने मान्यता न दी हो लेकिन भारत के लोग हर दिन श्रीरामचरितमानस का पाठ पढ़ते है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सौ साल पहले जब राष्ट्रपिता महात्मा गांधी काशी हिंदू (शेष पेज 9)

सोनभद्र में 3000 टन नहीं सिर्फ 160 किलो सोना

भाषा। कोलकाता/सोनभद्र

- जीएसआई के महानिदेशक ने कहा- कहीं कोई भंडार नहीं, जीएसआई के पास भी ऐसा कोई आंकड़ा नहीं

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने शनिवार को बताया कि उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में करीब 3,000 टन सोने का कोई स्वर्ण भंडार नहीं मिला है जैसा कि एक जिला खनन अधिकारी ने दावा किया था।

जीएसआई के महानिदेशक एम श्रीधर ने शनिवार शाम कोलकाता में कहा, जीएसआई के किसी व्यक्ति ने ऐसा कोई आंकड़ा नहीं दिया है.... जीएसआई ने सोनभद्र जिले में इतने बड़े स्वर्ण भंडार का कोई अनुमान नहीं लगाया है। उन्होंने कहा, हम सर्वेक्षण करने के बाद किसी अयस्क के संसाधनों के संबंध में हमारे निष्कर्ष राज्य इकाइयों के साथ साझा करते हैं.... हमने (जीएसआई, उत्तरी क्षेत्र) 1998-99 और 1999-20 में उस इलाके में काम किया था। सूचना और आगे की आवश्यक कार्वाई के लिए रिपोर्ट उत्तर प्रदेश के डीजीएम के साथ साझा की गई थी। श्रीधर ने कहा कि जीएसआई का सोने के लिए अन्वेषण कार्य संतोषजनक नहीं है और परिणाम इतने अच्छे नहीं है कि सोनभद्र जिले में किसी बड़े स्वर्ण भंडार का पता चले। उल्लेखनीय है कि सोनभद्र के जिला खनन अधिकारी केके राय ने शुक्रवार को कहा था कि जिले के सोन पहाड़ी और हरदी इलाकों में लगभग 3,000 टन सोने की मौजूदगी का पता लगा है। श्रीधर ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि जिले में अन्वेषण के बाद जीएसआई ने अपनी रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में सोन पहाड़ी इलाके के (शेष पेज 9)

सुप्रीम कोर्ट के जज ने पीएम मोदी की तारीफ में बांधा पुल

न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा ने कहा-प्रधानमंत्री बहुमुखी प्रतिभा के धनी ऐसे नेता जिन्हें पूरी दुनिया सराहती है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ में पुल बांधते सुप्रीम कोर्ट के जज न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा ने उन्हें बहुमुखी प्रतिभा वाला ऐसा नेता बताया जिनकी सराहना दूरदृष्टा के रूप में पूरी दुनिया करती है। न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सोच वैश्विक स्तर की है लेकिन वह स्थानीय हितों की कभी अनदेखा नही करते।

शनिवार को उच्चतम न्यायालय में अंतरराष्ट्रीय न्यायिक सम्मेलन 2020- न्यायपालिका और बदलती दुनिया के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्यायपालिका के समक्ष चुनौतियां एक समान हैं और, बदलती दुनिया में न्यायपालिका की भूमिका महत्वपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठता में तीसरे स्थान पर आने वाले न्यायमूर्ति मिश्रा ने सम्मेलन के शुभारंभ के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि गरिमापूर्ण मानव अस्तित्व हमारी अहम चिंता है। हम वैश्विक स्तर की सोच रखकर अपने यहां काम करने वाले बहुमुखी प्रतिभा के धनी नरेंद्र मोदी का उनके प्रेरक भाषण के लिए शुक्रिया अदा करते हैं। उनका संबोधन, सम्मेलन में विचार-विमर्श की शुरुआत के साथ और एजेंडा तय करने में उत्प्रेरक की भूमिका निभाएगा। भारत दुनिया में सबसे बड़ा लोकतंत्र है और लोगों को हैरानी होती है कि यह लोकतंत्र कैसे इतनी सफलतापूर्वक काम करता है।

इसी संदर्भ में पीएम मोदी की तारीफ करते हुए बोले कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना प्राप्त दूरद्रष्टा प्रधानमंत्र के नेतृत्व में भारत

नई दिल्ली में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय न्यायिक सम्मेलन 2020 में विदेशी और भारतीय न्यायाधीशों के साथ बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीजेआई एसए बोबडे के साथ।

मित्रतापूर्ण व्यवहार रखने वाला अंतरराष्ट्रीय समुदाय का एक जिम्मेदार और सबसे अनुकूल सदस्य है। इसके अलावा यह विकास की प्रक्रिया में पर्यावरण का सर्वोच्च संरक्षक भी है। (शेष पेज 9)

मोदी ने कठिन फैसलों का किया जिक्र, इशारा राम मंदिर की ओर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि तमाम आशंकाओं को दरकिनार कर 1.3 अरब भारतीयों ने हाल में अदालतों द्वारा सुनाए गए मुश्किल फैसलों का खुले दिल से स्वागत किया है, जिसकी दुनिया भर में चर्चा हो रही है। उनका स्पष्ट इशारा राजनीतिक रूप से संवेदनशील अयोध्या मामले पर आए ऐतिहासिक फैसले की ओर था।

प्रधानमंत्री ने उच्चतम न्यायालय में न्यायपालिका और बदलती दुनिया विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय न्यायपालिका सम्मेलन 2020 के उद्घाटन समारोह में अदालतों के हालिया कठिन फैसलों का जिक्र करते हुए कहा कि इन्हें लेकर चिंता व्यक्त की जा रही थी लेकिन देखिये क्या हुआ। एक अरब से ज्यादा भारतवासियों ने खुले दिल से इनका स्वागत किया। लैंगिग न्याय के संदर्भ में ट्रांसजेंडरों को लेकर कानून, तीन तलाक और दिव्यांगों के अधिकारों का जिक्र करते मोदी ने कहा कि दुनिया का कोई भी देश या समाज इसके बिना समग्र विकास को प्राप्त करने का दावा नहीं कर सकता।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने महिलाओं को सैन्य सेवाओं में बराबरी का (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 23 फरवरी 2020

बाइक बोट घोटाले में ईडी ने मारे छापे

दिल्ली-एनसीआर समेत लखनऊ में भी हो रही छानबीन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बाइक बोट घोटाला मामले में शनिवार को दिल्ली एनसीआर समेत उत्तर प्रदेश के कई ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ और ग्रेटर नोएडा में छापेमारी की सूचना है। वहीं दिल्ली में भी कुछ जगहों पर ईडी की टीम छानबीन कर रही है।

बाइक बोट घोटाले के मुख्य आरोपी राजीव भाटी की संपत्ति की छानबीन की जा रही है। खासकर ग्रेटर नोएडा के वेनिस मॉल में छापेमारी चल रही है। यह भी सूचना है कि ईडी की टीम ने स्थानीय पुलिस से कोई सहयोग नहीं लिया। 4000 करोड़ के बाइक बोट घोटाले में यह बड़ी जांच हुई। नोएडा में भी सेक्टर-63 में इडी की टीम जांच करने पहुंची है। यह किसी मीडिया कंपनी का दफ्तर बताया जा रहा है। पैसा जल्दी डबल करने और इनकम बढ़ाने का लालच देकर पैसे की ठगी की कड़ी में ही बाइक घोटाला भी एक कड़ी है।

सेक्टर-63 में ईडी की छापेमारी के दौरान कंपनी के बाहर तैनात पुलिस।

इस लोकलुभावन स्कीम को चलाने वाली कंपनी इनोवेटिव प्रमोटर्स लिमिटेड के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने कुछ समय पहले एक एफ आइआर दर्ज कर रखा है। जांच में पता चला कि यह घोटाला एक दो नहीं बल्कि 42 हजार करोड़ का है। इस कंपनी ने वादा किया था कि आप

दादरी कोतवाली में दर्ज हैं 46 मुकदमें

हमारे पास बाइक में इन्वेस्ट करते हैं तो मुनाफा दिया जाएगा।

पुलिस ने बताया कि कंपनी ने बाइक बोट स्कीम लाकर लोगों से पैसा लगवाकर उन्हें अच्छा रिटर्न देने का वादा किया। शुरुआत में तो कंपनी ने एक-दो महीने में लोगों को रिटर्न भी दिए लेकिन, बाद में कंपनी ने रिटर्न देने से मना कर दिया। इसके बाद पुलिस जांच जब शुरू हुई तो जांच एजेंसी के होश उड़ गए। यह घोटाला काफी बड़ा होता चला गया। पुलिस को हजारों लोगों से शिकायतें मिलनी शुरू हो गई। इसमें बीएसपी नेता संजय भाटी का नाम सामने आया। इस मामले में कुल 46 मुकदमें दादरी कोतवाली में दर्ज हैं।

मारपीट के आरोपी को पुलिस ने दबोचा

नोएडा। जारचा पुलिस ने छौलस गांव में एनआरसी की सर्वे टीम समझकर आर्थिक गणना करने वाली टीम के साथ मारपीट के मामले में एक व्यक्ति जावेद को गिरफ्तार कर लिया है, अन्य की तलाश की जा रही है। आर्थिक गणना पहुंची टीम के साथ जावेद ने मारपीट की थी।

18 फरवरी को टीम जावेद के घर आर्थिक गणना करने पहुंची थी। उस दौरान जावेद ने शोर मचा दिया और गांव के लोगों ने टीम को बंधक बना लिया था। टीम के साथ मारपीट की गई थी। बाद में पुलिस ने उन्हें मुक्त कराया था। इस मामले में जन सुविधा केंद्र के सुपरवाइजर राजसिंह ने जावेद सहित 50 लोगों पर आरोप लगाते हुए पुलिस में रिपोर्ट कराई थी।

प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी राहुल भाटी ने बताया कि गांव के लोगों ने आर्थिक गणना की टीम को गलत समझ लिया गया था। पुलिस जांच में टीम को बंधक बनाने का आरोप सही नहीं मिला।

वारिस पठान के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन, फूंका पुतला

देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

शनिवार को अखिल भारतीय हिंदू महासभा द्वारा एआईएमआईएम नेता वारिस पठान का पुतला फूंका गया। बीते दिनों वारिस पठान द्वारा विवादित बयान दिया गया था, जिसे लेकर वारिस पठान का लगातार विरोध किया जा रहा है।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता बीके शर्मा हनुमान ने कहा कि देश को वारिस पठान जैसे जहरीले बयान देने वाले नेताओं से सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की राजनीति के लिए एआईएमआईएम पार्टी के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पूरी तरह से जिम्मेदार हैं। क्योंकि इस तरह के जहरीले बयान उनके सामने दिए जाते हैं, और वह चुप बैठे रहते हैं। उन्होंने

एआईएमआईएम नेता वारिस पठान का पुतला फूंकते अखिल भारतीय हिंदू महासभा के कार्यकर्ता।

कहा कि अखिल भारतीय हिंदू महासभा सरकार से यह मांग करता है कि जिस तरह से पाक जिंदाबाद के नारे लगाने वाली लड़की के खिलाफ कार्रवाई हुई, उसे जेल भेजा गया। उसी तरह वारिस पठान पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करके उन्हें जेल में डाल देना चाहिए और उन्हें आजीवन जनप्रतिनिधि बनाने से अयोग्य समझा जाना चाहिए।

एनएच-24 चौड़ा करने पर लोगों ने किया प्रदर्शन

गाजियाबाद। राष्ट्रीय राजमार्ग-24 के किए जा रहे चौड़ीकरण से उत्पन्न समस्याओं को देखते हुए बागू, इंदर कालोनी, कृष्णानगर, भीम नगर, खैराती नगर, न्यू कृष्णानगर, सिद्धार्थ विहार, बिहारीपुरा, महाराजा विहार, सैन विहार आदि कालोनियों के लोगों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और डीएम के माध्यम से सड़क परिवहन राज्यमंत्री वीके सिंह को ज्ञापन भेजा।

ज्ञापन में कहा गया कि एनएच-24 का चौड़ीकरण किया जा रहा है। जिसकी दक्षिणी दिशा में बागू, इंदरकॉलोनी, कृष्णानगर, भीमनगर, खैरातीनगर, न्यू कृष्णानगर, सिद्धार्थ विहार, बिहारीपुरा, महाराजा विहार, सैन विहार आदि कॉलोनियां है।

यहां करीब पांच लाख से अधिक आबादी रहती है जो रोजाना एनएच- 24 को पार कर दूसरी तरफ जाती है लेकिन, राजमार्ग का चौड़ीकरण के दौरान उक्त कॉलोनी के मुख्य रास्ते को बंद कर दिया जाएगा जिससे काफी परेशानी हो सकती है।

युवक के गले में कुत्ते का पट्टा डालकर पीटा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मसूरी थाना क्षेत्र के कल्लू गढ़ी इलाके से एक वीडियो सोशल मीडिया पर बड़ी तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें कुछ लोग एक युवक को बड़ी ही बेरहमी से बंद कमरे में पीट रहे हैं और युवक के गले में कुत्ते का पट्टा

सोशल मीडिया पर वीडियो हुआ वायरल

डालकर उसे घसीट रहे हैं। लाठी-डंडों से मारते हुए उससे कह रहे हैं भौक कुत्ते भौंक। युवक पिटाई करने वालों के आगे हाथ जोड़कर उनसे अपनी जान की भीख मांगता दिखाई दे रहा है।

युवक के साथ मारपीट करने की वजह एक लड़की के साथ कोर्ट मैरिज करना बताया जा रहा है। लड़की के परिजनों द्वारा युवक को अगवा कर उसके साथ बेरहमी से मार पिटाई की गई है। पुलिस भी इस युवक की कोई मदद नहीं कर रही है। युवक को जान का खतरा है युवक का नाम इकरामुद्दीन है जो कि मसूरी थाना क्षेत्र के कल्लू गढ़ी का रहने वाला बताया जा रहा है।

वायरल वीडियो में एक युवक के गले में कुत्ते का पट्टा बांधकर बैठा युवक।

इस संबंध में थाना प्रभारी मसूरी का कहना है कि उन्हें भी मीडिया के माध्यम से ही इसकी जानकारी मिली है। मामले में अभी कोई तहरीर नहीं आई है। उन्होंने कहा कि तहरीर आने पर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिले के पुलिसकर्मी भी होंगे ट्रंप की सुरक्षा में शामिल

गाजियाबाद। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पत्नी के साथ सोमवार को आगरा में ताज का दीदार करने आएंगे। इसके लिए सुरक्षा के कड़े प्रबंध होंगे। इनमें गाजियाबाद पुलिस को भी शामिल किया गया हैं। इसके लिए जिले के करीब 500 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई हैं। हालांकि उनकी तैनाती आगरा में किस स्थान पर होगी उसे नहीं बताया गया है। अंतिम समय में ही स्थान की जानकारी दी जाएगी।

एसएसपी ने बताया कि जिन पुलिसकर्मियों को जिले से भेजा जाना है उनकी सूची तैयार कर ली गई है। इसमें आसपास के जिलों से तेजतर्रार पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा उन पुलिसकर्मियों को छांटा गया है जो पूर्व में भी वीवीआईपी ड्यूटी कर चुके हैं।

साइबर अपराध रोकने के लिए पुलिस ने कसी कमर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

साइबर अपराध की जांच में गुणवत्ता लाने और डिजिटल फॉरेंसिंक तथा आईटी अधिनियम के संबंध में पुलिसकर्मियों को सही जानकारी देने के उद्देश्य से शनिवार को सेक्टर 108 स्थित कमिश्नर कार्यालय में दो दिवसीय साईबर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन पुलिस आयुक्त आलोक सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया।

सिंह ने कहा इस कार्यशाला में साइबर अपराधों की जानकारी रखने वाले विशेषज्ञों की मदद से गौतम बुध नगर कमिश्नरेट के तीनों जोन के कम्प्यूटर की जानकारी रखने वाले निरीक्षक, उपनिरीक्षक, आरक्षी स्तर के 300 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने बताया

कार्यशाला को संबोधित करते सीपी आलोक सिंह। फोटो : दीपक यादव

कार्यशाला में डिजिटल फॉरेंसिंक तथा आईटी अधिनियम से संबंधित जानकारियां भी पुलिसकर्मियों की दी जाएंगी। साइबर अपराध की जांच किस तरह से की जाए, इसकी भी जानकारी उक्त कार्यशाला में दी जा रही है।

अधिकारी ने बताया कि गौतम बुध नगर में साइबर अपराध के मामले अधिक हैं। यहां पर आए दिन कोई न कोई साइबर ठगी का शिकार हो रहा है। इसे रोकने के उद्देश्य से

कार्यशाला में सीपी ने बताई योजना

पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने बताया, कार्यशाला में उच्चतम न्यायालय के वकील, आईटी अधिनियम के जानकार, सीबीआई में कार्यरत साइबर के जानकार अधिकारी, एथिकल हैकर रक्षित टंडन सहित कई प्रबुद्ध लोग भाग ले रहे हैं। इसमें विभिन्न सत्रों के माध्यम से अतिथिगण पुलिसकर्मियों को साइबर क्राइम रोकने के लिए प्रशिक्षित करेंगे। उन्होंने कहा साइबर अपराध पुलिस के लिए भविष्य की चुनौती है। इसकी रोकथाम और जनमानस को इस अपराध से निजात दिलाने के लिए अभी से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

संक्षिप्त समाचार

शहीद स्मारक में लगाए गए चेन्नई मॉडल के अनावरण के दौरान मौजूद मुख्य अतिथि एडमिरल करमबीर सिंह व अन्य अधिकारीगण।

आईएनएस चेन्नई के मॉडल का अनावरण

नोएडा। शहीद स्मारक में 19वीं वार्षिक दिवस 38 मारट्यार्स को पूर्ण सम्मान के साथ मनाया गया। इस दौरान एडमिरल ने आईएनएस चेन्नई के मॉडल का अनावरण किया। पी15ए गाइडेड मिसाइल विध्वंसक, भारतीय नौसेना द्वारा उपहार में दिया गया। इस अवसर पर सभी लोगों ने गूंज उठाई, पुष्पांजलि समारोह देखने के बाद, जिसे सैन्य सेवा के साथ त्रिकोणीय सेवा गार्ड, बुग्लर्स और बैंड में उपस्थिति के साथ किया गया। जब अपने प्रिय की वीरता की कहानी को याद किया गया और जब प्रत्येक शहीद के परिवार के सदस्यों में से एक को माल्यार्पण करने के लिए बुलाया गया, तो इस अवसर पर शहीद होने वाले शहीदों के परिवारों की आंखों में सुन्नता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, एडमिरल करमबीर सिंह, नौसेना स्टाफ के प्रमुख, सहित कई अधिकारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

अलग राज्य बनवाने की मांग, धरना आज

गाजियाबाद। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 27 जिलों को मिलाकर अलग राज्य बनाने की मांग को लेकर पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा आज 11 बजे से सांय तीन बजे तक दुहाई टोल मेरठ रोड पर विशाल धरना देगा। महानगर अध्यक्ष राजेंद्र पाराशर ने बताया कि अलग राज्य बनाने की मांग पिछले कई वर्षों से किया जा रहा है। इस धरने में कई गांवों के प्रधानों के अलावा, एडवोकेट , अध्यापक व अनेक गणमान्य व्यक्ति अपने विचार रखेंगे। इस मौके पर विजयपाल सिंह तोमर, दिलशाद प्रमुख, वंदना चौधरी, हंसवीर सिंह, रतन सिंह, वीरेंद्र सिरोही, जयपाल सिंह, रवि वर्मा, टीकम नागर, नवीन चौधरी, अलमास चौधरी, रतन पाल यादव, सतेंद्र, योगेंद्र नेहपाल, सलेक गोस्वामी आदि उपस्थित थे।

भाजपा जिला पदाधिकारियों का किया स्वागत

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर के जिला पदाधिकारियों का स्वागत श्यामा प्रसाद मखर्जी मण्डल के सामुदायिक केंद्र सेक्टर 122 मे हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन खुशबू चौहान एवं मण्डल अध्यक्ष पंकज झा ने किया। सभी पदाधिकारियों का स्वागत एक गुलाब का फूल एवं रामायण ग्रंथ की पुस्तक भेंट करके किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने सभी को संबोधित करते हुए कहा हमे गर्व है हम ऐसी पार्टी के कार्यकर्त्ता हैं जो विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। जिसमें एक चाय बेचने वाला प्रधानमंत्री बन सकता है। नरेंद्र मोदी अब तक के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने देश की मुस्लिम महिलाओं के लिए तीन तलाक बिल पास कराया साथ ही धारा 370 एवं राम मंदिर निर्माण जैसे बढ़े मुद्दों का समाधान कराया।

विधायक से मिला किसान प्रतिनिधिमंडल

नोएडा। नोएडा क्षेत्र के किसानों के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने नोएडा प्राधिकरण की किसान विरोधी नीतियों से तंग होकर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह व दादरी विधायक तेजपाल नागर से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल के प्रवक्ता इन्द्र सिंह यादव ने बताया कि नोएडा के 81 गांवों में से आज तक किसी भी एक गांव की समस्याओं का निस्तारण प्राधिकरण नहीं कर पाया है। उल्टा आबादी निस्तारण के बजाय आयेदिन गावों में ध्वस्तिकरण के नोटिस भेजकर किसानों में डर पैदा कर दिया है।

चलन से बाहर हो चुके लाखों के नोट बरामद

नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में संविदा पर तैनात एक लिपिक को थाना कासना पुलिस ने शनिवार सुबह चलन से बाहर हो चुके लाखों रुपए के नोट के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस की कई टीमें आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस को संदेह है कि यह लिपिक ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में हुए कई घोटालों में शामिल है।

बताया जाता है कि यह लिपिक सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए नोएडा- ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के पूर्व मुख्य अभियंता यादव सिंह के मामले में भी पूछताछ की जद में आया था। डीसीपी ने बताया कि नए कानून के तहत चलन से बाहर हो चुके नोट रखना अपराध है।

एक फैक्ट्री के बाहर गेट पर ताला लगाते निगम अधिकारी।

तालाबंदी के बाद गृहकर जमा कराने दौड़े लोग

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

नगर निगम ने महानगर के पांच जोनों में शनिवार को गृहकर वसूली के लिए विशेष अभियान शुरू कर दिया। पहले दिन राठी उद्योग समूह की विजय नगर बाईपास स्थित राठी उद्योग समेत लगभग आधा दर्जन व्यवसायिक व गैर व्यवसायिक भवनों को सील कर दिया। कुछ संस्थानों ने सील लगने के बाद कर जमा कर अपने भवनों की सील खुलवाई। अभियान के दौरान निगम की कर निर्धारण टीम ने लाखों रूपये कर की वसूली भी की।

नगर आयुक्त दिनेश चंद्र ने बताया कि कविनगर जोन में डी

कार्रवाई से निगम ने की लाखों की वसूली

ब्लाक स्थित रामवती के आवास पर छह लाख 88 हजार रूपये का बकाया नहीं देने पर भवन सील कर दिया गया था लेकिन, बाद में कर जमा कराने के बाद सील खोल दी गई। इसी जोन विनायक फार्म हाउस और मैसर्स सुप्रीम सलप प्राइवेट लिमिटेड को भी सील कर दिया।

इन दोनों कंपनियों पर क्रमश: 11 लाख 53 हजार व 4लाख 57 हजार का कर बकाया था। वसुंधरा जोन में एमके ओवरसीज पर पांच लाख 80 हजार रूपये का कर बकाया था इस कंपनी को भी निगम ने सील कर दिया।

मोहन नगर जोन में गुरू कृपा स्टोर पर एक लाख रूपये का बकाया था,जैसे ही इस स्टोर को सील किया गया मालिक ने तत्काल मौके पर ही एक लाख रूपये जमा कर दिए। जिसके बाद सील खोल दी गई। इसी जोन में डीएलएफ भवन पर एक लाख 20 हजार कर बकाया था। जिसमें मालिकों ने मौके पर ही बकाया कर का भुगतान कर दिया। सिटी जोन में मालीवाड़ा स्थित एक भवन पर 17 लाख रूपये बकाया है। इसकी मालिक कृष्णावती हैं। इस भवन को भी सील कर दिया गया।

आवारा कुत्तों से निजात को डीएम से गुहार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

आवारा कुत्तों के आतंक से परेशान इंदिरापुरम के लोगों ने शनिवार को जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय से मुलाकात कर अपनी समस्या रखी।

जिलाधिकारी को दिए ज्ञापन में उन्होंने कहा कि उनकी सोसायटी में बाहरी कुत्तों की संख्या बहुत अधिक है। इनकी वजह से महिलाओं और बच्चों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। आए दिन कुत्ते बच्चे और महिलाओं को काट रहे हैं। उन्होंने इससे निजात के लिए उचित कार्रवाई की मांग रखी।

कई महिलाओं व बच्चों को काट चुके हैं

एक हफ्ते पहले शिप्रा कृष्णा विस्टा सोसायटी में आवारा कुत्तों के आतंक से लोग सड़कों पर निकल आए थे। इसे लेकर काफी दिनों तक लोगों का आंदोलन चला। इस बीच नगर निगम, स्थानीय पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने इसका समाधान निकालने की कोशिश की लेकिन, कोई स्थाई हल नहीं निकला।

जिलाधिकारी से लोगों ने कहा कि पिछले एक महीने में कई महिलाओं और बच्चों को कुत्तों ने काट लिया है। सोसायटी में काफी संख्या में आवारा कुत्ते घूमते रहते हैं। इनसे काफी खतरा है।

लोगों का कहना है कि यहां पर कुछ पशु प्रेमी लोग कुत्तों को खाना खिलाने के लिए उन्हें सोसायटी के अंदर लाते हैं। ऐसे लोग जंतु कानून की आड़ में लोगों को मुकदमा दर्ज कराने की धमकी भी देते हैं। ऐसे में नागरिकों को दोहरी मार झेलनी पड़ती है। इस मामले में उचित कार्रवाई की मांग कॉलोनी के लोगों ने डीएम से की।

पुण्यतिथि पर कस्तूरबा गांधी को दी श्रद्धांजलि

गाजियाबाद। हिंदी भवन में जिला प्रशासन द्वारा महात्मा गांधी की 150 वीं जन्मशताब्दी कार्यक्रम के तहत कस्तूरबा गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों ने कस्तूरबा गांधी को श्रद्धांजलि दी। स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ सेल्फ डिफेंस का डिमांसट्रेशन किया।

कार्यक्रम में उपस्थित सीडीओ अस्मिता लाल ने कहा कि मानव जीवन में व्यक्ति के संघर्ष में महिलाओं की बड़ी भूमिका होती है। महात्मा गांधी के जीवन में उनकी पत्नी का विशेष योगदान रहा।

जिला अस्पताल में संविदाकर्मियों के धरने को समर्थन देने पहुंचे सपाई।

बच्चों को बचपन से सिखाएं पौधों का महत्व : सीईओ

नोएडा फ्लावर शो में 3500 प्रजातियों के फूलों से हुई वसंत उत्सव-2020 की शुरूआत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा स्टेडियम में 34वां नोएडा फ्लावर शो का आगाज हो गया। नोएडा सीईओ ने परंपरिक ढंग से फ्लावर शो का उद्घाटन किया। इस मौके पर बच्चों को पौधारोपण और उसके महत्व के बारे में जानकारी दी गई। तीन दिन चलने वाले इस उत्सव में 80 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं।

वहीं, कई नामी-गिरामी स्कूलों, सरकारी संस्थाएं इसमें हिस्सा ले रहे हैं। अंतिम दिन बेहतरीन बागवानी करने वाले को पुरस्कृत किया जाएगा। 3500 प्रजातियों के फूलों से वसंत उत्सव-2020 का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर प्राधिकरण सीईओ रितु माहेश्वरी ने कहा कि हम

वसंत उत्सव में अपने बच्चों के फोटो खिंचवाती एक महिला। फोटो : दीपक यादव

सबकी जिम्मेदारी है कि पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए ज्यादा से ज्यादा पेड़-पौधों को लगाना और बचाना होगा। इसके साथ बच्चों में बचपन से पौधों के महत्व के बारे में जानकारी देनी होगी जिससे वह इसे और बेहतर तरीके से समझ सकें। इस फ्लावर शो को वसंत उत्सव का नाम दिया गया है। इस बार की प्रदर्शनी का स्तर पिछली बार की तुलना में काफी व्यापक है। डीएनथस थीम पर आयोजित इस शो में कई खास चीजें हैं। प्रदर्शनी में इस बार प्रदूषण को सोखने वाले पौधों और प्लास्टिक से होने वाले हानिरकारक प्रभाव के बारे में बताया जा रहा है।

वहीं, नुक्कड़ नाटक के जरिए शहरवासियों को प्रतिबंधित प्लास्टिक के प्रति जागरूक करने का काम भी किया जा रहा है। तीनों दिन सीआरपीएफ बैंड की ओर से प्रस्तुति दी जाएगी। इसमें डीएनथस थीम के प्रजातियों के फूलों को विशेष तरजीह दी जा रही है। इसके अलावा शो में बागवानी की जानकारी देने के लिए 80 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। वहीं 38 नर्सरी संचालकों को भी शो में स्थान दिया गया है। फ्लावर शो को और आकर्षक बनाने के लिए यहां बोंसाई, कैक्टस, सजावटी पौधे, फ्लावर पॉट्स, हैंगिंग गार्डन, फूलों की रंगोली भी शामिल है।

जिला अस्पताल में संविदाकर्मियों के धरने को समर्थन देने पहुंचे सपाई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल सपा जिला प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे के नेतृत्व में सेक्टर 30 स्थित जिला अस्पताल में धरने पर बैठे संविदा कर्मियों के समर्थन में शामिल हुए। नौकरी से निकाले गए एवं उनके समर्थन में बैठे संविदा कर्मियों ने अपनी परेशानियों से सपा प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि चौदह कंप्यूटर आपरेटर के अलावा एक इलेक्ट्रीशियन को भी काम से रोक दिया गया है। उनकी मांग है कि यथाशीघ्र उनका वेतन दिलाया जाय और वापस काम पर रखा जाय। कर्मचारियों की मांग को लेकर प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर बंदना शर्मा से मुलाकात की और उन्हें कर्मचारियों की समस्या से अवगत कराया। समस्या से संबंधित पत्र भी वंदना शर्मा को सौंपा। वंदना शर्मा ने कहा कि वह भी प्रयास कर रही हैं कि कर्मचारियों का वेतन शीघ्र मिल जाये।

सपा जिला प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने बताया कि नोएडा के प्रभारी मंत्री जय प्रताप सिंह है जो कि उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री भी हैं वहां के अस्पताल की यह दुर्दशा हो रही है तो अन्य जिलों के स्वास्थ्य सेवा की स्थिति क्या होगी इसे आसानी से समझा जा सकता है। सरकार के पास कर्मियों को देने के लिए पैसे नहीं हैं और मरीजों दवा के लिए बेहाल हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

काम की राज-नीति कर पैर पसारने जा रही आप

बीस राज्यों में आज से माह भर चलने वाले राष्ट्र निर्माण अभियान का करेगी आगाज

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय राष्ट्र निर्माण से जुड़ने के लिए मोबाइल नंबर जारी करते हुए।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनावों में जबरदस्त जीत के बाद आम आदमी पार्टी (आप) अपनी धमक राष्ट्रीय राजनीति में भी दिखाने की तैयारी कर रही है। पार्टी 23 फरवरी से देश के 20 राज्यों में राष्ट्र निर्माण अभियान की शुरुआत करेगी और 'काम की राजनीति' को इस मुहिम का मुख्य आधार बनाएगी। यह जानकारी आप के दिल्ली संयोजक और कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने दी।

राय ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि इस अभियान के तहत इन राज्यों में पोस्टर लगाया जाएगा जिसपर राष्ट्र निर्माण अभियान से जुड़ने के लिए मिस्ड कॉल नंबर 9871010101 लिखा होगा। विभिन्न राज्यों में अलग-अलग भाषाओं में पोस्टर को तैयार कराया जा रहा है। साथ ही

● सभी राज्यों में कॉर्डिनेटर की नियुक्ति

इसके लिए पार्टी ने सभी 20 राज्यों में कॉर्डिनेटर नियुक्त किए हैं। अभियान 23 मार्च 2020 तक चलेगा। इसके समापन के पश्चात राज्यों के कोऑर्डिनेटरों के साथ समीक्षा कर आगे की रणनीतियां तय की जाएंगी।

उन्होंने यह भी दावा किया कि दिल्ली चुनाव परिणाम आने के साथ प्रारंभ हुए राष्ट्र निर्माण अभियान से अब तक 16 लाख लोग मिस्ड कॉल कर आप से जुड़ चुके हैं। गोपाल राय ने बताया कि इसके अतिरिक्त सभी राज्यों में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन भी किया जाएगा।

राज्य के जो हमारे पदाधिकारी हैं वह सभी, दिल्ली में जो काम की राजनीति की एक शुरुआत हुई है, सकारात्मक राष्ट्रवाद और विकास का जो मॉडल दिल्ली में खड़ा हुआ है, उसको लेकर अपने-अपने राज्यों में प्रेस वार्ता करेंगे।

उन्होंने बताया कि इस राष्ट्र निर्माण अभियान के लिए अलग-अलग राज्यों में, अलग-अलग कॉर्डिनेटर की नियुक्ति की गई है।

'यमुना को प्रदूषण मुक्त कर बनाएंगे रिवर फ्रंट'

नई दिल्ली। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शनिवार को दिल्ली गेट के पास आधुनिक तकनीकी पर आधारित लगाए गए एसटीपी प्लांट का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने पर्यावरण मंत्री के सामने दिल्ली के नालों से यमुना नदी में गिर रहे गंदे पानी को शोधित (ट्रीट) करके गिराने को लेकर प्रजेंटेशन दिया।

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि हमारा पहला लक्ष्य है कि दिल्ली के सभी नालों से गंदे पानी को शोधित करके यमुना नदी में गिराया जाए और यमुना के किनारे रिवर फ्रंट तैयार किया जाए। सरकार कुछ दिनों में प्लान करके उस दिशा में आगे बढ़ेगी। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर वायु प्रदूषण के साथ जल प्रदूषण भी है।

खासतौर से यमुना नदी के जल प्रदूषण को साफ करने की बेहद जरूरत है। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि दिल्ली गेट पर स्थापित एसटीपी आधुनिक तकनीकी पर आधारित ट्रीटमेंट प्लांट है। दिल्ली के अंदर ऐसे दो ट्रीटमेंट प्लांट काम कर रहे हैं।

इस ट्रीटमेंट प्लान की खासियत यह है कि गंदे नाले के पानी को साफ कर दे रहे हैं। इसी से गैस बनाई जा रही है। इस गैस से तैयार हो रही बिजली से यह ट्रीटमेंट प्लांट चल रहा है। साथ ही इससे निकल रहे मलबे को किसानों के खाद के काम आ रही है। एक सवाल के जवाब में गोपाल राय कहा कि यमुना में पहले से जितने एसटीपी जहां-जहां काम कर रहे हैं, वहां पर जल प्रदूषण में फर्क दिख रहा है।

लेकिन यमुना को साफ करने के लिए तकनीकी के साथ सरकार अपने काम को बड़े पैमाने पर आगे बढ़ाएगी। यमुना में डुबकी लगवाने के वादे को पूरा करने को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए गोपाल राय ने कहा कि निश्चित रूप से हम उस पर शीघ्र काम शुरू करेंगे।

दिल्ली के एक स्कूल में बच्चों के साथ मनीष सिसोदिया।

गरीबी मिटाने के लिए अच्छी शिक्षा बेहद जरूरी: सिसोदिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विज्ञान भवन में आयोजित भारतीय युवा संसद में शनिवार को दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा गरीबों को हटाने में मदद कर सकती है।

सिसोदिया ने भारत में बदलाव की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षित भारत देश में गरीबी और भूख समेत विभिन्न समस्याओं को खत्म करने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर ध्यान देना होगा, जो इस पूरी प्रक्रिया में तेजी लाएगा और भारत को विकास तथा सफलता की राह पर ले जाएगा। उन्होंने कहा कि जब हम स्कूल में पढ़ते थे तो उस समय हम इस बात पर हंसते थे कि दुनिया में तीन तरह के देश होते हैं- विकसित, विकासशील और अविकसित देश। पिछले कुछ दशकों से भारत विकासशील देश की श्रेणी में बना हुआ है। हमें उम्मीद है कि भारत अगले आठ-दस सालों में विकसित देश बन जाएगा।

यह देखना दुखद है कि जिस देश में संसाधनों का खजाना है, मौलिक विचारक और प्रतिभावान दिमाग हैं वह अब भी गरीबी और भुखमरी जैसे मुद्दों को लेकर जूझ रहा है। इतना ज्यादा कि हम अगले 10 सालों में इस मुद्दे का हल ढूंढने के लिए विज्ञान भवन में इकट्ठा हुए हैं।

नहीं चला विनय का पैंतरा, याचिका खारिज

निर्भया मामला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को निर्भया सामूहिक दुष्कर्म और हत्या मामले में चार दोषियों में एक विनय कुमार शर्मा की याचिका खारिज कर दी। इस याचिका में उसने दावा किया था कि वह मानसिक बीमारी से जूझ रहा है और उसे उपचार की जरूरत है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा ने दोषी विनय कुमार शर्मा द्वारा दाखिल याचिका खारिज कर दी। याचिका में दावा किया गया था कि उसके माथे पर गहरी चोट है, दाईं बांह टूटी हुई

है और उस पर प्लास्टर है। वह मानसिक बीमारी सिजोफ्रेनिया से ग्रस्त है।

तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने उसके दावों को तोड़े मरोड़े गए तथ्यों का पुलिंदा बताया और अदालत से कहा कि सीसीटीवी फुटेज से साबित हुआ है कि दोषी विनय कुमार शर्मा ने चेहरे को खुद ही जख्मी कर लिया और वह किसी मनोवैज्ञानिक विकार से ग्रस्त नहीं है। जेल की तरफ से पेश मनोचिकित्सक ने कहा कि रोजाना

● मानसिक बीमारी का किया था दावा, बताई थी इलाज की जरूरत

आधार पर सभी चारों दोषियों की चिकित्सा जांच की गई और सभी ठीक हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा ने विनय की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि मानसिक बीमारी जैसे कोई लक्षण नहीं हैं और न ही वे ऐसी कोई कारण पाते है जिसके आधार पर उसे इहबास या किसी अन्य अस्पताल में भेजा जाए जैसा कि उसने याचिका में अनुरोध किया है। अदालत ने कहा कि मौत की सजा पाए दोषी में आमतौर पर बेचैनी और डिप्रेशन आम बात है। कोर्ट ने गौर किया कि दोषी को उचित चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक मदद उपलब्ध कराई जा रही है।

जज ने कहा कि जेल अधीक्षक को एक बार फिर नियमों के अनुरूप दोषियों की उचित देखरेख निर्देश दिया जाता है। तिहाड़ जेल तैनात डॉ. विवेक रस्तोगी और डॉ. आकाश नाराडे की दलीलों को कोर्ट ने संज्ञान में लिया, जिसमें उन्होंने कहा कि हालांकि दोषी बेचैन और परेशान है लेकिन विशेषज्ञ मानसिक चिकित्सकों द्वारा उपलब्ध कराए गए इलाज का उस पर सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है।

मेलानिया के दौरे के लिए स्कूलों को चमकाया

नई दिल्ली। अमेरिका की पहली महिला मेलानिया ट्रंप अपने भारत यात्रा के दौरान दिल्ली के सरकारी स्कूलों में भी जाएंगी जिसके मद्देनजर स्कूलों तक जाने वाली सभी सड़कों की मरम्मत कर दी गई है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

दिल्ली नगर निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार मेलानिया ट्रंप के स्वागत के लिए सड़कों और फुटपाथों की मरम्मत की गई है और पौधे भी लगाए गए हैं। अधिकारी ने कहा कि संबंधित निकाय को सफाई व्यवस्था का काम सौंप दिया गया है और स्कूल के आसपास से कचरे को हटा दिया गया है। मेलानिया ट्रंप मंगलवार को दिल्ली के सरकारी स्कूलों में जा सकती हैं। ज्ञात हो दिल्ली के सरकारी स्कूलों को लेकर विश्व स्तर पर बातचीत हो रही है। सरकार के लिए कटिबद्ध नजर आ रही है।

सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की कोशिश: नकवी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ शाहीन बाग में जारी विरोध प्रदर्शन को लेकर केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को कहा कि कुछ लोग भ्रम फैलाकर देश के सौहार्द, धर्मनिरपेक्षता और संविधान के ताने-बाने को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

भारतीय छात्र संसद के 10वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए नकवी ने कहा, हमारे संविधान में जहां संसद, विधानमंडल की शक्ति एवं विशेषाधिकार को अनुच्छेद 105 स्पष्ट करते हैं, वहीं इससे पहले अनुच्छेद 51 ए मूल कर्तव्यों का उल्लेख करते हैं। भारतीय संविधान ने मूल कर्तव्यों के प्रति भी जिम्मेदारी तय की है।

नकवी ने कहा, जिस तरह से मौलिक अधिकारों के सम्बन्ध में हम

शाहीन बाग मामला

जागरूक रहते हैं उसी तरह से मूल कर्तव्यों के प्रति भी हमें जिम्मेदारी समझनी होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नागरिकों के मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्यों के निर्वहन पर आधारित हैं। नागरिकों द्वारा राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

नकवी ने कहा कि जीवन, समानता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से संबंधित मौलिक अधिकारों को बनाए रखना अत्यंत

● हमारा संवैधानिक ढांचा अनेकता में एकता की देता है गारंटी

आवश्यक है और जन प्रतिनिधियों सहित नागरिकों को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को गंभीरता से लेने की जरुरत है। हिंदुस्तान धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक देश है और यह बहुसंख्यकों के संस्कार-सोच के संकल्प का नतीजा है एवं अनेकता में एकतौ के मजबूत ताने-बाने का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भ्रम फैलाकर देश के सौहार्द, धर्मनिरपेक्षता और संविधान के ताने-बाने को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं और सियासत की सेज सजाने की साजिश में लगे हैं। नकवी ने कहा कि हमारा संवैधानिक संघीय ढांचा सामाजिक सौहार्द और 'अनेकता में एकता' की गारंटी है।

संक्षिप्त समाचार

संस्कृत के छात्रों के लिए दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता

नई दिल्ली। संस्कृत पढ़ने वाले छात्रों के मानसिक विकास के लिए दिल्ली में ही नहीं सम्पूर्ण देश में संस्कृत छात्रों के लिए हर प्रकार की योजनाएं चलाने का जरूरी है। यह विचार दिल्ली संस्कृत अकादमी एवं विद्या प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में महर्षि वेद व्यास संस्कृत विद्यापीठ बक्करवाला नई दिल्ली में दिल्ली में स्थित विभिन्न संस्कृत विद्यालयों के छात्रों के लिये आयोजित दो दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ करते हुए विश्व जागुति कमशन की ध्यान गुरू डॉ. अर्चिका ने व्यक्त किये। दिल्ली संस्कृत अकादमी के सचिव डॉ. जीतराम भट्ट ने कहा संस्कृत छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए दिल्ली संस्कृत अकादमी हर समय प्रयासरत है।

स्वामी श्रद्धानंद के जन्म दिवस पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। समाज सुधारक और शिक्षा के प्रचारक स्वामी श्रद्धानंद को उनके जन्म दिवस के अवसर पर उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उत्तरी दिल्ली के महापौर श्री अवतार सिंह ने टाउन हॉल, चांदनी चैक में स्थित उनकी प्रतिमा पर फूल-मालाएं अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर एक सादे समारोह का आयोजन भी किया गया जिसमें निगम अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर महापौर अवतार सिंह ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद भारत के अग्रिम महापुरूषों में से एक है। उन्होंने समाज सुधार, हिन्दु-मुस्लिम एकता, शिक्षा के प्रचार प्रसार और देशभक्ति में अपना जीवन लगा दिया। उनके द्वारा फैलाई गई शिक्षा की रौशनी से अब तक समाज प्रकाशमान है।

छात्रों को लुभाया आयरलैंड का शिक्षा मेला

नई दिल्ली। बड़ी संख्या में भारतीय विद्यार्थियों के लिए आयरलैंड उच्च शिक्षा का सबसे पसंदीदा केंद्र बन गया है। इसके मद्देनजर एंटरप्राइज आयरलैंड ने शिक्षा मेले का आयोजन किया। मेले में आयरलैंड के प्रमुख शिक्षा संस्थानों ने दिल्ली के 250 से अधिक विद्यार्थियों और उनके माता-पिता को अपने प्रोग्राम, प्रवेश की संभावित संख्या, ऑफर स्वीकार करने, कैम्पस लाइफ आवासीय सुविधा, अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए सहायता, स्कॉलरशिप, संस्कृति के बारे में जानकारी दी और उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। दिल्ली के अतिरिक्त लखनऊ, मुंबई, बंगलुरु और चेन्नई में भी 'आयरलैंड में शिक्षा' मेले आयोजित किए जाएंगे। बैरी ओ'ड्रिस्कॉल, वरिष्ठ शिक्षा सलाहकार ने बताया शिक्षा मेलों में हमारा लक्ष्य विद्यार्थियों को एक जगह पर आयरलैंड के शिक्षा जगत का शुरु से अंत जानकारी प्राप्त करने का पारदर्शी और मजेदार अनुभव देना है। मेले में विभिन्न कोर्सों के बारे में व्यापक जानकारी दी जाएगी।

'राष्ट्रहित की लड़ाई में आगे रही एबीवीपी'

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अखिल भारतीय विद्या परिषद (एबीवीपी) दिल्ली के 55 वें प्रान्त अधिवेशन का आयोजन शंकरलाल हॉल, डीयू में आरंभ हुआ।

राज्यसभा सांसद डॉ. राकेश सिन्हा ने दीप प्रज्ज्वलन कर दो दिवसीय अधिवेशन का उद्घाटन किया। अभाविप की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ मनु शर्मा कटारिया ने अभाविप के नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष डॉ अभिषेक टंडन एवं पुनर्निर्वाचित प्रान्त मंत्री सिद्धार्थ यादव के निर्वाचन की घोषणा की। अभाविप दिल्ली के पुनर्निर्वाचित प्रान्त मंत्री सिद्धार्थ यादव ने उद्घाटन सत्र के अपने व्यक्तव्य में कहा, एबीवीपी राष्ट्रहित की लड़ाई में सदैव आगे रही है।

अभाविप ने डीयू के छात्रविरोधी पाठ्यक्रम में बदलाव के लिए 30 घंटे सत्याग्रह से लेकर गार्गी महाविद्यालय की पीड़ित छात्राओं को न्याय दिलाने तक, जब जब छात्रहितों को लेकर कोई भी मुद्दा आया तो अभाविप सदैव छात्रों के साथ खड़ी रही। हम विश्वविद्यालय परिसरों में विभिन्न विभाजनकारी ताकतों से लड़ रहे है।

पुलिस वाला बन करते थे ठगी, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने इरानी गैंग के चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनकी गिरफ्तारी से चोरी और झपटमारी के दस मामलों के खुलासा होने का दावा किया गया है।

आरोपियों की पहचान सादिक कमर जाफरी, कासिम बेग, खैबर अली और सलीम अली के रूप में हुई है। पुलिस उपयुक्त के अनुसार एसआई अशोक को गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में ताबड़तोड़ वारदातों को अंजाम देने वाला इरानी गिरोह सक्रिय है।

पुलिस ने ट्रेप लगा चारों को गिरफ्तार कर लिया। इलनके पास से 220 ग्राम सोने के आभूषण बरामद हुए। इनके खिलाफ दिल्ली, गुरुग्राम और फरीदाबाद में आठ मामले दर्ज है।

आईआईएमसी छात्रों की भूख हड़ताल समाप्त

नई दिल्ली। भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) के छात्रों ने शुक्रवार को कहा कि प्रशासन द्वारा उनकी मांगे माने जाने के बाद उन्होंने शुल्क वृद्धि के खिलाफ अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी है। छात्रों ने एक बयान में कहा कि दूसरे सेमेस्टर की फीस जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2020 तक या नई शुल्क संरचना जारी होने तक बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रशासन शुल्क संरचना निर्धारित करने वाली समिति का विवरण साझा करने के लिए सहमत हो गया है और इसमें छात्रों की भागीदारी भी सुनिश्चित होगी।

डीयू में हिंदी निबंध प्रतियोगिता छात्रों ने दिखाई लेखन प्रतिभा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मातृभाषा दिवस के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय में अंतर्महाविद्यालय स्तरीय हिन्दी निबंध प्रतियोगिता और संगोष्ठी का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में दर्जनों महाविद्यालयों से लगभग 60-70 प्रतिभागियों ने भाग लिया। निबंध के विषय शिक्षा, रोजगार और मातृभाषा एवं व्यक्तित्व निर्माण में मातृभाषा का योगदान इत्यादि रहे।

प्रतियोगिता आयोजन के उपरांत हिन्दी उपन्यास 'संवेदना और शिल्प नामक विषय पर संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रो. रमा (प्राचार्या, हंसराज महाविद्यालय) ने की। प्रो. रोहिणी अग्रवाल ने जैनेंद्र कुमार के उपन्यास सुनीता पर वक्तव्य दिया। जैनेंद्र की रचनाओं में कौतूहल व रहस्यात्मकता की भरमार है।

प्रो. रमा

डॉ विनोद तिवारी ने यशपाल के ऐतिहासिक उपन्यास दिव्या पर वक्तव्य देते हुए कहा कि दिव्या और सुनीता दो बहनों जैसी हैं। दिव्या उपन्यास स्त्री-स्वातंत्र्य का प्रबल पक्षधर है।

कैब चालकों को लूटने वाले दो पकड़े गए

नई दिल्ली। कैब बुकिंग कराकर उनसे लूटपाट करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी लूटी गई कैब को अन्य वारदातों को अंजाम देने के लिए प्रयोग करते थे। इनकी पहचान यशवंत खत्री और जोगेंद्र मौर्या के रूप में हुई है।

पुलिस उपायुक्त रामनायक के अनुसार चार दिन पहले रति राम नामक कैब चालक ने लूट का केस दर्ज कराया था। चालक के अनुसार वह आंनद विहार बसे अड्डे पर था। देर रात दो लोगों ने रोहिणी जाने के लिए कैब बुक की। इस दौरान चाकू की बल पर उससे नकदी छीन ली। पटपडगंज इलाके में उसे कार से फेंक दिया और फरार हो गए।

तत्पर एप के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए द्वारका जिला पुलिस के जवान साइकिल रैली निकालते हुए।

पत्नी से अनबन होने पर सास की हत्या अरोपी फरार

नई दिल्ली। पत्नी के दो बार गर्भपात कराने के फैसले के पीछे अपनी सास का हाथ होने के संदेह में शख्स ने उसकी हत्या कर दी। यह जानकारी शनिवार को पुलिस ने दी।

पुलिस के मुताबिक 14 महिला की हत्या उस समय की गई जब वह पश्चिम विहार स्थित एक प्राइवेट हॉस्पिटल से वापस घर आ रही थी। महिला वहां बतौर नर्स का करती थी। दामाद पंकज और उसके दो साथी उज्ज्वल डबास तथा अजीत ने ई-रिक्शा पर सवार महिला पर गोलियों की बौछार कर दी। उसे पांच गोलियां लगी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। डबास को लाडपुर गांव से गिरफ्तार कर लिया गया है।

अरुणाचल फूड फेस्टिवल में लीजिए तु पुपुलक चोक का लुत्फ

तीन दिवसीय महोत्सव में सिर चढ़कर बोल रहा अरुणाचली व्यंजनों का स्वाद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में चल रहे अरुणाचल प्रदेश फूड फेस्टिवल में अरुणाचली व्यंजनों ने धूम मचा रखी है। चाहे तुम्पुपुलक चोक हो या फिर चूड़ा पा ...महोत्सव में आए लोग इनका स्वाद चखने से खुद को दूर नहीं रख पा रहे हैं।

अशोक होटल में चल रहे इस तीन दिवसीय महोत्सव का आयोजन भारतीय पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी) अरुणाचल प्रदेश सरकार के साथ मिलकर किया है। महोत्सव में तुम्पुपुलक चोक , पुता , पापुक और लुत्कर व्यंजनों का स्वाद लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है।

अशोक होटल में कार्यकारी शेफ (रसोइया) अरविंद राय ने कहा, अरुणाचल प्रदेश व्यंजनों के मामले में काफी समृद्ध है। यहां 25 जनजातियां और 100 से अधिक उपजातियां हैं, और उन सभी में खाना पकाने की एक अलग शैली है, जिसे महोत्सव के व्यंजनों में जगह दी गई है।

शेफ के अनुसार, व्यंजन तैयार करने के लिए केवल जैविक और प्राकृतिक सामग्री जैसे हल्दी, बांस के कोंपल और केले के फूलों का उपयोग किया गया है। अरुणाचल प्रदेश अपने समृद्ध व्यंजनों के लिए जाना जाता है। इस फूड फेस्टिवल में बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। सप्ताहांत में काफी संख्या में स्वाद के दीवानों के पहुंचने की संभावना है।

भारतीय पर्यटन विकास निगम समय समय पर इस तरह के आयोजन करता रहता है। पर्यटन को बढ़ावा देने तथा देश के राज्यों की संस्कृति तथा उनके बारे में जानकारी उपलब्ध कराने के मकसद ऐसे कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। तीन दिवसीय यह महोत्सव काफी लोकप्रिय हुआ है।

आयुध डिपो के प्रतिबंधित दायरे में किसी भी प्रकार के निर्माण पर सख्त मनाही

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा जन सामान्य को सूचनार्थ क्षेत्र में लगाए गए सूचना बोर्ड

सूचना बोर्ड को हानि पहुंचाने वालों पर भी की जाएगी सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने संबंधी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में आयुध डिपो के प्रतिबंधित दायरे में निर्माण न करने का सूचना बोर्ड लगाते कर्मचारी।

आयुध डिपो के प्रतिबंधित दायरे में किसी भी प्रकार का निर्माण करने, सड़कें बनाने या कॉलोनी विकसित करने की पूरी तरह से मनाही है। इस बारे में जन सामान्य को जानकारी देने के लिए नगर निगम गुरुग्राम द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र में सूचना बोर्ड लगवाए गए हैं।

सूचना बोर्ड में स्पष्ट रूप से हिदायत दी गयी है कि यह क्षेत्र 54 एएसपी वायुसेना आयुध डिपो के प्रतिबंधित क्षेत्र में आता है।

सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय के आदेशानुसार इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार का निर्माण करने, सड़क बनाने और कॉलोनी विकसित करने पर पूरी तरह से पाबन्दी है। इस प्रकार की गतिविधियां करने वालों के निर्माण गिराने के साथ ही उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया जाएगा। बोर्ड के माध्यम से जन साधारण को यह भी सूचित किया गया है कि प्रॉपर्टी डीलरों एवं अवैध कॉलोनी विकसित करने वालों के झांसे में न आएं और इस क्षेत्र में प्लॉट, मकान या दुकान न खरीदें। इस बारे में अधिक जानकारी लेने के लिए नगर निगम गुरुग्राम के कार्यालय में संपर्क करें।

सूचना बोर्ड को नुकसान पहुंचाने पर होगी कार्रवाई

गुरुग्राम मण्डल के आयुक्त अशोक सांगवान द्वारा दिये गए निर्देशों की पालना में आयुध डिपो के प्रतिबंधित क्षेत्र में लगाए गए सूचना बोर्ड को नुकसान पहुंचाना या हटाना दंडनीय अपराध है। ऐसा करने वाले व्यक्ति के खिलाफ सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने संबन्धी कार्रवाई की जाएगी। सहायक अभियंता अमित लठवाल के अनुसार कुछ लोगों द्वारा सूचना बोर्डों को नुकसान पहुंचाया है। इनके खिलाफ संबंधित थाने में मुकदमा दर्ज करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित दायरे में निर्माण गतिविधियों पर रोक लगाने के प्रति नगर निगम पूरी तरह से गंभीर है।

जमालपुर की रविशा को रक्षा मंत्री ने दिया गोल्ड मेडल

कुरुक्षेत्र एनआईआईटी के दीक्षांत समारोह में मिला सम्मान

एक कंपनी में रिसर्च इंजीनियर के तौर पर कार्यरत है रविशा

फर्रूखनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान एनआईटी कुरुक्षेत्र में गुरुवार को आयोजित 17वें दीक्षांत समारोह में फर्रूखनगर खंड के गांव जमालपुर निवासी रविशा यादव कम्प्यूटर साईंस इंजीनियरिंग की छात्रा को बेस्ट ऑल राउंडर विजेता, गोल्ड मेडल पुरस्कार से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सम्मानित किया। इस सफलता पर रविशा यादव को लोगों ने खूब बधाई दी है।

रविशा यादव पुत्री राव रविंद्र कुमार पंवालिया के मुताबिक उसने गांव जमालपुर के आरएन टैगोर सीसै स्कूल में ही शिक्षा पूरी की है। कक्षा 10वीं में 97.4 और 12वीं में 94.6 प्रतिशत अंक लेकर परीक्षा उत्तीर्ण की। बीटेक की परीक्षा में 9.4 सीजीपीए अंक लेकर सफलता प्राप्त की है। उसने अपनी इस महत्वपूर्ण सफलता का श्रेय अपने दादा पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी राव हरीसिंह पंवालिया व दादी ब्रह्मा देवी यादव को दिया है। रविशा ने कहा कि माता सुधा यादव पिता रविंद्र कुमार पंवालिया तथा दादा दादी द्वारा दिए शिक्षा और संस्कार की ही देन है कि वह आज इस बुलंदी पर पहुंची है। माता पिता ही जीवन में बच्चों के लिए भगवान है और भगवान की पूजा करना हम सबका नैतिक कर्तव्य है।

संक्षिप्त समाचार

सुरेश गौड़ बने एटक के जिला प्रधान

गुरुग्राम। श्रमिक संगठन एटक के जिला सम्मेलन का आयोजन प्रदेश प्रधान कामरेड बलदेव सिंह घनघस व प्रदेश महासचिव कामरेड बेचूगिरि की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में एटक से संबंधित श्रमिक यूनियनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। सम्मेलन में एटक की जिला कार्यकारिणी के चुनाव भी सर्वसम्मति से हुए, जिसमें होण्डा मोटर्स श्रमिक यूनियन के प्रधान सुरेश गौड़ को जिला प्रधान बनाया गया। कामरेड मुरली कुमार वरिष्ठ उप प्रधान, संतोष कुमार व कुलदीप सिंह उप प्रधान, कामरेड अनिल पंवार महासचिव, परशुराम व दिलसिंगार सचिव, ओमपाल संगठन सचिव, नरेश कुमार प्रचार सचिव, बलवीर कंबोज कार्यालय सचिव, मनोज कुमार को कोषाध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया। वहीं हरिप्रकाश शर्मा, भरतलाल, इंदू, अनीता यादव, नीतू, हरीश कुमार, राज बहादुर, बलविंदर व करतार सिंह को कार्यकारिणी में शामिल किया गया। कामरेड बलदेव सिंह घनघस व बेचूगिरि ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे श्रमिकों के हित में कार्य करें और उनकी लंबित पड़ी मांगों का समाधान कराने के लिए संबंधित कंपनी प्रबंधन से भी संपर्क कर समाधान निकालें।

छात्रा दीपिका का जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मान

सोहना। मार्च-2019 में हुई हरियाणा शिक्षा बोर्ड की कक्षा दस के वार्षिक परीक्षा परिणाम में राजकीय स्कूल मुकाबले में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा दीपिका को सम्मानित किया है। हरियाणा शिक्षा बोर्ड ने दीपिका को जिला गुरुग्राम में प्रथम स्थान प्राप्त करने का प्रमाण-पत्र जारी किया है। सोहना के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल प्रधानाचार्य सुनील कुमारी ने बताया कि हरियाणा शिक्षा बोर्ड ने दीपिका को उपलब्धि का प्रमाण-पत्र डाक द्वारा भेजा है। शुक्रवार को जैसे ही स्कूल प्रधानाचार्य ने दीपिका द्वारा जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने की सूचना सुबह प्रार्थना सभा में घोषणा की, वैसे ही अपनी लाइन में बैठी दीपिका खुशी से उछल पड़ी और उसे स्कूल की प्रधानाचार्य सहित शिक्षाकाओं ने गले से लगा लिया। स्कूल प्रधानाचार्य सुनील कुमारी ने बताया कि यह उपलब्धि दीपिका के नाम प्रमाण-पत्र में पढ़कर देखने से उन्हें बहुत ही खुशी हो रही है।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में 350 बच्चों ने कराई नेत्र जांच

गुरुग्राम। सामाजिक संस्था भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा द्वारा जिले के सुखराली एंक्लेव में अभावग्रस्त बच्चों के लिए चलाए जा रहे राष्ट्रहित विद्यालय परिसर में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों के नेत्रों की नेत्र विशेषज्ञों द्वारा जांच की गई और उन्हें दवाइयां भी वितरित की। संस्था के सचिव विजय अग्रवाल ने बताया कि संस्था ने जरूरतमंद परिवारों के बच्चों के लिए विद्यालय का संचालन किया हुआ है, जिसमें 350 से अधिक बच्चे पहली से 5वीं तक की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। स्कूल की प्रधानाचार्य प्रीति शर्मा ने बताया कि राष्ट्रहित सेवा समिति भी बच्चों के स्कूल का पूरा सहयोग कर रही है। शिविर का शुभारंभ समाजसेवी सुनील सिंगला ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अनिल वत्सल, संतोष जैन, प्रेमलता गर्ग, डॉ. सोहिनी गुप्ता, एचसी अदलखा, जवाहर नागपाल आदि का सहयोग रहा।

झपटमार को पांच साल कैद, 25 हजार रुपये जुर्माना

गुरुग्राम। युवती से मोबाइल छीनने के मामले की सुनवाई करते हुए जिला एवं सत्र न्यायालय की एक अदालत ने पुख्ता सबूतों व गवाहों के आधार पर आरोपी को दोषी मानते हुए 5 वर्ष की कैद व 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माने का भुगतान न करने पर दोषी को अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। बता दें कि वर्ष 14 सितम्बर 2019 को जालौन यूपी मूल की प्रिया ने सेक्टर-14 पुलिस थाना की रोडवेज बस स्टैण्ड पुलिस चौकी में शिकायत दी थी कि वह गांव नरसिंहपुर में रहती है। उद्योग विहार में एक निजी कंपनी में काम करती है। जब वह सायं के समय ड्यूटी खत्म कर महावीर चौक पहुंची तो उसके किसी दोस्त का फोन आ गया। वह उसका फोन सुनने लगी तो इसी दौरान पीछे से एक युवक आया और उसका मोबाइल झपटकर भाग गया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी थी। पुलिस ने इस मामले में सीतापुर यूपी मूल के अमित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामला अदालत में चला। अभियोजन पक्ष ने जो सबूत व गवाह अदालत में पेश किए, उनसे आरोपी पर लगे आरोप सिद्ध होना पाते हुए अदालत ने उसे 5 वर्ष की कैद व 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुना दी है।

बोर्ड के पेपर छीनने के आरोप में बच्चों पर केस दर्ज

नूंह। जिले के फिरोजपुर नमक गांव में बोर्ड से आए नौवीं कक्षा के पेपर छीनने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने शिकायतकर्ता के अनुसार अज्ञात बच्चों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता राम अवतार निवासी भिवानी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह भिवानी बोर्ड से जीएसएसएस स्कूल के लिए नौवीं कक्षा के पेपर लेकर आए थे। आरोप है कि सही पते पर न पहुंने के कारण वह जेबीटी कॉलेज के सामने गाडी रोक कर स्कूल का पता पूछने के लिए जेबीटी कॉलेज में अंदर चला गया। जब वह लौटा तो उसे गाड़ी में रखे पेपरों के कार्टून पटे मिले और कुछ पेपर भी गायब मिले। जिसके बाद उन्होंने अपने आप को बचाने के लिए नूंह थाने में शिकायत देकर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

इंस्पेक्टर अपहरण मामले में संलिप्त बदमाश गिरफ्तार

सोहना। सोहना अपराध शाखा पांच पुलिस ने इंस्पेक्टर अपहरण मामले में संलिप्त बदमाश को गिरफ्तार किया। आरोपी को अदालत ने जेल भेज दिया है। जो 2016 में जमानत पर आने के बाद से फरार चल रहा था। गुरुग्राम में 2016 में अपने पांच अन्य साथियों के साथ मिलकर हरियाणा पुलिस के इंस्पेक्टर सुरेन्द्र सिंह फौगार्ड के अपहरण मामले में संलिप्त बदमाश हय्यूम उर्फ हल्लू निवासी गांव चिल्ली थाना बहीन जिला पलवल निवासी को गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा पांच के प्रभारी इंस्पेक्टर राकेश कुमार ने बताया कि हय्यूम को शुक्रवार रात को सोहना के अंबेड़कर चौक पर अपने गांव चिल्ली जाते समय पकड़ा। इंस्पेक्टर ने बताया कि हय्यूम के पांच अन्य साथी दस-दस साल की सजा जेल में काट रहे हैं।

देर तक शराब के ठेके खुले रहने से बढ़ेगा क्राइम

नई आबकारी नीति में शराब के ठेकों को लेकर हुए निर्णयों को हो रहा विरोध

विपक्ष ने इसे महिलाओं की अस्मत से जोड़कर अपराध बढ़ने का हवाला दिया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कैप्टन अजय सिंह यादव।

योगेंद्र यादव।

हरियाणा की नई आबकारी नीति में निर्णय लिया गया है कि अब गुरुग्राम, फरीदाबाद और पंचकूला में सुबह तीन बजे तक बार खुलेंगे। यानी अब सुबह तीन बजे तक लोग वहां बैठकर शराब पी सकेंगे। विपक्ष ने सरकार के इस निर्णय को महिलाओं की अस्मत से जोड़ते हुए कहा है कि इससे तो महिलाओं पर अपराध और बढ़ेंगे। पहले से महिलाएं सुरक्षित नहीं है।

हरियाणा के पूर्व बिजली मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने सरकार के इस निर्णय पर अपनी टिप्पणी में कहा कि बार यदि देर तक खुलेंगे तो इससे सरकार ने किसको फायदा पंहुचाया है। यदि इतनी देर तक बार खुलेगें तो इससे क्राइम भी बढ़ेगा। महिला तो पहले ही सुरक्षित नहीं हैं और इस तरह के फैसले से तो क्राइम ही बढ़ेगा। इसलिए यह बहुत ही बड़ा गलत फैसला है। कैप्टन अजय सिंह ने कहा कि इसके अलावा सरकार ने ओर भी कई नए नियम इसमें लागू करें हैं, जोकि गलत हैं। पहले से ही प्रदेश का नौजवान नशे की गिरफ्त में हैं।

सरकार के इस फैसले से तो नौजवान और खुले हो जाएगें। उन्होंने कहा कि सरकार को जो काम करना चाहिए, उन पर तो सरकार का ध्यान नहीं है। न जाने किसको फायदा पहुंचाने के लिए सरकार इस तरह की नीति लेकर आती है। कैप्टन अजय सिंह ने कहा कि प्रदेश की जनता से सरकार ने जो वायदे किए थे, उन पर तो सरकार फोकस करे। युवाओं को रोजगार तो दिया नहीं जा रहा, ऊपर से इस तरह की नीति लाया जाना गलत है। सरकार को इस नीति पर दोबारा विचार करना चाहिए।

शराब की वजह से महिला उत्पीड़न, गृह क्लेश से सरकार बेफिक्र : योगेंद्र यादव

शराब के ठेकों को सुबह तीन बजे तक खोलने के निर्णय पर स्वराज इंडिया के संस्थापक योगेंद्र यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार की नई आबकारी नीति जन भावनाओं के खिलाफ है। शराब की वजह से महिला उत्पीड़न, गृह क्लेश और बेसमय मौतों से सरकार बेफिक्र है। प्रदेश के अंदर शराब को घर-घर तक पहुंचाने के लिए हरियाणा सरकार लाइसेंस देकर प्रयासरत है। सरकार की कथनी और करनी में अंतर आ गया है। नई आबकारी नीति के नियमों पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की नई आबकारी नीति पूरी तरह से जन भावनाओं का अपमान है। इससे यह साबित होता है कि हरियाणा सरकार प्रदेश की महिलाओं की सुरक्षा एवं भावनाओं को लेकर रत्ती भर भी गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की मनोहर लाल खट्टर सरकार की प्रदेश के अंदर शराब एवं नशे के खिलाफ नीति एवं-नीयत सवालों के घेरे में है। नई नीति में प्रावधान के तहत कोई भी व्यक्ति घर में 24 बोतलें शराब घर में रख सकता है। इस निर्णय से पता चलता है कि हरियाणा सरकार प्रदेश के घर-घर तक शराब एवं नशे को पहुंचाने के लिए तत्पर है।

नगरपरिषद अवैध कॉलोनी काटने वालों पर दर्ज कराएगी मुकदमा

सोहना। सोहना नगरपरिषद डीटीपी विभाग की दर्ज पर शहर में अवैध कॉलोनियां काटने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएगी। परिषद सीमा क्षेत्र में करीब एक दर्जन अवैध कॉलोनियां काटी जा रही हैं। परिषद ने दूसरे दिन भी अवैध कॉलोनियों के खिलाफ अपना अभियान जारी रखा। अवैध कॉलोनियों के खिलाफ नगरपरिषद ने अपने पहले ही अभियान में चार अलग-अलग स्थानों पर जेसीबी चलाते हुए 162 प्लाटों की हो रही चार दीवारियों को गिरा दिया। जिससे अवैध कॉलोनियां काटने वालों के अरमान ढीले पड़ गए। नगरपरिषद के एक्सईएन अजय पंगाल ने बताया कि सेक्शन 7ए के प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध कॉलोनियां काटने वालों के खिलाफ जल्द ही मामलें दर्ज कराएं जाएंगे।

जागरुकता के लिए सरकार का विज्ञान ज्योति कार्यक्रम

फर्रूखनगर। केंद्र सरकार द्वारा छात्राओं को विज्ञान के प्रति जागरुकता एवं विज्ञान के क्षेत्र में आपार संभावनाओं का ज्ञान देने के उद्देश्य से जवाहर नवोदय विद्यालय मोहम्मदपुर फर्रूखनगर में शनिवार को विज्ञान ज्योति कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के प्रधानाचार्य धर्मदत्त शर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया। इस कार्यक्रम में जवाहर नवोद्य विद्यालय झज्जर की 12, नूंह की 12 तथा फर्रूनगर की 20 छात्राओं सहित 44 छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बाल रोग विशेषज्ञ डा. सचिंद्र, विशिष्ट अतिथि देवांश जैन ने अपने सम्बोधन में कार्यक्रम में पहुंची छात्राओं को तकनीकी साइंस, इंजीनियरिंग, गणित की पढ़ाई से होने वाले लाभ के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आगामी एक दशक में विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में विकाश की अनेक संभावानाएं हैं।

होली के उपलक्ष्य में पेंटिंग प्रतियोगिता बच्चों ने दिखाया अपना हुनर

गुरुग्राम के गांव पातली के स्कूल में पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों के साथ अतिथि व विद्यालय स्टाफ।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

ईएफसी (एक्सपीडिशन फॉर कॉज) के अंतर्गत पंख पहल के माध्यम से जिला के गांव पातली स्ति प्राथमिक एवं माध्यमिक कन्या विद्यालय के होनहार छात्रों के संग एक नए तरीके से होली का उत्सव मनाया गया। स्कूल के 170 बच्चों ने रंगों के माध्यम से कोरे कागज पर कलाकृतियां उकेरीं।

पिछले कई सालों से ईएफसी के माध्यम से विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। पंख नाम के इनिशिएटिव के माध्यम से बच्चों की शिक्षा, खेल, उनके भीतर छुपी प्रतिभा निकालने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। बच्चों के मन में पीछे रह जाने का भाव न रह जाये, इसके लिए ईएफसी लगा रहा है प्रत्येक बच्चे को उड़ान के पंख।

इसी कड़ी में शनिवार को यहां विद्यालय में होली पर्व मनाया गया। यहां रंगों से होली नहीं खेली, बल्कि बच्चों से रंगों द्वारा कागज पर कलाकृतियां बनवाई गई। एक से बढ़कर एक कलाकृति बनाकर बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। इस अवसर पर गांव के सरपंच मुकेश देवी, दोनों विद्यालयों के अध्यापक एवं संयोजक नीरज दहिया, नवदीप, प्रवीण, नवनीत, मीनू, नव्या, राज, सोहम, ऋषभ आदि उपस्थित रहे।

समाजहित में कार्य करने वालों को दिया सम्मान

ग्रुरुग्राम। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित किए गए सम्मान समारोह में देश-विदेश से अनेक लोगों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अर्जेन्टीना के अम्बेसडर डेनियल चुबहुरू व फिल्म अभिनेता जॉय मुखर्जी के पुत्र व फिल्म निर्माता सुजॉय मुखर्जी मुख्य अतिथि और मास्टर सुरेन्द्र चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस अवसर पर डेनियल चुबहूरू ने अपने संबोधन में कहा कि भारत एक बहुत बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्हें आज बहुत अच्छा लगा कि भारत में लोग किस प्रकार भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। इस अवसर पर मास्टर सुरेन्द्र ने अपने संबोधन में कहा कि उनकी संस्था समय-समय पर देश में अच्छे कार्य कर रहे लोगों को सम्मान देकर उनको प्रोत्साहित कर रही है। अगर समाज मं कोई भी व्यक्ति किसी भी क्षेत्र में अच्छा कार्य करता है तो नि:संदेह सम्मान का हकदार है।

पुन्हाना में जर्जर तारों से भयभीत वार्ड 8 के लोग

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

वार्ड से गुजरते जर्जर तार।

जिले के पुन्हाना कस्बे के वार्ड 8 से होकर गुजर रही बिजली की जर्जर एचटी लाइन से लोगों को परेशानी हो रही है। शहरवासियों का कहना है कि एचटी की लाइन जर्जर होने के कारण आए दिन टूटती रहती है, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन निगम के अधिकारियों का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। लोगों ने निगम के एक्सईएन से जर्जर तारों को बदलवाने की मांग की है, ताकि कोई बड़ा हादसा न हो सके और लोगों को आए दिन परेशानी ना हो।

वार्ड़वासी आसा, मीना, जीतू, विक्रम सहित कई लोगों ने बताया कि वार्ड 8 से होकर जाने वाली बिजली की एचटी लाइन कई सालों से जर्जर अवस्था में हैं। जो आए दिन टूटती रहती है। वार्ड़वासियों का कहना है कि लोगों को जर्जर तारों से हमेशा हादसे का डर सताता रहता है। आरोप है कि निगम के अधिकारियों को जर्जर तारों को बदलवाने के लिए कई बार कहा जा चुका है, लेकिन निगम के अधिकारियों का इस समस्या की ओर तनक भी ध्यान नहीं है। वार्ड़वासियों का कहना है कि यदि जर्जर तारों से कोई हादसा हुआ तो इसका जिम्मेदार निगम होगा। लोगों ने जर्जर तारों को जल्द बदलवाने की मांग की है, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। जब इस बारे में एसडीओ हर्ष गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने कहा कि मौके पर जाकर देखा जाएगा। कोशिश है कि जल्द जर्जर तारों को बदलवाया जाएगा, ताकि लोगों को परेशानी ना हो सके।

बड़ा बिजनेस ने आयोजित किया एंटरप्रेन्योरशिप का सबसे बड़ा सम्मेलन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फरवरी 2020 यह पहली बार हुआ जब एक मंच पर भारत के बड़े-बड़े बिजनेस लीडर्स को, डा. विवेक बिंद्रा द्वारा शुरू की गयी पहल एवेरीथिंग अबाउट एंटरप्रेन्योरशिप के माध्यम से नयी दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम एक ही छत के नीचे देखने और सुनने का मौका प्राप्त हुआ है।

यह कार्यक्रम बड़ा बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड (डॉ. विवेक बिंद्रा द्वारा शुरू किया गया एक स्टार्ट अप है) द्वारा आयोजित कराया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नये उद्यमियों को जागरूक करना और बिजनेस में कड़ी मेहनत कर रहे बिजनेसमैनों की ज्वलंत समस्याओं को स्टेप दर स्टेप सोल्व करना है। सम्मेलन में संजीव बजाज (वाइस चेयरमैन और एमडी बजाज कैपिटल), आरएस सोढ़ी (एमडी-अमूल), आचार्य बालकृष्ण (सह-संस्थापक-पतंजलि) के साथ डॉ. विवेक बिंद्रा, (संस्थापक और सीईओ बड़ा बिजनेस) आदि जैसे प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट दिग्गज उपस्थित थे। सभी दिग्गजों ने अपने सभी अनुभवों और चुनौतियों को साझा किया जिनका वह अपनी इंडस्ट्री में सामना करते हैं।

यह मंच सभी दिग्गजों की व्यक्तिगत लर्निंग और कहानी के साथ-साथ मंच से प्रतिभागियों द्वारा पूछे गये सवालों का गवाह बना। शिखर में लगभग 3000 से ज्यादा छोटे बिजनेस व्यापारियों ने भाग लिया7 पूरा मंच प्रेरणा से पूरी तरह भर गया था जिसमें एक ऐसी ऊर्जा थी जिसने नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदल दिया। बड़ा बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक डॉ. विवेक बिंद्रा ने सम्मेलन में कहा कि बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिभागियों के दृष्टिकोण में निरंतर प्रगति हुई है जो कि 3000 से ज्यादा प्रतिभागियों के सम्मलित होने से पूरी तरह दिख रहा था। बड़ा बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड केवल एक प्रकार का विजन है जिसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में हमें खुशी मिलती है। यह कार्यक्रम पूरी तरह से यूनिक होने के साथ-साथ हिंदी भाषा में है और खरीदने में काफी भी सस्ता है। यह बड़ा बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड को विकसित करने के लिए छोटे बिजनेसमैन या नये बिजनेस शुरू करने वालों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि दूसरों की गलती देखने के बजाय हमें खुद पर यह गौर करने की जरूरत है कि हम देश और लोगों के लिए क्या कर रहे हैं। दूसरों को लाभ पहुंचाने के लिए अधिक उत्पादक होना हमारा कर्तव्य होना चाहिए। इसके अलावा आपको इस तरह से काम करने की जरूरत है कि लोग आपसे और आपके काम से जुड़ना पसंद करें।

महाशिवरात्रि पर भोले बाबा के जागरण में झूमे भक्त

गुरुग्राम। धार्मिक संस्था श्रीदुर्गा रामलीला कमेटी द्वारा महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में जैकबपुरा स्थित रामलीला ग्राउण्ड परिसर में भोले बाबा का जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में संस्था के सदस्य व क्षेत्रवासी शामिल हुए।

संस्था के चेयरमैन भीमसेन सलूजा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ हवन-यज्ञ के साथ किया गया, जिसमें कमेटी के सदस्यों व क्षेत्रवासियों ने मंत्रोच्चार के साथ आहूतियां डाली। कार्यक्रम के दौरान भजन गायकों ने भगवान शिव के भजनों की बेहतरीन प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। पूरा पाण्डाल भगवान शिव के हर-हर महादेव उदघोषों से गूंज उठा। यहां कमेटी के सदस्यों के सहयोग से विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। चेयरमैन ने कहा कि शास्त्रों में भी उल्लेख है कि अन्नदान सबसे बड़ा दान है। समय-समय पर अन्नदान के रुप में भण्डारों का आयोजन करते रहना चाहिए।

गुमशुदा लड़की को परिजनों से मिलाया

समाज से पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने में तत्पर है वन स्टॉप सेंटर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुमशुदा लड़की को परिजनों को सौंपते संस्था के सदस्य।

महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए संचालित किए जा रहे वन स्टॉप सेंटर द्वारा बिहार मूल की गुमशुदा विवाहित लड़की को उसके पति की तलाश कर उसे सुरक्षित सौंपा गया है। सेंटर की व्यवस्थापक पिंकी के अनुसार बिहार मूल की एक लड़की किसी प्रकार से गुरुग्राम आ गई थी। पुलिस ने लड़की को उनके केंद्र में भेज दिया, ताकि उसे उसके परिवार तक पहुंचाया जा सके।

वन स्टॉप सेंटर की पिंकी के मुताबिक कि गत 19 फरवरी को लड़की यूपी के विघौली गांव के बाजार से सामान खरीदने के लिए निकली थी। यह गांव उसके पति विजय का है, लेकिन वह रास्ता भटक गई। वह बस में बैठ गई और गुरुग्राम पहुंच गई। गुरुग्राम पहुंचकर उसने अपनी आपबीती एक ऑटो चालक को बताई। ऑटो चालक ने पुलिस को सूचित कर लड़की के बारे में बताया।

पुलिस ने लड़की को उनके केंद्र में छोड़ गई। केंद्र व्यवस्थापक का कहना है कि लड़की के निवास स्थान व उसके परिवार वालों के बारे में पता लगाने का प्रयास किया, क्योंकि लड़की कोई अपना स्पष्ट पता नहीं बता पा रही थी। किसी तरह से यूपी के औरेया जिले के पुलिस थाना से संपर्क किया गया तो वहां से लड़की के परिजनों का पता चल सका। परिजनों व लड़की के पति के गुरुग्राम पहुंचने पर लड़की को उनके सुपुर्द कर दिया गया। पिंकी का कहना है कि गुमशुदा लड़की को उसके परिवार से मिलाने में वन स्टॉप सेंटर ने सफलता हासिल की है। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी सुनैना ने भी केंद्र व्यवस्थापक पिंकी के इस कार्य की सराहना करते हुए उनकी पीठ थपथपाई है। पिंकी का कहना है कि महिलाओं के प्रति किसी प्रकार की घरेलू हिंसा, शोषण, यौन शोषण व छेड़खानी आदि से पीड़ित महिलाओं को उनका केंद्र उन्हें न्याय दिलाने में पूरा सहयोग कर रहा है।

ओमेक्स क्लब में प्रवेश के लिए जोरदार हंगामा, झड़प

मौके पर पहुंची पुलिस, डीटीपी सोमवार को करेंगे फैसला

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सूरजकुंड रोड स्थित ओमेक्स हिल्स-दो का मामला एक बार फिर तूल पकड़ गया है। यहां के क्लब को लेकर बिल्डर और निवासियों के बीच जमकर हंगामा हुआ। ओमेक्स हिल्स-दो के निवासियों ने न्यायिक आदेशों को अपने पक्ष में बताकर वहां के क्लब में प्रवेश करने का प्रयास किया, तो बिल्डर के अधिकारियों और निवासियों में जमकर झड़प हुई। यहां तक कि पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने निवासियों को कानून अपने हाथ में लेने से रोक दिया। डीटीपी रेनुका सिंह ने सोमवार को इस मामले में विस्तृत बातचीत करने का आश्वासन दिया है, ताकि नक्शे के मुताबिक क्लब के अस्तित्व का निर्णय किया जा सके।

यह है पूरा मामला

सूरजकुंड रोड पर ओमेक्स समूह की ओमेक्स हिल्स-एक और दो और ओमेक्स फॉरेस्ट स्पा नामक तीन सोसायटी हैं। बिल्डर की ओर से फॉरेस्ट स्पा के रेजीडेंट्स को तीन लाख रुपए में क्लब-दो में कार्यक्रम करने की अनुमति थी। ओमेक्स हिल्स-एक और दो के 216 फ्लैट के रेजीडेंट्स को क्लब में 40 हजार रुपए में यह सुविधा दी गई थी। उसमें शुल्क के अनुसार ही सुविधाएं हैं। रेजीडेंट्स ने इसे अमीरी और गरीबी के बीच भेदभावपूर्ण रवैया करार देते हुए कोर्ट में वर्ष 2016 में चुनौती दी। इस पर कोर्ट ने कहा कि सामुदायिक केंद्र पर सभी रेजीडेंट्स का बराबर का हक है और बिल्डर डीटीपी से स्वीकृत नक्शे में बीआर-तीन के मुताबिक एक ही ग्रुप हाउसिंग सोसायटी को दो हिस्सों में नहीं बांट सकता। इस पर शनिवार को शिकायतकर्ताओं ने कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले को अपनी ऐतिहासिक जीत बताते हुए एफएआर के पार्ट को क्लब बताकर प्रवेश करना चाहा, लेकिन उस हिस्से में इलेक्ट्रिकल कार्य होने के कारण वह हिस्सा बंद था। इस पर उन्होंने बिल्डर पर प्रवेश बंद करने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। मजबूरन पुलिस को बुलाया गया और पूरी बात बताई गई। पुलिस मौके पर पहुंच गई और निवासियों को कानून अपने हाथ में न लेने का निर्देश दिया। डीटीपी ने लोगों को समझाया और आश्वासन दिया कि वे सोमवार को नक्शे के मुताबिक आवश्यक कार्यवाही करेंगी।

बिल्डर पर लगाया आरोप

ओमेक्स हिल्स-2 की रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान अनुपम कुमार ने कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक जीत बताते हुए कहा कि बिल्डर ने अपने फायदे के लिए यह भेदभाव किया था, जो गैर कानूनी होने के साथ सामाजिक स्तर पर भी गलत था। इस भेदभाव से एक ही ग्रुप हाउसिंग सोसायटी के लोगों के मन में अमीर और गरीब वाली दीवार खड़ी हो रही थी। अब बिल्डर ने एक बार फिर कोर्ट के फैसले को दरकिनार कर दिया है। रेजिडेंट्स शनिवार को क्लब पहुंचे, तो क्लब के बाहर बिल्डर ने मरम्मत कार्य का नोटिस लगाकर उसे बंद करने का संदेश दिया। इससे लोगों को गुस्सा भड़क गया और लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान बिल्डर और रेजिडेंट्स के बीच खूब कहासुनी हुई। अनुपम ने कहा कि शनिवार को बिल्डर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दे दी है। वे इस मामले में अब फिर कोर्ट का रुख करेंगे।

बेबुनियाद था हंगामा

फोरेस्ट स्पा के आरडब्ल्यूए सैकेट्री परितोष मनोचा का कहना है कि जिस जगह पर लोगों ने हंगामा किया, वहां कोई सामुदायिक केंद्र नहीं है। वह एफएआर का एक ऐसा पार्ट था, जिस पर मालिकाना हक सेलेबल एरिया का था। उन्होंने बताया कि बिल्डर द्वारा वह एरिया किसी को नहीं बेचा गया था। वहां जाने पर पाबंदी इसलिए लगाई गई थी, क्योंकि वहां कुछ दिन पहले ही शॉर्ट शर्किट हुआ था। जिस पर डीटीपी और पुलिस ने सोमवार को ओमेक्स का दफ्तर खुलने पर दस्तावेजों के आधार पर ही कार्रवाही करने का आश्वासन दिया है।

खिल गयो पलास, होली आई रे

शहर के अनखीर चौक के पास खिला यह पलास वृक्ष मधुमास के आगमन की सूचना दे रहा है। शहर में छूल, परसा, ढाक, टेसू, किंशुक, केसू के नाम से विख्यात पलास के वृक्षों पर फूल खिलने लगे हैं। इन आकर्षक फूलों को 'जंगल की आग' भी कहा जाता है। वसंत में लाल फूलों से लदा हुआ वृक्ष अत्यंत नेत्रसुखद होता है। शहर, गांव और अरावली पर्वतमाला पर उपलब्ध इसके फूलों से यहां के ग्रामीण विशेषकर मंदिरों में होली के लिए रंग तैयार करते हैं, जो चटक लाल-केसरिया रंग से सरोबार करता है। गर्मियों में तैयार इसका शर्बत शीतलता भी प्रदान करता है। इसके फूलों को पीसकर चेहरे में लगाने से चमक बढ़ती है। पलाश की फलियां कृमिनाशक होती हैं। इसके उपयोग से बुढ़ापा भी दूर रहता है। पलाश फूल से स्नान करने से ताजगी महसूस होती है। गृह्यसूत्र के अनुसार उपनयन के समय में ब्राह्मणकुमार को इसी की लकड़ी का दंड ग्रहण करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

डीएवी में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन

फरीदाबाद। एनएच तीन स्थित डीएवी शताब्दी कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न विभागों द्वारा अलग-अलग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को मनाने का मुख्य उद्देश्य विश्व में भाषा एवं सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषिता को बढ़ावा देना है।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर कॉलेज के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने अलग-अलग कार्यक्रमों में उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया, जिसमें पेंटिंग प्रतियोगिता में बीसीए प्रथम वर्ष की छात्रा कोमल ने प्रथम स्थान लिया। भाषण प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष के छात्र अजय ने प्रथम स्थान लिया। प्राचार्य डॉ. सतीश आहूजा ने बताया की अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस में हम सबकी भागीदारी हमारे साहित्य कला एवं संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देगा। कार्यक्रम का संयोजन ममता कुमारी व श्वेता वर्मा की देख-रेख में संपन्न हुआ। इस मौके पर डॉ. सुनीति आहूजा, डॉ. मुकेश बंसल, डॉ. सविता भगत, अरुण भगत, अंजलि मनचंदा, उर्वशी सपरा आदि लोग मौजूद रहे।

आज 'भारत बंद' के मद्देनजर 28 ड्यूटी मजिस्ट्रेट तैनात

फरीदाबाद। जिलाधीश यशपाल यादव ने 23 फरवरी को विभिन्न संगठनों द्वारा घोषित भारत बंद के दौरान जिले में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को सुदृढ़ करने एवं पूर्णता शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिले के 28 सक्षम अधिकारियों को प्रत्येक पुलिस थाना नुसार ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करने के आदेश जारी किए हैं। यशपाल द्वारा यह आदेश भारतीय अपराधिक प्रक्रिया संहिता 1973 के तहत उन्हें प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए जारी किए गए हैं। पुलिस थाना प्रभारी क्षेत्र अनुसार नियुक्त किए गए हैं। इन ड्यूटी मजिस्ट्रेट मजिस्ट्रेट से जिले के अधिकारी राकेश मोर, नवनीत कौर, प्रदीप कुमार, पूजा शर्मा, रण विजय, सुशील शर्मा, गुरुदेव धनवाल, यशवंत सिंह, वीरेन्द्र सिंह, अजय कुमार, कन्हैयालाल, जान मोहम्मद, दिनेश, ओमवीर दीपक किंगर, बीएस रावत, अजीत सिंह ,अश्विनी गॉड, विनय अत्री, हरी जोगीराम, राहुल यादव, राजवीर, दिनेश, विनोद दहिया, सुरेश कुमार, अजय भारद्वाज, गुरजीत सिंह तथा एसएस रावत शामिल हैं। उपमंडल फरीदाबाद, बल्लभगढ़, बड़खल के एसडीएम अपने अपने उपमंडल क्षेत्र के बतौर ओवर ऑल इंचार्ज रहेंगे। जिलाधीश द्वारा जारी इन आदेशों के अनुसार ये सभी ड्यूटी मजिस्ट्रेट आपराधिक प्रक्रिया संहिता 1973 के तहत उन्हें दी गई कार्यकारी मजिस्ट्रेट की शक्तियों का प्रयोग कर सकेंगे।

पीएनजी लाइन के लाखों के पाइप चोरी

फरीदाबाद। सेक्टर 17 स्थित सामुदायिक भवन के सामने रखे पीएनजी गैस की लाइन डालने के लिए रखे गए लाखों रुपये के 500 पाइप बीती रात अज्ञात चोर चुरा कर फरार हो गए। पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। थाना सेक्टर 17 में दर्ज मामले के मुताबिक सेक्टर-21सी में रहने वाले सुशील ने अपनी शिकायत में कहा है कि उनकी कंपनी पाइप लाइन के माध्यम से लोगों के घरों में पीएनजी गैग की आपूर्ति करती है। कंपनी परफेक्ट पाइप लाइन प्रोजेक्ट के तहत सेक्टरों में लोगों की मांग के मुताबिक पाइप लाइन बिछाने का काम करती है। इसके चलते उन्होंने अपना स्टॉक सामुदायिक भवन में रखा हुआ था। जहां से चोर 500 पाइप कैंटर में भरकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जेबकतरी ने दो महिलाओं के पर्स से हजारों उड़ाए

फरीदाबाद। ई रिक्शा पर सवार दो महिलाएं सेक्टर 16 स्थित एक होटल में किटी पार्टी में शामिल होने जा रही थीं। इसी रिक्शे पर सवार एक अन्य महिला ने अपने बच्चों से भटकाकर दोनों के पर्स से 18 हजार रुपए निकाल लिए।

थाना सेक्टर 17 में दर्ज मामले के मुताबिक गोपी कॉलोनी की रहने वाली नीलम रानी ने अपनी शिकायत में कहा है कि 20 फरवरी को वह अपनी देवरानी वीना के साथ किटी पार्टी के लिए गोपी कॉलोनी चौक से एक ई रिक्शा में मोती महल सेक्टर 16 के लिए रवाना हुई। लाजपत चौक से दो महिलाएं अपने साथ दो बच्चों को लेकर रिक्शा में सवार हुईं। उनमें से एक लड़की ने नीलम रानी के पैर पर पैर मारकर परेशान करना शुरू कर दिया। बार-बार कहने पर भी लड़की ने अपनी हरकतें बंद नहीं कीं। महिला ने उस लड़की को कमअक्ल का बताया। यह सुन नीलम रानी ने उस लड़की को नजरअंदाज कर दिया। इसके कुछ देर बाद नीलम रानी व वीना मोती महल पर उतर गए। बाद उन्होंने अपना पर्स देखा, तो वीना के कंधे पर लटके पर्स से 15 हजार रुपये और पर्स में रखा छोटा बैग गायब मिला, जिसमें करीब तीन हजार रुपये रखे हुए थे।

प्रेमिका के साथ नहर में कूदे युवक का शव बरामद

फरीदाबाद। पल्ला के हरकेश नगर पुल के पास अपनी प्रेमिका के साथ नहर में छलांग लगाने वाले युवक का शव पुलिस ने शनिवार को बरामद कर लिया है। लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे इस प्रेमी जोड़े ने बुधवार को आगरा नहर में छलांग लगाई थी। युवक का शव पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए बीके अस्पताल भेज दिया था।

जानकारी के मुताबिक दिल्ली के मोलड़बंद इलाके में रहने वाले विवाहित 30 वर्षीय राज नामक युवक के सूर्या विहार निवासी 22 वर्षीय बरखा के साथ प्रेम संबंध स्थापित हो गए थे। परिवार के लाख विरोध के बावजूद राज ने करीब तीन महीने पहले अपनी पत्नी और बच्चों को छोड़ दिया। इसके बाद वह चौहान कालोनी में किराए का कमरा लेकर बरखा के साथ रहने लगा। बुधवार को दोनों ने सुसाइड नोट कमरे में छोड़ दिया और हरकेश नगर के पास आगरा नहर के किनारे पहुंच गए, जहां उन्होंने आगरा नहर में छलांग लगा दी। लोगों की सूचना पर पुलिस ने नहर में दोनों के शवों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने करीब एक घंटे बाद बरखा का शव एतमादपुर के पास से बरामद कर लिया था। इसके बाद पुलिस लगातार राज के शव की तलाश कर रही थी। शनिवार को कड़ी मशक्कत के बाद राज का शव बल्लभगढ़ के नजदीक से बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

खम ठोंकेंगे पहलवान, होगा जिला केसरी और जिला कुमार का चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर 12 स्थित खेल परिसर में खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग के दिशा-निर्देशानुसार जिला स्तरीय कुश्ती अखाड़ा प्रतियोगिता और जिला कुमार एवं जिला केसरी के लिए दंगल का आयोजन कराया जाएगा। इसका आयोजन जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग द्वारा 29 फरवरी से एक मार्च तक होगा।

जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी मैरी मसीह ने बताया कि प्रतियोगिता मे सब-जूनियर अंडर-17 वर्ष, जूनियर अंडर-21 वर्ष तथा सीनियर आयुवर्ग श्रेणी में मुकाबले करवाए जाएंगे, जिसमें जन्मतिथि गत 31 दिसंबर 2019 की कट डेट के अनुसार चैक की जाएगी। प्रतियोगिता मे भाग लेने वाले पहलवानों को जन्मतिथि प्रमाणपत्र-पत्र के तौर पर नगर निगम की ओर से जारी जन्मतिथि प्रमाण-पत्र, 10वीं, 12वीं मार्कशीट की प्रति देनी अनिवार्य होगी तथा निवास स्थान प्रमाणपत्र के लिए आधार कार्ड, बिजली बिल, ड्राईविंग लाईसेंस या पासपोर्ट, बैंक खाते की प्रति प्रस्तुत करना होगा। इन दस्तावेजों के बिना पहलवानों को प्रतियोगिता मे भाग नहीं लेने दिया जाएगा। प्रतियोगिता लड़कों व लड़कियों के वर्ग में अलग-अलग आयोजित होंगी।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता हेतु वजन 29 फरवरी को सुबह सात बजे से नौ बजे तक किए जाएंगे। उसके उपरांत प्रतियोगिता आरंभ कर दी जाएगी। नौ बजे के बाद कोई वजन नहीं किया जाएगा। प्रतियोगिता पुरुष वर्ग में अंडर-17 आयुवर्ग में 32-35 किलोग्राम, 38, 41, 45, 48, 51, 55, 60, 65 किलोग्राम, जूनियर/अंडर-21 वर्ष हेतु 57, 61, 65, 70, 74, 79, 86 किलोग्राम तथा सीनियर वर्ग में 57, 61, 65, 70, 74, 79, 86 किलोग्राम होंगी। जिला केसरी दंगल में 74 किलोग्राम से ऊपर के वजन के पहलवान तथा जिला कुमार दंगल मे 62 से 74 किलोग्राम के उपर के पहलवान भाग ले सकते हैं। महिला वर्ग में अंडर-17 आयुवर्ग में 32-34 किलोग्राम, 37, 40, 43, 46, 49, 53, 57, 61 किलोग्राम, जूनियर/अंडर-21 वर्ष हेतु 50 किलोग्राम, 53, 55, 59, 62, 65 किलोग्राम तथा सीनियर वर्ग में 50, 55, 59, 62, 65, 68 किलोग्राम स्पर्धाएं होंगी।

मार्केट कमेटी गांवों की खस्ताहाल सड़कों को जल्द बनवाएगी : कमल दीक्षित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मार्केट कमेटी के अंतर्गत आने वाली गांव ददसिया से किडावली पांच किलोमीटर, नीमका से तिगांव 1200 मीटर और बदरौला से बहादरपुर की दो किलोमीटर लंबी सड़कों की मरम्मत एवं निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा।

मार्केट कमेटी और स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत डबुआ सब्जी मंडी स्थित कार्यालय में आयोजित एक बैठक में इस आशय का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रदेश संयोजक कमल दीक्षित की अध्यक्षता में कमेटी द्वारा सड़कों की रख-रखाव और मंडी की साफ-सफाई पर चर्चा की गई। इसके अलावा सब्जी मंडी में स्वच्छता अभियान के तहत डस्टबिन और नियमित साफ-सफाई की व्यवस्था जल्द शुरू की जाएगी। बैठक में सब्जी मंडी की सभी जनसुविधाओं और नियमित रूप से साफ-सफाई के बारे में भी सचिव के साथ चर्चा हुई। बैठक में मंडी के प्रधान सुमेर सैनी, डबुआ प्रधान रणबीर पहलवान और गोपाल, विशाल, रनबीर आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कमल दीक्षित ने बताया की प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के मार्गदर्शन में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत समूचे प्रदेश में स्वच्छता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिससे साफ-सुथरी सडकों, सुंदर पार्क और चौराहों का सौन्दर्यीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में हरियाणा में जन कल्याणकारी चहुंमुखी विकास कार्य तेजी से किए जा रहे हैं।

चोरों ने सरेआम उड़ाई कार

फरीदाबाद। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित एक दुकान के सामने खड़ी होंडा सिटी कार को अज्ञात चोर सरेआम चुराकर फरार हो गए। पता चलने पर दुकान मालिक ने पुलिस को शिकायत दे दी।

थाना सेक्टर 17 में दर्ज मामले के मुताबिक एनआईटी फरीदाबाद में रहने वाले सतनाम सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उसकी राष्ट्रीय राजमार्ग पर एसएस मोटर्स के नाम से गाड़ियों के सेल-पर्चेज की दुकान खोली हुई है। वह कमीशन पर गाड़ी बेचने का काम करता है। सेक्टर 29 के रहने वाले आदित्य बेदी ने अपनी होंडा सिटी कार उनके यहां बेचने के लिए दुकान पर खड़ी की हुई थी। इसी बीच चोरों ने 20 फरवरी की रात साढ़े 10 से 11 बजे के बीच वह कार चोरी कर ली। सतनाम ने इसकी शिकायत सेक्टर 16 चौकी पुलिस को दी। पुलिस ने इस संबंध में कार चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राज्यपाल ने प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया सोनिया को

फरीदाबाद । चंडीगढ़ के हरियाणा राजभवन में राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य ने राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की गाइड सोनिया को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। विद्यालय में लौटने पर सोनिया को प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा, गाइड इंचार्ज ममता, ललिता, सुंदरलाल, शिवम सहित सभी अध्यापकों ने सर्टिफिकेट और पौधा देकर सम्मानित किया।

प्राचार्य मनचन्दा ने बच्चों को बताया कि स्काउट एवं गाइड आंदोलन वर्ष 1908 में ब्रिटेन में सर बेडेन पॉवेल द्वारा आरंभ किया गया। धीरे-धीरे यह आंदोलन हर एक सुसंगठित राष्ट्र में फैलने लगा, जिसमें भारत भी शामिल था। मनचन्दा ने कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स एक स्वयंसेवी, गैर-राजनीतिक, शैक्षिक आंदोलन है, जो हर एक नव जवान को मानवता की सेवा करने का मौका प्रदान करता है, बिना किसी भी तरह के रंग, मूल अथवा जाति भेद के। विद्यालय प्रबंधन और सभी अध्यापकों ने सोनिया को इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महिला जांच शिविर में 350 की हुई स्वास्थ्य जांच

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मिशन जागृति की महिला विंग ने सेक्टर 23 के मेंहदी पार्क में वेदांता हॉस्पिटल के सहयोग से एक मेडिकल स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में 350 लोगों ने भाग लिया और अपने टेस्ट करवाए। स कैंप में हड्डी रोग विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ और महिलाओं के लिए विशेष रूप से डॉक्टर उपस्थित थे। लाभार्थियों ने मिशन जागृति द्वारा किए गए इस प्रयास की सराहना की।

मिशन जागृति के वालंटियर्स विपिन शर्मा की माता जी कांता देवी और डॉ. शुचि धींगरा ने रिबन काटकर इस कैंप का उद्घाटन किया। कांता देवी जी ने कहा की मिशन जागृति के महिला शाखा द्वारा किया गया ये बेहतरीन प्रयास हैं और वे आगे भी उम्मीद करती हैं कि मिशन जागृति इस तरह के समाजिक कार्यक्रम करती रहेगी। भविष्य के लिए उनकी तरफ से मिशन जागृति को शुभकामनाएं हैं।

महिला शाखा की कार्यकर्ता चांदनी आजाद अली और रूपा बरनवाल ने कहा कि इस तरह के कैंप लगाने से लोगों मे अपनी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता रहती है। सुनीता रानी ने लोगों को बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया। संस्था की साथी लता सिंगला, सुष्मिता ने कहा कि मिशन जागृति इस तरह के कैंप लगाती रहेगी। इस अवसर पर वेदांता हॉस्पिटल की डॉक्टर शुचि धींगरा, डॉ. अनुज धींगरा डॉ. एके डुडेजा, डॉक्टर पूनम कटारिया, गीता, संगीता नेगी, माधुरी शर्मा, प्रीति विश्वकर्मा, रूपा सोमसुंदरम, प्रीति सैनी, स्वाति, सुहासी, रेखा भूटिया, नीतू मलिक, प्रिया, सुनीता शर्मा, संस्थापक महासचिव प्रवेश मलिक, महेश शर्मा, राजेश भूटिया, विपिन शर्मा आदि मौजूद रहे।

रंजिश में ईकोग्रीन के ठेकेदार को बेरहमी से पीटा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुरानी रंजिश को लेकर मेवला महाराजपुर निवासी ईकोग्रीन कंपनी के ठेकेदार पर कुछ लोगों ने रॉड और लाठी डंडों से हमला कर दिया। मारपीट के दौरान आरोपियों ने उसकी कार को भी तोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया था। घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है।

थाना सूरजकुंड में दर्ज मामले के मुताबिक मेवला महाराजपुर निवासी राकेश बैसला ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसने नगर निगम के वार्ड नंबर 19 व 20 का कूड़ा उठाने का ठेका ईकोग्रीन कंपनी से लिया हुआ है। यह दोनों वार्ड मेवला महाराजपुर व फतेहपुर चन्देला गांव के बीच में पड़ते हैं। 20 फरवरी को वह अपने दोस्त सुमित, संदीप और कार्तिक के साथ सेक्टर 21 निवासी अमित के घर के बाहर पार्क में बैठे थे। कुछ देर बैठने के बाद वहां से वह कार में सवार होकर अपने दोस्तों के साथ घर के लिए चल दिया।

आरोप है कि कपिल विहार के सामने मार्केट में ब्रेजा गाड़ी ने ओवरटेक कर उन्हें रुकने का इशारा किया। इशारा पाकर उसने अपनी कार को रोक लिया। आरोप है कि तभी ब्रेजा गाड़ी से उतरे योगेश, अकिंत, नितीश व कुछ अन्य युवकों ने उनकी कार के शीशे पर रॉड से हमला किया। हमला होने पर राकेश बैसला व उसके साथी कार से उतरकर इधर-उधर भागने लगे। तभी अंकित व योगेश ने राकेश बैसला को पकड़ लिया और उसके सिर पर रॉड से हमला कर दिया। नितीश ने उसे डंडे से व अन्य ने लात-घूंसों से वार किया। हमले के दौरान आरोपी उसका मोबाइल फोन व पर्स भी छीन कर ले गए।

कोरोना जैसे संक्रमणों से बचने के तरीके

कोरोना वाइरस से पैदा महामारी ने सरकारों की क्षमताओं पर सवाल खड़े किए हैं। क्या वे इनका अनुमान लगाने, सीमित करने तथा महामारी रोकने में सक्षम हैं? इसका जवाब आर्टीफीशियल इंटेलीजेंस व बिग डेटा हो सकते हैं।

अभिनव वर्मा
युक्ति शर्मा
लेखकगण शिकागो विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं

वर्ष 2019 में वैश्विक तैयारी निगरानी बोर्ड ने कहा था कि दुनिया अगली बड़ी महामारी से निपटने की स्थिति में नहीं है जो महाद्वीपों में 36 घंटों में फैल सकती है और इससे 80 मिलियन लोग मर सकते हैं। उसने संकेत किया था कि जलवायु संकट, वैश्विक विस्थापन तथा मनुष्यों के बीच टकराव आदि सभी नई महामारियों के रास्ते खोल रहे हैं। कोरोना वाइरस ने हम सबको आश्चर्यचकित करते हुए यह संकेत भी किया है कि पिछले दशक की व्यवस्थायें नए रूपों में आ रही चुनौतियों से निपटने के लिए काफी नहीं हैं। दुनिया की एक सबसे बड़ी जनसंख्या और गहरे होते सामाजिक-आर्थिक विभाजनों के कारण भारत में संक्रामक बीमारियों का खतरा गंभीर हो रहा है। विशेषज्ञों का दावा है कि पिछले 100 वर्षों से इस खतरे में ज्यादा परिवर्तन नहीं हुआ है। 1918 में भारत स्पैनिश इन्फ्लूएंजा से सर्वाधिक प्रभावित देश था। पिछले चार दशकों से हम इन्फ्लूएंजा और इन्सेफेलाइटिस महामारियों को रोकने के प्रयास कर रहे हैं। दुनिया तथा भारत के स्तर पर हमें यह सोचने की आवश्यकता है कि तकनीक को केन्द्र में रख कर महामारियों से निपटने की व्यवस्था में कैसे सुधार किया जाए। कोरोना वाइरस के उदाहरण से स्पष्ट है कि कृत्रिम बुद्धि या आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस-एआई सक्षम उद्यमों ब्लूडाट व माटाबायोटा ने इस वाइरल संक्रमण से निपटने में प्रमुख व जीवनरक्षक योगदान दिया है। चेतावनी देने के लिए नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग-एनएलपी का प्रयोग कर ब्लूडाट ने 65 भाषाओं में 10,000 लेखों से अधिक का विश्लेषण किया। इनमें विदेशी खबरें, पौधों व जानवरों में बीमारियों के नेटवर्क तथा आधिकारिक घोषणायें शामिल हैं। आधिकारिक घोषणा से काफी दिन पहले ही वह आने वाली महामारी के संकेत पहचानने व उसके खिलाफ चेतावनी देने में सफल हुआ। इसी प्रकार मेटाबायोटा ने एआई का प्रयोग कर यात्रा व विमान पैटर्नों का अध्ययन कर बीमारी के संभावित विस्तार का अनुमान लगाया। उसके यह पूर्वानुमान सही सिद्ध हुए कि दक्षिण कोरिया, जापान, ताइवान व थाईलैंड में वाइरल महामारी का खतरा सबसे अधिक है।

बीमारियों पर समग्र निगरानी में एआई का प्रयोग होता है। महामारियों का विस्तार कई चरणों में होता है जिनमें बीमारी शुरू होने से लेकर उसके बढ़ने तथा दूसरे लोगों में फैलने तक के चरण शामिल हैं। इसके लिए प्रतिक्रिया व हस्तक्षेप की प्रकृति भी बदलती है। बीमारी फैलने के पहले ही सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था नई व उभरती हुई बीमारियों का पता लगाने का प्रयास जल्दी निदान के माध्यम से करती है। इसके बाद प्रतिक्रिया रणनीति में उसे सीमित करने, नियंत्रण करने तथा बाद में उसे समाप्त करने के प्रयास होते हैं। महामारी प्रबंधन में तकनीक-आधारित हस्तक्षेप के लिए प्रतिक्रिया रणनीतियों को भी महामारी विकास के चरणों के अनुकूल बनाना होता है।

लेकिन तकनीकों की एक महत्वपूर्ण व ज्यादा सफल भूमिका प्रतिक्रिया चक्र के कुछ चरणों में दूसरों की तुलना में ज्यादा प्रभावी होती है। इसमें बीमारियों के पूर्वानुमान व त्वरित चेतावनी जारी करने के लिए घटना आधारित निगरानी-ईबीएस व जोखिम प्रबंधन महत्वपूर्ण हैं। ईबीएस व्यवस्था अनेक स्रोतों से प्राप्त बिखरे हुए डेटा का प्रयोग करती है जिसमें इंटरनेट, आधिकारिक खबरें, सोशल मीडिया, आदि शामिल हैं। उभरते खतरों का पता लगाने व उनके प्रमाण एकत्र करने के बाद परंपरागत निगरानी व्यवस्थाओं से जनता के लिए स्वास्थ्य चेतावनियां जारी की जाती हैं तथा बीमारियों से निपटने की रणनीतियां बनाई जाती हैं। वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य इंटेलीजेंस नेटवर्क-जीपीएचआईएन व स्वचालित एलेक्ट्रानिक सूचना व्यवस्था हेल्थमैप ईबीएस के ऐसे उपकरण हैं जिनका प्रयोग एनएलपी, टेक्सट प्रोसेसिंग एल्गोरिद्म व मशीन लर्निंग-एमएल में किया जाता है। इनसे लक्षण पहचानने, सूचनाओं के विश्लेषण सूचना उपयोग क्षमता की गति बढ़ती है जिससे सटीकता कई गुना बढ़ जाती है।

प्रोग्राम फार मानीटरिंग इमर्जिंग डिजीजेज़-प्रोमेड, मेडिकल इन्फार्मेशन सिस्टम-मेडीसिस व पैटर्न बेस अंडरस्टैंडिंग एंड लर्निंग सिस्टम-पल्स भी ऐसे ईबीएस उपकरण हैं। ये व्यवस्थायें असाधारण गति से अत्यधिक आवश्यक सूचनाओं के प्रसार से बीमारियों के फैलाव के पैटर्नों, संक्रमण फैलने की शक्ति तथा रोगजनक कारगों के कारण होने वाली बीमारियों व मौतों का आंकलन करती हैं। इनसे त्वरित आपात प्रतिक्रियाओं में सहायता मिलती है। जोखिम की माडलिंग में आंकड़ा संबंधी उपकरणों का प्रयोग जनसंख्याओं या व्यक्तियों में उन तत्वों की पहचान के लिए होता है जिनसे खास बीमारियों से प्रभावित होने का जोखिम स्पष्ट हो जाता है। इस डेटा का प्रयोग इंटरनेट पर उपलब्ध मुक्त जानकारियों व जलवायु आंकड़ों से मिला कर रोगजनक कारकों की उपस्थिति, विस्तार व प्रसार का पता लगाया जाता है। इससे उन कारकों का पता चलता है जो सामान्य रूप से हमारे सामने नहीं आते हैं। उदाहरण के लिए, चीन में बच्चों के हाथों, पैरों व मुंह में होने वाली बीमारियों का सबसे अच्छा पूर्वानुमान उन एआई माडलों से किया गया जिनका प्रयोग साप्ताहिक तापमान या बरसात के रिकार्ड के लिए होता था। इसके साथ ही चीनी बाइडू सर्च इंजन में बीमारियों संबंधी पूछताछ के डेटा का प्रयोग भी किया गया।

इसकी तुलना में भारत में समन्वित रोग निगरानी कार्यक्रम-आईडीएसपी में मैनुअल निगरानी का प्रयोग होता है। यहां लगभग 24 महामारी बनने की आशंका वाली बीमारियों का डेटा साप्ताहिक आधार पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के स्तर पर होता है जिसकी रिपोर्टें ऊपर भेजी जाती हैं। जब भी किसी क्षेत्र में किसी बीमारी के बढ़ने की प्रवृत्ति सामने आती है तब महामारी की जांच तथा नियंत्रण के लिए रैपिड रिस्पांस टीमों-आरआरटी का गठन किया जाता है। यह व्यवस्था बहुत धीमी है तथा पूर्वानुमान के लिए जोखिम माडलों का प्रयोग नहीं करती है। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक हेल्थ, हैदराबाद द्वारा 2016 में कराए एक अध्ययन से संकेत मिलता है कि इस प्रक्रिया में तीन से 64 दिनों का समय लग सकता है।

मीडिया रिपोर्टों के आधार पर शीघ्र चेतावनी संकेतों का पता लगाने के लिए आईडीएसपी में 2008 में मीडिया स्कैनिंग एंड वैरीफिकेशन सेल का गठन किया गया था। लेकिन यह गतिविधि अखबारों व एलेक्ट्रानिक मीडिया की मैनुअल स्कैनिंग तक सीमित है। तकनीक प्रयोग का रुझान रखने वाले कुछ राज्य प्रक्रिया को स्वचालित रूप देने के लिए गूगल एलर्ट का प्रयोग करते हैं। कहने की आवश्यकता नहीं कि राज्य मीडिया वैरीफिकेशन सेल सभी मीडिया स्रोतों की उतनी तेजी से व्यापक स्कैनिंग में सक्षम नहीं है जितनी महामारी फूटने के समय जरूरी होती है। स्वास्थ्य मंत्रालय एक समन्वित स्वास्थ्य सूचना मंच-आईएचआईपी का निर्देशन कर रहा है जो रियल-टाइम डेटा रिपोर्टिंग कर सकता है तथा आईडीएसपी की क्षमता बढ़ाने के लिए माडलिंग व जीआईएस उपकरणों को लागू कर सकता है। आईएचआईपी मंच में उभरती तकनीकों को समाहित करने की असाधारण संभावनायें हैं। लेकिन वर्तमान समय में इन पर शुरुआती चर्चा हुई है।

महामारी प्रबंधन पर ध्यान देना जरूरी है। हालांकि, महामारी प्रतिक्रिया संबंधी अधिकांश तकनीकी प्रयोग निगरानी तक सीमित हैं, पर समग्र महामारी प्रबंधन के लिए हस्तक्षेप क्षेत्रों की पहचान अत्यन्त आवश्यक है। एआई न केवल यह अनुमान लगाने में सहायक हो सकती है कि बीमारी कहां पहुंच सकती है, बल्कि इससे यह जानकारी भी मिल सकती है कि लोग आपातस्थिति में स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग कैसे करते हैं। स्वास्थ्य प्राप्त करने के व्यवहारों का लेखाजोखा उन प्रतिक्रिया रणनीतियों को बनाने में कारगर हो सकता है जो प्रतिक्रियाओं की प्रभावशीलता व सफलता को बढ़ाती हैं।

व्यवहार संबंधी डेटा व एमएल माडलों से मानव व्यवहार व बीमारियों के प्रसार के कम परिचित पैटर्नों का पता लगाया जा सकता है जिससे लक्षित प्रतिक्रिया में आसानी होगी। इसे 'इन्फोडेमोलोजी' कहा जाता है जहां इंटरनेट डेटा को सार्वजनिक स्वास्थ्य सूचनाओं से जोड़ कर आपातस्थितियों में व्यक्तिगत स्वास्थ्य प्राप्त करने वाले व्यवहारों की जांच की जा सकती है। गूगल ट्रेंड डेटा तथा खासकर गूगल डेंगू ट्रेंड डेटा का प्रयोग शोधकर्ताओं ने महामारी की स्थितियों में नागरिकों के व्यवहार की समग्र समझदारी के लिए किया है। इन जानकारियों का प्रयोग यह निर्धारित करने के लिए हो सकता है कि कमी के समय में स्वास्थ्य सेवायें किस प्रकार प्रदान की जानी चाहिए। बेहतर व्यवस्था में यह अनुमान भी लगाया जा सकता है कि क्या कोई व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह अपना स्थान बदल कर औपचारिक सहायता के लिए बाहर जाएगा या वे औपचारिक इलाज के रास्ते पर चलेंगे। इन सभी जानकारियों से अधिकारियों को बेहतर निर्णय लेने में सहायता मिलेगी।

एआई-समर्थित जीनोमिक्स शोध धीरे-धीरे गेम चेंजर के रूप में सामने आ रही है जिससे समकालीन संक्रमणों के लिए इलाज व वैक्सीनों का विकास हो सकता है। बाइडू ने एक एल्गोरिदम विकसित की है जिससे आरएनए संरचना का अनुमान लगा कर वाइरस पर नियंत्रण करने में आसानी होगी। उपयुक्त माडलों के विकास से वाइरसों व जानवरों के बीच जीनोमिक्स संबंध तलाशे जा सकते हैं जिससे बीमरियों की खोज आसान हो जाएगी। इससे बीमारियों के नियंत्रण में जल्दी हस्तक्षेप संभव होगा तथा महामारी पैदा होने से रोका जा सकेगा।

समग्र व सटीक निगरानी व्यवस्था के लिए भारी संख्या में गुणवत्तापूर्ण डेटा विभिन्न स्रोतों से प्राप्त होना चाहिए। उदाहरण के लिए, मौसम सबंधी डेटा को रोगकारकों के प्रसार तथा जनसंख्या के आवागमन के डेटा से मेल कर महामारी फैलने के संभावित क्षेत्रों का फौरन पता लगाया जा सकता है। इसके लिए सरकारी विभागों को एकसाथ आकर अपना डेटा मिशन मोड में एक समन्वित कार्यक्रम में शामिल करना होगा। इसके लिए एआई-सक्षम तकनीकों की आवश्यकता होगी ताकि क्षमता निर्माण के लिए नए प्रोटोकाल विकसित हो सकें जिनका लाभ सभी स्तरों तक पहुंचे। महामारियां राष्ट्रीय सीमाओं से बाधित नहीं होती हैं, इसलिए एक वैश्विक निगरानी व्यवस्था बनाने की आवश्यकता है जिसमें डब्लूएचओ व अनेक अंतरराष्ट्रीय फाउंडेशन प्रेरक भूमिका अदा कर सकते हैं। सभी देशों को बीमारियों के बारे में सूचनायें सार्वजनिक करनी चाहिए तथा आवश्यकता होने पर ऐसे निगरानी नेटवर्क बनाने चाहिए जो दुनिया में अपने समकक्षों से सीधे संपर्क कर सकें।

यह बहस का विषय है कि क्या एआई अगले कोरोना वाइरस से मुकाबला कर सकती है। लेकिन निश्चित रूप से इससे हमारी क्षमता बढ़ेगी जिससे बीमारी का पूर्वानुमान लगा कर सटीक हस्तक्षेप संभव होगा तथा बेहतर शोध से अनेक मामलों में महामारी फूटने से पहले ही बीमारी से बचा जा सकेगा। वर्तमान कोरोना वाइरस महामारी में भी एआई-सक्षम समाधानों में काफी मदद की है। ऐसे में सरकारों तथा बहुराष्ट्रीय निगमों को अगले वाइरस से मुकाबले के लिए एआई के प्रयोग की दिशा में कदम बढ़ाने चाहिए।

देश में विधवा महिलाओं की दयनीय दशा

विधवा महिलाओं की स्थिति बहुत दयनीय है। असहाय होने के कारण विभिन्न राज्यों में अनेक विधवाओं ने आत्महत्या की है। राज्य सरकारों को उनकी स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। आखिर कितनी और विधवाओं की आत्महत्याओं के बाद राज्य सरकारें जागेंगी?

स्वप्ना मजूमदार
लेखिका वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।

तेलंगाना राज्य के नालगोंडा जिले में मल्लारेड्डीपल्ली गांव की 38 वर्षीय मुडपू याडेम्मा ने आत्महत्या कर ली। दो साल पहले उनके पति किसान ने कीटनाशक पी कर आत्महत्या की थी और उन पर 3.5 लाख का कर्ज छोड़ा था। आंध्र प्रदेश के अनन्तपुर जिले में डंडूवरीपल्ली गांव की 31 वर्षीया कमथम लक्ष्मीदेवी के किसान पति ने भी दो साल पहले आत्महत्या कर ली थी और उन पर 8 लाख का कर्ज छोड़ा था। महाराष्ट्र की 38 वर्षीय विद्या मोरे के पति ने 2012 में आत्हत्या की थी। लेकिन उनकी आत्महत्या को किसान की आत्महत्या नहीं माना गया जिसके कारण उनको कोई मुआवजा नहीं मिला।

ये विधवायें भले ही अलग-अलग राज्यों से हों, पर देश भर में किसान-विधवाओं की स्थिति चिन्ताजनक रूप से समान है। न केवल किसान विधवायें अचानक राज्यों की लापरवाही का शिकार होती हैं, बल्कि उनके परिवार भी उनको उनकी अपनी किस्मत पर छोड़ देते हैं। ऐसा खासकर उस स्थिति में होता है जब उनके किसान पतियों ने भारी कर्ज छोड़ा होता है। सरकार द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार भारत में 2016 में 11,379 किसानों ने आत्महत्या की थी। दूसरे शब्दों में हर महीने 948 या रोज 31 किसान आत्महत्या करते हैं। आत्महत्याओं का एक बड़ा कारण बढ़ता कर्ज है। हालांकि, कर्ज अदा न कर पाने के अनेक कारण हैं जिनमें फसल खराब होना, कृषि संकट व आजीविका के वैकल्पिक अवसरों का अभाव है, पर कर्ज भुगतान का बोझ अंतत: उनकी विधवाओं पर आ जाता है।

वर्तमान समय में सरकार के पास संभवत: ऐसा कोई कल्याणकारी कार्यक्रम या नीति नहीं है जो इन विधवा महिलाओं को उनके पतियों द्वारा लिए कर्ज से मुक्ति दिला सके। पति की मौत के फौरन बाद बैंकों या सूदखोरों के कारिन्दे विधवाओं को परेशान करने लगते हैं। इस कारण विधवाओं को अपने पति की मौत का शोक मनाने का भी अवसर नहीं मिल पाता है।

जीवित बचे रहने तथा बच्चों के पालन-पोषण के लिए विधवाओं को आजीविका कमाने पर मजबूर होना पड़ता है। लेकिन अध्ययनों से पता चलता है कि महिला किसान अक्सर अपने मृत पतियों की तरह ही खेती करती हैं। विधवाओं को भी उसी प्रकार खेती करनी पड़ती है जिसमें कृषि-रसायनों व बाहरी निवेशों की बहुत आवश्यकता होती है। इससे कृषि में निवेश और कर्ज का दुष्चक्र एक बार फिर सामने आता है। लेकिन महिला किसानों को कर्ज लेने योग्य नहीं माना जाता है तथा सरकारी योजनाओं व कर्ज तक भी उनकी पहुंच सीमित है। इस कारण निराशाजनक स्थिति में महिला किसान भी अपने पतियों की तरह आत्महत्या पर मजबूर होती हैं। किसानों की आत्महत्याओं में 8.6 प्रतिशत महिलायें हैं।

देश में 24 राज्यों में महिला किसानों के 120 संगठनों व सिविल सोसाइटी समूहों के साथ मिल कर बना अनौपचारिक महिला किसान अधिकार मंच-मक्कम महिला किसानों के अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा है। संगठन के अनुसार, सरकारों द्वारा किसानों की आत्महत्यायें रोकने के प्रयास नाकाफी हैं तथा आत्महत्या करने वाले किसानों के परिवारों को उचित समर्थन नहीं मिलता है। हाल ही में मक्कम तथा यूएन वीमेन द्वारा 'किसान आत्महत्या वाले परिवारों में महिला किसानों की स्थिति' पर आयोजित विचार-विमर्श में भी यह बात सामने आई है कि सरकारें किसान आत्महत्या के कारण मौतें स्वीकार करने से बचती हैं। अनेक मामलों में इससे हाशियाकृत विधवाओं की स्थिति और खराब होती है तथा राज्य उनको किसी प्रकार का समर्थन देने से इनकार करते हैं।

कोर्रा शांति राज्य सरकार की लापरवाही की शिकार ऐसी ही एक महिला हैं। तेलंगाना के नलगोंडा जिले में रहने वाली शांति व उसके पति पट्टे की जमीन पर खेती करते थे। 2018 में पति के आत्महत्या करने के बाद शांति पर 6 लाख रुपये कर्ज का बोझ आ गया। हालांकि, उसने स्थानीय एक्टिविस्टों की सहायता से मुआवजे की प्रार्थना की थी, पर उसे अभी कोई भुगतान नहीं मिला है। शांति से कहा गया है कि उसे मुआवजा मिलने की उम्मीद नहीं है क्योंकि जमीन उसके पति के नाम से नहीं थी और इस प्रकार वह भी मुआवजे की हकदार नहीं है।

कुछ राज्य सरकारों के नियम विशेष रूप से भूमि स्वामियों व भूमि पर अधिकार रखने वालों को ही किसान मानते हैं। किसान आत्महत्या से प्रभावित परिवारों को इसी आधार पर सहायता मिलती है। पट्टे की जमीन पर खेती करने वाले इस दायरे में नहीं आते हैं। भूमि स्वामित्व का मुख्य आधार होने के कारण पट्टे की जमीन पर खेती करने वालों व महिला किसानों, खासकर अपने नाम भूमि न होने के कारण किसान विधवाओं को 'असली किसान' नहीं माना जाता है। सूदखोरों से कर्ज लेने वाले किसानों को भी उपयुक्त मामला नहीं माना जाता है और उनकी विधवाओं व परिवारों को मुआवजा नहीं मिलता है। चालीस वर्षीया वीरपाल कौल बताती हैं कि 'यह पंजाब की एक सबसे बड़ी समस्या है।' पंजाब के मनसा जिले की निवासी वीरपाल कौर के पति, पिता और ससुर ने आत्महत्या की थी। लेकिन उनके परिवारों को मुआवजे के योग्य नहीं माना गया, जबकि ये सभी किसानों की आत्महत्यायें थीं। विधवाओं और उनके परिवारों को राहत व पुनर्वास मिलने में सबसे बड़ी बाधा पहचान का संकट है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु व पंजाब के 6 राज्यों में किसानों की आत्महत्याओं से प्रभावित महिलाओं की स्थिति पर मक्कम के अध्ययन के अनुसार यह नतीजा निकला है। महाराष्ट्र, पंजाब व कर्नाटक में केवल उन किसान परिवारों को सहायता के योग्य माना जाता है जिनकी मृत्यु संस्थागत कर्ज अदा न करने के कारण हुई थी। इनमें सूदखोरों के दबाव के कारण आत्महत्या करने वालों का कोई स्थान नहीं है।

इसके साथ ही, इन 6 राज्यों में दिए जाने वाले राहत व पुनर्वास पैकेजों में भारी अंतर है। अध्ययन से स्पष्ट है कि 'किसानों की आत्महत्यायें' तय करने का आधार राज्यों में अलग-अलग है और पुलिस, कृषि व राजस्व विभाग जैसी प्रासांगिक एजेंसियों के मानक भी भिन्न-भिन्न हैं।

मक्कम की सीमा कुलकर्णी के अनुसार जिन राज्यों ने मुआवजा दिया है, वहां भी यह समान नहीं था। कुलकर्णी ने बताया, 'जहां आंध्र प्रदेश ने प्रति परिवार 7 लाख मुआवजा दिया, वहीं सबसे ज्यादा संख्या में किसानों की आत्महत्याओं वाले महाराष्ट्र में यह केवल 2 लाख था। हालांकि, तेलंगाना में नीतिगत रूप से 6 लाख मुआवजा दिया जाना चाहिए, पर रैयतू बीमा पादकम नामक किसान बीमा योजना के अंतर्गत आत्महत्या के मामलों में शायद ही किसी को इतना मुआवजा मिला हो।' सभी राज्यों में केवल आंध्र प्रदेश में ही मुआवजे का एक बार में पूरा भुगतान करने की व्यवस्था थी और कुछ मामलों में एक लाख रुपये की सीमा तक सभी संस्थागत व निजी कर्जों का बकाया भुगतान किया भी गया था। इससे विधवा किसान महिलाओं को लगातार पड़ने वाले कर्ज के बोझ से मुक्ति मिली। लेकिन इसका प्रयोग सीमित था।

एक अध्ययन के अनुसार केवल कर्नाटक में ही आत्महत्या करने वाले किसान परिवारों के बच्चों को शिक्षा में सहायता की योजना थी और इसमें निजी संस्थानों में पढ़ने वाले बच्चों की फीस प्रतिपूर्ति भी शामिल थी। मक्कम की साझीदार संगठन रैयतू स्वराज्य वेदिका की आशालता सत्यम बताती हैं, 'लेकिन ऐसे मामलों में भी क्रियान्वयन खराब था तथा राज्य की विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी सामने आई थी।'

आशालता बताती हैं कि अन्य राज्यों में ऐसी नीति नहीं है। इसी कारण तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में विधवाओं को अपने बच्चों को स्कूलों से निकालना पड़ा है। हालांकि, महाराष्ट्र सरकार ने शिक्षा फीस में सहायता के पैकेज की घोषणा की थी, लेकिन अभी इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

ऐसे मामलों में जहां जमीन पति के नाम थी, पत्नियों के पास जमीन अपने नाम आने के बाद आजीविका का अवसर मिल जाता है। लेकिन ऐसे मामलों में भी अनावश्यक रूप से लंबी कानूनी प्रक्रिया का सामना करना पड़ता है क्योंकि रिश्तेदार विधवा को संपत्ति में उसका वैध हिस्सा नहीं देना चाहते हैं। जमीन का मालिकाना हक न होने के कारण अनेक विधवाओं को मजदूरी करने या रोजगार के अन्य तरीके तलाशने पर मजबूर होना पड़ता है जिससे उनकी सुरक्षा भी प्रभावित होती है। मुनापू याडम्मा अपने तीन बच्चों को स्कूल भेजने के लिए मजदूरी करने पर मजबूर है क्योंकि ससुराली उसे परिवार की भूमि में हिस्सा देने को तैयार नहीं हैं।

कमतम लक्ष्मीदेवी को भी परिवार की जमीन में हिस्सा नहीं मिला है क्योंकि उसके पति कमाने में अक्षम हैं। विद्या मोरे ने मजदूरी व सिलाई का काम शुरू किया है ताकि वह अपना जीवन चला सके। लेकिन ये सारे प्रयास पतियों द्वारा लिए भारी कर्ज की अदायगी के लिए काफी नहीं हैं। केवल ये विधवायें ही अपने जीवन व अधिकारों के लिए संघर्ष नहीं कर रही हैं। किसानों की अनेक विधवायें अब राज्य सरकारों की चिन्ता का विषय नहीं हैं। सरकारों की संवेदनहीनता तथा असहाय होने के कारण अनेक विधवाओं ने आत्महत्या की है। राजनेताओं को भी इसकी अच्छी तरह जानकारी है। ऐसे में सवाल उठता है कि राज्य सरकारें आखिर किस बात की प्रतीक्षा कर रही हैं? आखिर उनके सक्रिय होने के लिए अभी कितनी और विधवाओं को आत्महत्यायें करनी पड़ेंगी?

कौन बांधे बिल्ली...

राज्य सम्पत्ति विभाग में सरकार के एक बहुत बड़े अफसर चर्चा का विषय बने हुये हैं। नौकरशाही का बड़ा ओहदा मिलते ही इस अधिकारी ने अपने सरकारी आवास को संवारने का फरमान इस विभाग को सुनाया है। करीब चालीस लाख के कार्यों का स्टीमेट विभाग ने तैयार करके आगे बढ़ा दिया है लेकिन अभी तक पत्रावली स्वीकृति नहीं हो सकी है। इस अधिकारी के कार्यालय से आवास पर काम कराने के लिये राज्य सम्पत्ति विभाग को लगातार निर्देश मिल रहे हैं। लेकिन अन्य कोई अधिकारी अपनी गर्दन फंसाने को तैयार नहीं और हर-कोई एक-दूसरे पर मामला टाल रहा है। हालांकि सभी को पता है कि अधिकारी का स्टीमेट पास होना है लेकिन स्टीमेट मंजूर हुये बिना कोई आवास में लाखों का काम कराने को तैयार नहीं। लोकनिर्माण विभाग के एक ठेकेदार ने राज्य सम्पत्ति विभाग के एक अधिकारी से भुगतान की गारंटी लेने पर काम कराने को कहा लेकिन विभाग के इस अधिकरी ने काफी सोचने के बाद भुगतान गारंटी लेने से मना कर दिया और स्टीमेट के मंजूर होने के इंतजार करने को कहा। चूंकि यह अधिकारी सरकार के बहुत बड़े पद पर हैं। ऐसे में राज्य सम्पत्ति विभाग का कोई अधिकारी उन्हें सही बात बता भी नही कर पर रहा है। दरअसल जिस अधिकारी के आवास पर लाखों रुपये खर्च करके संवारा जाना है उन्हें हाल में नौकरशाही की अहम कुर्सी मिली है। पहले यह पद काम चलाऊ मिला था और अब स्थायी हो गया है। देखना यह है कि इस अधिकारी के सपनों का बंगला कब तैयार होता है।

बाज आए बागी...

ऐसा लगता है जैसे समाजवाद के पुरोधा बागी बलिया के तल्ख तेवर अब ठंडे पड़ चुके हैं। आक्रामकता है कि दिखती नहीं। अब स्थिति ये है कि शिकायत भी मुस्करा कर करने लगे हैं। यदि किसी के कार्यों की बुराई भी करनी होती है तो पहले उनके मक्खन लगाते हैं फिर बुराई करने का क्रम शुरू करते हैं। समाजवाद के बागी बलिया के इस ढीले पड़े तेवर को लोग उनकी बढ़ती उम्र और भगवा सरकार के मुखिया द्वारा विभिन्न मामलों में अपनाए जा रहे सख्त रुख को मान रहे हैं। शायद यही कारण है कि जब बागी बलिया भगवा सरकार के मुखिया के समाने खड़े होते हैं तो पहले ही कह देते हैं कि आप तो हमारे पड़ोसी हैं। हमारे प्रति आप का सानिध्य रहता है। कुछ कह दूंगा तो बुरा नही मानेंगे। जब बागी बलिया देखते हैं कि भगवा सरकार के मुखिया मुस्करा दिए तब वह शिकायतों का अपना पिटारा खोलते हैं लेकिन इस बात का पूरा ध्यान रखते हैं कि सीधी चोट न देकर, शिकायत भी करनी हो तो नरमी से की जाए।

खुशी मिली इतनी...

आमतौर पर अस्थायी से स्थाई होने पर सभी को खुशी मिलती है लेकिन जब बात प्रदेश के सबसे बड़े प्रशासनिक पद पर तैनात अधिकारी के स्थायी होने की हो तो दिलचस्पी बढ़ जाती है। ऐसा ही कुछ हमारे चीफ साहब के साथ हुआ। यूपी की ब्यूरोक्रेसी के इतिहास में संभवत: पहला ऐसा मौका होगा जब किसी अस्थायी चीफ को स्थायी होने में इतना समय लग गया। खैर देर आए दुरूस्त आए वाली बात साबित हुई। जब स्थायी होने का आदेश जारी हुआ तो कई मीडिया बंधु उन्हें बधाई देने गए। साहब ने भी कहा कि अब आप लोग जल्द परिवर्तन देखेंगे। योजनाओं को तेजी से पूरा किया जाएगा। इस बीच एक खबर नवीस ने पूछ लिया कि अब तक क्यों नहीं हुआ तो उन्होंने हंसते हुए कहा कि लाइसेंस अब स्थायी हुआ है। यह कहते ही चीफ साहब का कक्ष ठहाकों से गूंज गया।

तरक्की की राह

अभी मुखिया जी को आये हुए चार दिन हुए हैं और उन्होंने अभी से तरक्की की राह पकड़नी शुरू कर दी है। लंबित और गंभीर जांच को किस तरह से निपटाया जाता है मैनेजमेंट गुरु होने के नाते शायद उनके पहले आने वाले जानते रहे हों। मुखिया जी के आगमन से चंद दिनों पहले की बात थी। मामला हाई प्रोफाइल हो चुका था। उस समय तो बस सभी लोग कार्यवाही की राह तक रहे थे। सभी लोग इस यकीन में थे कि नये मुखिया की गाज जरुर गिरेगी। मगर मुखिया जी तो चतुर निकले। जांच की आंच को कैसे ठंडा करना है, इसके लिए उन्होंने एक कमेटी गठित कर दी। कमेटी में शामिल लोग भी उनके अपने ही थे। बस फिर क्या आनन-फानन में कमेटी ने अपनी जांच करके रिपोर्ट पकड़ा दी। रिपोर्ट में ज्यादा नुकसान न होने की बात करते हुए व्यक्तिगत स्तर तक ही मामले की सीमित बताया गया था। फिर क्या मुखिया जी ने रिपोर्ट के आधार पर फैसला सुना दिया। फैसला तो छात्रहित में था मगर इससे सबसे बड़ा फायदा उनको हुआ जिन पर आरोपों के एवज में तलवार कभी भी चल सकती थी जबकि संस्थान की पूर्व में एक कमेटी दोषियों को कटघरे में खड़ा कर चुकी थी। मजेदार बात यह है कि फैसले में आरोपी महिला का कहीं जिक्र तक नहीं आया। मुखिया जी की एक क्लीन चिट ने पूरे मामले को रफा-दफा कर दिया। ऐसे में यह समझ नहीं आ रहा है कि इतना गंभीर मामला मैनेज कैसे हो गया। कहीं सेटलमेंट का तो मामला नहीं है।

रस्ता सूझे न...

पिता की राजनैतिक विरासत संभाल रहीं देश की सबसे पुरानी पार्टी की सूबाई इकाई की एक महिला नेता इस समय न सिर्फ माननीय हैं बल्कि अपने दल के माननीयों की नेता भी हैं। बावजूद इसके वह उतनी खुश अब नहीं दिखतीं जितना अभिनेता से नेता बने पिछले पार्टी अध्यक्ष के कार्यकाल के दौरान रहती थीं। पार्टी के जानकारों का कहना है कि वर्तमान अध्यक्ष से प्रतिद्वंदिता में लगातार पिछड़ना ही उनके दुख की वजह है। दरअसल वह चाहती थीं कि अपने पिता की तरह ही उनका भी रुतबा और ख्याति बढ़े। इसके लिए वह पार्टी में काफी समय भी देती हैं और संगठन के कार्यों में मेहनत भी करती हैं लेकिन समस्या यह है कि अध्यक्ष की तेज रफ्तार के आगे हर बार उनकी चाल धीमी पड़ जाती है। दल के माननीयों की नेता बनने के बाद उन्हें लगा था कि कम से कम सत्र के दौरान तो उनका ही जलवा रहेगा लेकिन यहां पर भी अध्यक्ष ही दांव मार ले जाते हैं। मुद्दा कोई भी हो अध्यक्ष उसे तुरंत लपक लेते हैं और उस पर भाषण, धरना, प्रदर्शन और प्रेस कांफ्रेंस कर डालते हैं। आलाकमान भी अध्यक्ष को ही तवज्जो दे रहीं है और मीडिया में भी वही सुर्खियों में रहते हैं। अब ऐसे में महिला नेता के समर्थक इस प्रयास में लगातार जुटे हैं कि ऐसा क्या किया जाए कि अध्यक्ष से ज्यादा उनकी नेता हाईलाइट हों।

राज्यपाल ने उच्च शिक्षा में कम नामांकन प्रतिशत पर जताई चिंता

● कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने राजर्षि टंडन मुक्त विवि के लखनऊ केन्द्र के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने 12वीं की शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा में कम नामांकन प्रतिशत पर चिंता जाहिर की। उन्होंने राज्य विश्वविद्यालयों में छात्रों का नामांकन प्रतिशत बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा में नामांकन का प्रतिशत अभी 25.9 प्रतिशत है जो राष्ट्रीय औसत 26.3 से कम है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने 2035 तक उच्च शिक्षा का नामांकन 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी विश्वविद्यालयों को अभी से नामांकन प्रतिशत बढ़ाने के प्रयास में जुड़ना होगा। उन्होंने शिक्षकों से भी अपील की कि वे नामांकन प्रतिशत बढ़ाने में अधिक से अधिक अपना सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, जहां प्रवेश के लिए किसी तरह की सीमा एवं आयु का बंधन नहीं है। राज्यपाल शनिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने कहा कि भारत रत्न राजर्षि पुरूषोत्तम दास टंडन के नाम पर स्थापित यह विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा से वंचित गरीब एवं कमजोर वर्ग के बच्चों एवं अन्य लोगों को उच्च शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ का अपना भवन बन जाने से इसके कार्यक्रमों एवं नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय में संविधान की प्रस्तावना की होर्डिंग लगाया जाना यह दर्शाता है कि यहां के लोग राष्ट्र के सम्मान के प्रति कितना लगाव रखते हैं। उन्होंने कहा कि यहां संविधान में उल्लिखित अधिकारों एवं कर्तव्यों से संबंधित होर्डिंग भी लगाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी राज्य विश्वविद्यालयों में संविधान की प्रस्तावना, अधिकार एवं कर्तव्यों का उल्लेख करते हुए होर्डिंग लगायी जाएगी, जिससे विद्यार्थी अध्ययन के समय से ही अपने अधिकारों के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों की भी जानकारी प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रदेश के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक 1200 से अधिक अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से राष्ट्रीय एवं सामाजिक आवश्यकता के अनुरूप 116 शैक्षिक कार्यक्रमों को संचालित कर रहा है।

किसानों की आय को दोगुना करने में औद्यानिक फसलों की बड़ी भूमिका:योगी

● मुख्यमंत्री ने प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी 2020 का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने के संकल्प को साकार करने में औद्यानिक फसलों की बड़ी भूमिका है। परम्परागत फसलों के मुकाबले औद्यानिक फसलें उगाकर किसान अपनी आय तेजी से बढ़ा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पॉली हाउस का उपयोग करके हर मौसम की औद्यानिक फसलें उगायी जा रही हैं। किसान तकनीक और आधुनिक साधनों का उपयोग करके औद्यानिक फसलों के माध्यम से कई गुना लाभ अर्जित कर सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बात शनिवार को राजभवन में प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी 2020 के उद्घाटन अवसर पर कही। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी उपस्थित थीं।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उद्घाटन अवसर पर राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी 2020 की स्मारिका का विमोचन भी किया। राजभवन में प्रदर्शनी 2020 के भव्य आयोजन के लिए राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कई दशकों से राजभवन में प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। किसानों की आमदनी बढ़ाने एवं प्रकृति के प्रति आमजन की रुचि जागृत करने के दृष्टिगत प्रदर्शनी का आयोजन सराहनीय है।

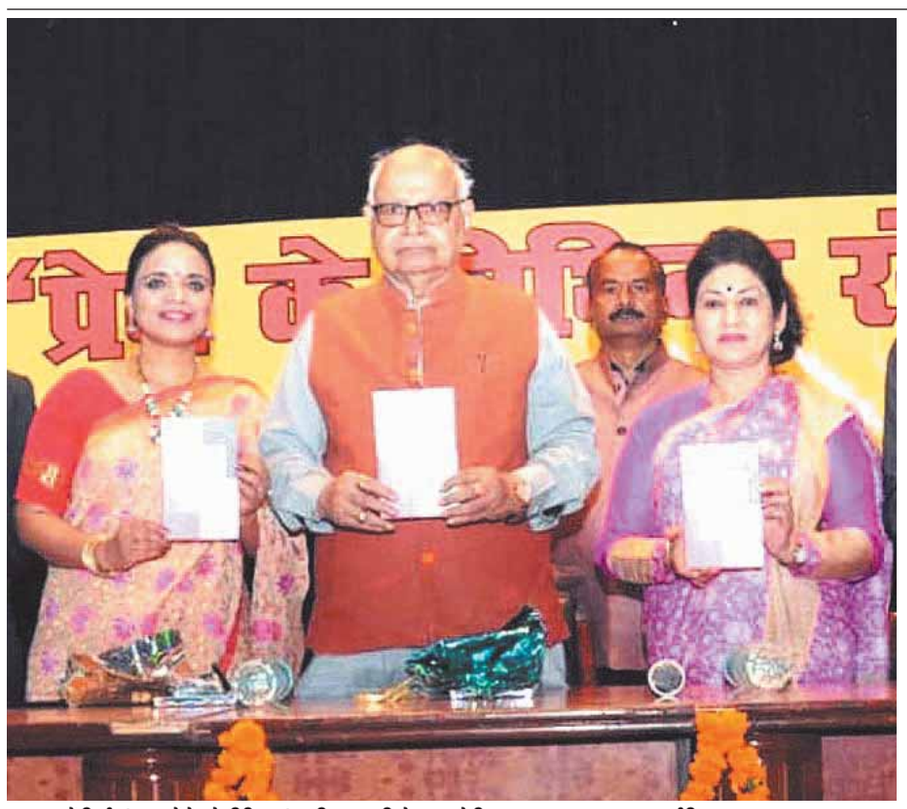

लखनऊ में हिन्दी संस्थान में प्रेम के विभिन्न रंग पुस्तिका का विमोचन करते विधानसभा अध्यक्ष हृदय नरायण दीक्षित

मौके की नजाकत को समझें भावनाओं में न बहें मुसलमान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसपा अध्यक्ष मायावती ने कहा है कि देश के मुसलमान भावनाओं में न बहें बल्कि मौके की नजाकत को समझते हुए पूरे सूझबूझ से काम लें क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने पहले 'इमोशनल' राजनीति करके मुस्लिम समाज का लगातार घोर शोषण किया है और अब बीजेपी उनसे दो कदम आगे बढ़कर उनकी भावनाओं को लगातार नए-नए तरीके से भड़काने वाले काम कर करके उन्हें अनेकों प्रकार से प्रताड़ित कर रही है। जिसके विरुद्ध पहले की ही तरह बीएसपी का संघर्ष लगातार जारी है और आगे भी जारी रहेगा। बसपा प्रवक्ता ने शनिवार को लखनऊ में बताया कि मायावती दिल्ली में पार्टी की विशेष आल इंडिया बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के बाद अब बीजेपी की सरकार में भी एससी, एसटी व ओबीसी वर्गों को शिक्षा व सरकारी नौकरियों में मिलने वाली आरक्षण की संवैधानिक व्यवस्था को 'स्लो डेथ' दिए जाने के कारण इस वर्ग के बहुसंख्यक समाज काफी खराब हालात से गुज़र रहे हैं। इनसे उबरने का एक मात्र रास्ता है कि इन वर्गों के लोग सत्ता की मास्टर चाबी अपने हाथों में लें जो कि संविधान बनाते वक्त डॉ. अम्बेडकर का सपना था, जोकि जातिवादी साम, दाम, दण्ड, भेद आदि षडयंत्रों के कारण अब तक अधूरा है।

प्रदेश में तीन साल से तुकबंदी से सरकार चल रही

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि मुख्यमंत्री का पद संवैधानिक पद है जिसकी अपनी गरिमा एवं मर्यादाएं हैं। इस पद पर बैठे व्यक्ति से भाषा में संयम और बर्ताव में आत्म अनुशासन की अपेक्षा की जाती है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा बोली की जगह गोली, ठोक दो और बदला लेंगे जैसी भाषा का इस्तेमाल पूर्णतया अलोकतांत्रिक एवं गैर जिम्मेदाराना है। लगता है मुख्यमंत्री इससे बेपरवाह बने हुए है। वहीं दूसरी ओर इस पर मुख्यमंत्री का यह कहना कि यह तो तुकबंदी है, घोर आपत्तिजनक है। मुख्यमंत्री की ऐसी भाषा का प्रभाव है कि प्रदेश में अराजकता बढ़ी है और सामाजिक वातावरण प्रदूषित हुआ है। इसका यह भी दुष्परिणाम हो सकता है कि कोई भी गलत बयानी करने में संकोच नहीं करेगा। वह इसे भी तुकबंदी करार देगा। प्रदेश में इस हिसाब से तो तीन साल से तुकबंदी से सरकार चल रही है। अखिलेश ने कहा कि क्या मुख्यमंत्री ऐसी तुकबंदी से ही प्रदेश की धरती पर रामराज उतारेंगे? श्री यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में राज्य में व्यापक विकास कार्य हुए थे। सन् 2022 के विधानसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश में भी काम बोलेगा और समाजवादी पार्टी अकेले चुनाव लड़कर 351 सीटों पर विजय पताका फहराकर भारी बहुमत की सरकार बनाएगी और चुनावी रणनीति के तहत समाजवादी पार्टी सभी को जोड़कर चलेगी। श्री यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा के कुशासन से परेशान है। नौजवान बेकारी के शिकार हैं। किसान बदहाल हैं। भाजपा सरकार हमारे कामों को अपना बता रही हैं। इनका अपना कोई उल्लेखनीय काम नज़र नहीं आता है। मेडिकल कालेज बनाने का भाजपा झूठा दावा कर रही है। पूर्वांचल एक्सप्रेस.वे समाजवादी सरकार की देन है। भाजपा ने इसके साथ बस समाजवादी नाम हटाने का काम किया हैं। इसके लिए जमीन खरीद से लेकर एलाइनमेंट तक का काम समाजवादी पार्टी के शासनकाल में हुआ था। अखिलेश यादव ने कहा बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाने का काम भाजपा वाले बहुत अच्छे ढंग से कर लेते है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार अपने वादे तीन वर्ष में भी पूरे नहीं कर पायी, न तो गंगा जी की सफाई हुई और नहीं गौमाता की सुरक्षा। प्रदेश में आवारा जानवरों और सांडो से किसान खासकर परेशान हैं। भाजपा सभी मोर्चों पर विफ्ल रही है। भाजपा सरकार ने जनता को बहुत ही दु:खी और निराश किया है।

हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रबल पक्षधर थे मौलाना अबुल कलाम आजाद: कांग्रेस

● प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पूरी श्रद्धा व आदर के साथ मनाई गई देश के प्रथम शिक्षा मंत्री की पुण्यतिथि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, देश के प्रथम शिक्षा मंत्री और कांग्रेस के अध्यक्ष रहे भारत रत्न मौलाना अबुल कलाम आजाद की पुण्यतिथि श्रद्धा और आदर के साथ प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मनाई गई। इस अवसर पर सर्वप्रथम मौलाना आजाद के चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके उपरांत कार्यक्रम में मौजूद कांग्रेस नेताओं ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता उबैद नासिर ने बताया कि इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रबल पक्षधर थे। वह कहते थे कि अगर कोई फरिश्ता आकर हमसे यह कहे कि हिन्दू-मुस्लिम दोस्ती तोड़ दो, हम आपको आजादी दे देंगे, तो मैं उसे मना कर दूंगा क्योंकि हमे मालूम है कि हम एक साथ लड़कर इस देश को आजाद करा लेंगे और आजाद भी करा लिया। वह उस दौर में भी विज्ञान और नई-नई तकनीक के प्रबल पक्षधर थे। यही कारण है कि पंडित जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री के रूप में आईआईटी, आईआईएम,बड़े-बड़े विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई। प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षा तक बेहतर शिक्षा लड़के और लड़कियों को बराबरी के साथ मिल सके, यह उनका सपना था। राष्ट्र ऐसे महान नायकों का हमेशा ऋणी रहेगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से वीरेन्द्र मदान, बृजेन्द्र कुमार सिंह, दिनेश सिंह, प्रदीप सिंह, उबैद नासिर, रफत फातिमा, अरविन्द पटेल, अन्नू सोनी, अख्तर मलिक, बीडी सिंह, नावेद नकवी, चौधरी सलमान कादिर आदि तमाम कांग्रेसजन मौजूद रहे।

परीक्षा केंद्रों पर किसी भी स्तर पर लापरवाही मिली तो कड़ी कार्रवाई होगी

● उपमुख्यमंत्री ने लखनऊ व हरदोई के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा है कि सरकार सुखीमन शिक्षक, तनाव मुक्त विद्यार्थी, गुणवत्ता परक शिक्षा एवं नकलविहीन परीक्षा के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। जितना सोचा था उसे कहीं ज्यादा अच्छी तरीके से पारदर्शी, शुचितापूर्वक तरीके से नकल विहीन बोर्ड परीक्षा का संचालन हो रहा है। डॉ. शर्मा ने शनिवार को बोर्ड परीक्षा-2020 की ऑनलाइन मॉनीटरिंग के लिए बोर्ड के लखनऊ स्थित शिविर कार्यालय में स्थापित किए गए राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जिलों में चल रही परीक्षा की ऑनलाइन मानीटरिंग भी की। इसके अलावा उन्होंने लखनऊ और हरदोई के कई परीक्षा केंद्रों एवं जनपदीय कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण भी किया। उपमुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि किसी भी परीक्षा केंद्र पर किसी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विभिन्न स्थानों से संचालित होने वाली बोर्ड परीक्षा स्पेशल बसों के बारे में भी जानकारी हासिल की। उपमुख्यमंत्री ने सबसे पहले जनपद लखनऊ के कुंवर आसिफ अली इंटर कालेज, मलिहाबाद का औचक निरीक्षण किया। इसके उपरांत जनपद हरदोई के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज संडीला, जानकी प्रसाद इंटर कॉलेज कछौना, सदाशिव इंटर कॉलेज हरदोई, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज हरदोई तथा राजकीय इंटर कॉलेज हरदोई में बने जनपदीय कंट्रोलिंग सेंटर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने जानकी प्रसाद इंटर कॉलेज कछौना, हरदोई के चार कमरों में एक-एक कक्ष निरीक्षक की ड्यूटी लगे होने पर नाराजगी जताते हुए निर्देश दिया कि परीक्षा व्यवस्था से किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा बोर्ड परीक्षा के संबंध में जारी किए गए शासनादेश एवं निर्देशों का अक्षरश पालन कराया जाए। उन्होंने माध्यमिक शिक्षा निदेशालय शिविर कार्यालय में स्थापित राज्यस्तरीय कंट्रोल एवं मॉनिटरिंग सेंटर का भी औचक निरीक्षण किया और विभिन्न जिलों के परीक्षा केंद्रों पर फोन के माध्यम से बात की और बोर्ड परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने पाया कि परीक्षा केंद्रों पर परीक्षाएं नकल विहीन, सुचारू एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराई जा रही है। निरीक्षण के दौरान परीक्षार्थियों से प्रश्न पत्र के बारे में पूछा और उनका उत्साहवर्धन भी किया। उपमुख्यमंत्री ने इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिया कि समस्त संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर विशेष ध्यान रखा जाए। परीक्षा अवधि के दौरान परीक्षा केंद्रों का नियमित औचक निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण करते रहें। परीक्षा के दौरान किसी भी अवांछित गतिविधि करने वालों पर त्वरित कार्रवाई करें। उन्होंने निर्देश दिया कि परीक्षा कक्ष में किसी भी स्थिति में कक्ष निरीक्षकों की संख्या दो से कम ना हो।

उपमुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्रों पर लगे हुए कंट्रोल रूम के माध्यम से सीसीटीवी कैमरों, वॉइस रिकॉर्डर और कक्ष में तैनात कक्ष निरीक्षकों की गहन निगरानी की और कंट्रोल रूम के नोडल अधिकारियों को निर्देश दिया कि कंट्रोल रूम के माध्यम से सभी कमरों का नियमित निरीक्षण किया जाए। निरीक्षण में किसी प्रकार की लापरवाही न की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी परीक्षा कक्ष का सीसीटीवी कैमरा, राउटर, वॉइस रिकॉर्डर किसी भी स्थिति में बंद नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्यस्तरीय कंट्रोल सेंटर से प्रदेश के समस्त परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

कुछ लोग भ्रम फैलाकर सौहार्द धर्मनिरपेक्षता को नुकसान पहुंचा रहे

भाषा। नई दिल्ली

संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ शाहीन बाग में जारी विरोध प्रदर्शन को लेकर केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को कहा कि कुछ लोग भ्रम फैलाकर देश के सौहार्द, धर्मनिरपेक्षता और संविधान के ताने-बाने को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

भारतीय छात्र संसद के 10वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए नकवी ने कहा, हमारे संविधान में जहां संसद, विधानमंडल की शक्ति एवं विशेषाधिकार को अनुच्छेद 105 स्पष्ट करते हैं, वहीं इससे पहले अनुच्छेद 51 ए मूल कर्तव्यों का उल्लेख करते हैं। भारतीय संविधान ने मूल कर्तव्यों के प्रति भी जिम्मेदारी तय की है।

नकवी ने कहा, जिस तरह से मौलिक अधिकारों के सम्बन्ध में हम जागरूक रहते हैं उसी तरह से मूल कर्तव्यों के प्रति भी हमें जिम्मेदारी समझनी होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नागरिकों के मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्यों के निर्वहन पर आधारित हैं, क्योंकि अधिकार और कर्तव्य दोनों एक-दूसरे से अलग नहीं हो सकते। नागरिकों द्वारा राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

नकवी ने कहा कि जीवन, समानता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से संबंधित मौलिक अधिकारों को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है और जन प्रतिनिधियों सहित नागरिकों को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने कहा कि हिंदुस्तान धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक देश है और यह बहुसंख्यकों के संस्कार-सोच के संकल्प का नतीजा है एवं अनेकता में एकतौ के मजबूत ताने-बाने का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भ्रम फैलाकर देश के सौहार्द, धर्मनिरपेक्षता और संविधान के ताने-बाने को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं और सियासत की सेज सजाने की साजिश में लगे हैं।नकवी ने कहा कि हमारा संवैधानिक संघीय ढांचा सामाजिक सौहार्द और अनेकता में एकतौ की गारंटी है।

नाथू ला में भारी बर्फबारी के कारण सैलानियों को हुई परेशानी

गंगटोक। नाथू ला और आस पास के इलाकों में भारी बर्फबारी के कारण कई स्थानों पर जवाहर लाल नेहरू मार्ग जाम हो गया, जिसके कारण पर्यटन विभाग ने शनिवार से चांगू झील और पूर्वी सिक्किम में अन्य जगहों की यात्रा के लिए पर्यटन वाहनों को परमिट जारी नहीं किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। शेराथांग चौकी में एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार से जारी बर्फबारी के कारण इन पर्यटन स्थलों की यात्रा मुश्किल हो गई है क्योंकि सड़क संपर्क बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। अधिकारी ने कहा कि सड़क की खतरनाक स्थिति को देखते हुए पर्यटन विभाग ने नाथू ला को राज्य की राजधानी से जोड़ने वाली 52 किलोमीटर लंबी सड़क पर आवागमन के लिए शनिवार सुबह से पर्यटन वाहनों को परमिट जारी करने पर रोक लगा दी है। अधिकारी ने बताया कि बर्फ हटाने एवं संपर्क बहाल करने के लिए काम जारी है।उन्होंने बताया, सड़क खुलने तक त्सोमगो (चांगू) झील और बाबा मंदिर के लिए कोई परमिट जारी नहीं किया जाएगा। राज्य के इन दर्शनीय स्थलों के भ्रमण के लिए करीब 500 वाहन हर दिन 2,500 सैलानियों को लेकर सड़कों पर आवागमन करते हैं।

बिहार पर मोदी का बना हुआ है आशीर्वाद

- नड्डा ने बिहार भाजपा के कार्यकर्ता से कहा

भाषा। पटना

पटना में 11 जिलों में नवनिर्मित पार्टी कार्यालयों के उद्घाटन के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को माला से स्वागत करते कार्यकर्ता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शनिवार को बिहार के पार्टी कार्यकर्ताओं को यह संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया कि भाजपा ही विकास का पर्याय है और उन्होंने उनसे इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में सत्ता में राजग की वापसी के लिए काम करने का आह्वान किया।

नड्डा ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार में भाजपा के 11 नए जिला कार्यालयों का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से उनके पास उपलब्ध प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने और लोगों को यह समझाने का भी आह्वान किया कि बिहार पर नरेंद्र मोदी का आशीर्वाद बना हुआ है जिन्होंने राज्यों को अरबों की सहायता प्रदान की है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जमीनी स्तर पर उसे प्रभावी तरीके से अमलीजामा पहनाया है। नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को खत्म करने और तीन तलाक को दंडनीय बनाने जैसे मोदी सरकार के कदमों के बारे में भ्रांतियां दूर करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उन्हें लोगों को बताना चाहिए कि अनुच्छेद 370 पर निर्णायक कदम से पूर्ववर्ती राज्य जम्मू कश्मीर के लोगों के जीवन में खुशी आई जो कई अधिकारों से पहले वंचित थे।

उन्होंने कहा कि तीन तलाक पर कानून से उन महिलाओं को खुशी मिली जो तीन तलाक की प्रथा से परेशान थीं। चुनाव से पहले टिकटों को लेकर कथित असंतोष के विषय पर उन्होंने कहा, हमेशा याद रखिए कि राजनीति गंभीर पूर्णकालिक कार्य है जहां प्रवेश की गुंजाइश है लेकिन निकास नहीं है। व्यक्तिगत नफा-नुकसान की चिंता में मत बहिए। याद रखिए यदि पार्टी आगे बढ़ेगी तो लाभ सभी तक पहुंचेंगे।

महाराष्ट्र के अकोट शहर में पीजेपी नेता की गोली मारकर हत्या

भाषा। अकोला

- अस्पताल में इलाज के दौरान हुई मौत
- घटना स्थल से एक बंदूक व दो खाली कारतूस बरामद

महाराष्ट्र के अकोट जिले में दो अज्ञात हमलावरों ने प्रहार जनशक्ति पार्टी (पीजेपी) के एक स्थानीय नेता की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि पीजेपी के अकोला जिले के पूर्व प्रमुख तुषार पुंडकर को शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे गोली मारी गई। शनिवार तड़के अकोला के अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, पुंडकर शुक्रवार रात करीब 10 बजे अकोट के पुलिस कॉलोनी इलाके में टहल रहे थे, तभी मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने उन्हें पीछे से दो गोली मारी, जिसके बाद वह जमीन पर गिर गए। कुछ स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और पुंडकर को ग्रामीण अस्पताल ले गए। उन्होंने कहा, इसके बाद उन्हें अकोट शहर में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान शनिवार तड़के करीब तीन बजे उनकी मौत हो गई। अधिकारी ने कहा कि पुलिस को घटनास्थल से एक बंदूक और दो खाली कारतूस मिले हैं। पुंडकर के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अकोला सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। पीजेपी के संस्थापक, अध्यक्ष और अचलपुर से विधायक बच्चू काडु ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्वाई करने की मांग की। पुंडकर ने अक्टूबर 2019 में पीजेपी के टिकट पर अकोट सीट से महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

राहुल कांग्रेस के शीर्ष नेता, पार्टी का बड़ा वर्ग चाहता है कि वह फिर अध्यक्ष बनें: खुर्शीद

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने शनिवार को कहा है कि पार्टी में एक बड़ा धड़ा हमेशा महसूस करता है कि राहुल गांधी को पार्टी का अध्यक्ष बनना चाहिए। खुर्शीद ने कहा कि वह पार्टी के शीर्ष नेता हैं। खुर्शीद ने इसके साथ ही कहा कि राहुल को यह निर्णय अपने हिसाब से करने देना चाहिए। खुर्शीद ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस संक्रमणकालीन प्रक्रिया से गुजर रही है, लेकिन पार्टी में नेतृत्व का कोई संकट नहीं है क्योंकि सोनिया गांधी कमान संभाल रही हैं।

खुर्शीद का यह बयान महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि उनकी यह टिप्पणी कांग्रेस में नेतृत्व के मुद्दे पर कई नेताओं के आवाज बुलंद करने के बाद आई है। थरूर ने गुरुवार को कांग्रेस कार्य समिति से कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए नेतृत्व का चुनाव कराने का आग्रह किया था।

थरूर और अन्य नेताओं के दृष्टिकोण के बारे में पूछे जाने पर खुर्शीद ने कहा, हमने अतीत में चुनाव कराया था। हमारे पास ऐसे भी लोग हैं जो कहते हैं कि जरूरी नहीं कि चुनाव बेहतर विकल्प हों। दो तरह के विचार हैं। जब हम उस बिंदू पर पहुंचेंगे तब हम इस बारे में तय कर लेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे मसलों पर मीडिया में बातचीत करने से कांग्रेस को मदद नहीं मिलेगी। यह पूछने पर कि क्या राहुल गांधी पार्टी का नेतृत्व करने के लिए सबसे बेहतर उम्मीदवार हैं, खुर्शीद ने कहा, हम सबने ऐसा कहा है। अब यह पत्थर की लकीर है, यह स्पष्ट है। लेकिन अगर हम उन्हें अपना नेता स्वीकार करते हैं तो इसका निर्णय उन्हें अपने हिसाब से करने दें। हम उन पर अपना विचार क्यों थोपना चाहते हैं। यह पूछे जाने पर कि पिछले साल लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस में क्या यह विचार प्रभावी था कि उन्हें पार्टी का अध्यक्ष बनना चाहिए, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पार्टी के एक बड़े धड़े का ऐसा मानना है।

खुर्शीद ने कहा, लेकिन इसे बार बार दोहराना शर्मनाक है क्योंकि अगर आपको विश्वास है कि वह एक नेता हैं तो आपको कुछ निर्णय उन पर ही छोड़ने होंगे, समय मत थोपिए, निर्णय उन पर नहीं थोपना चाहिए, उन्हें निर्णय करने दीजिए। उन्होंने कहा, वह (राहुल) कहते हैं कि वह दूर नहीं जा रहे हैं और वह दूर नहीं गए हैं। वह यहीं हैं। खुर्शीद ने कहा कि गांधी पार्टी में शीर्ष नेता हैं। उन्होंने कहा, वह (गांधी) शीर्ष नेता है, कोई और शीर्ष नेता नहीं है। लेकिन कई और नेता हैं जिनका अपना महत्व है, वह उस प्रक्रिया में पूर्णता से योगदान देते हैं जो कांग्रेस पार्टी है। खुर्शीद ने कहा कि कांग्रेस का विरोध करने वाले दल लगातार किसी अन्य नेता के मुकाबले उन पर ज्यादा हमला कर रहे हैं और यह दर्शाता है कि वह शीर्ष नेता हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह मीडिया है जिसने इस बारे में बातचीत करना बंद नहीं किया है।

सुरेंद्रन ने केरल भाजपा अध्यक्ष की कमान संभाली

भाषा। तिरुवनंतपुरम

सबरीमला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश के विरूद्ध भाजपा और दक्षिणपंथी संगठनों के आंदोलन के दौरान सुर्खियों में आए तेजतर्रार नेता के. सुरेंद्रन ने शनिवार को केरल भाजपा के प्रमुख का पदभार संभाला। उन्होंने यहां मराजी भवन में केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन और भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एच राजा समेत सैंकड़ों वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में अपना पदभार ग्रहण किया।

पिछले सप्ताह भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सुरेंद्रन को पार्टी की केरल इकाई का प्रमुख नियुक्त किया था। इस नियुक्ति के साथ ही तीन महीने बाद प्रदेश भाजपा को अपना अध्यक्ष मिला है।

श्रीधरन पिल्लै को अक्टूबर, 2019 में मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त किए जाने के बाद से ही केरल भाजपा के अध्यक्ष का पद खाली था। सुबह यहां पहुंचने पर सुरेंद्रन का पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया और रोडशो कर उन्हें पार्टी मुख्यालय ले जाया गया। पदभार संभालने के बाद 50 वर्षीय सुरेंद्रन ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा में इस दक्षिणी राज्य में राजनीतिक तौर पर मजबूत होने की ताकत है और कांग्रेस नीत विपक्षी यूडीएफ के निष्क्रिय हो जाने की स्थिति में वह लोगों का आवाज बनेगी। सुरेंद्रन की नियुक्ति ऐसे समय की गई है जब केरल में इस साल स्थानीय निकाय और 2021 में विधानसभा चुनाव होने हैं। वह 2016 के विधानसभा चुनाव में मांजेश्वरम निर्वाचन क्षेत्र से महज 89 वोटों के अंतर से हार गए थे।

सरपंच का चुनाव करने को लेकर बजट सत्र में पेश होगा विधेयक

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार विधानसभा में बजट सत्र के दौरान एक विधेयक पेश करेगी जिसका मकसद सीधे तौर पर ग्रामीण सरपंच को चुने जाने के पूर्व में किए गए निर्णय को पलटना है। राज्यपाल बीएस कोश्यारी ने इस पर लाए गए अध्यादेश पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था और उद्धव ठाकरे नीत सरकार को बजट सत्र के दौरान इसके संबंध में एक विधेयक पेश करने को कहा था। बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू हो रहा है। इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए ग्रामीण विकास मंत्री हसन मुशरिफ ने कहा, इसके कारण हम बजट सत्र में विधेयक लाएंगे और इसे पारित कराएंगे। पूर्व की भाजपा-नीत देवेंद्र फडणवीस सरकार ने सरपंच के सीधे चुनाव करवाने का निर्णय किया था। फडणवीस मंत्रिमंडल ने तीन जुलाई,2017 को महाराष्ट्र ग्राम पंचायत अधिनियम, 1958 के संबंधित उपबंध को संशोधित करने का निर्णय लिया था ताकि गांव के लोग सीधे तौर पर सरपंच का चुनाव हो सके।

मंडी में अंतर्राष्ट्रीय महा शिवरात्रि उत्सव के जुलूस में भाग लेते मंडी जिले भक्त

तेदेपा कार्यकाल के दौरान कथित अनियमित्ताओं की जांच के लिए एसआईटी गठित

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार ने पूर्व तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के कार्यकाल में हुई कथित अनियमित्ताओं की विस्तृत जांच के लिए दस सदस्ईय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है जो विशेषतौर पर अमरावती राजधानी क्षेत्र के जमीन सौदों की जांच करेगा। सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव (राजनीतिक) प्रवीण प्रकाश की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि सीआरडीए क्षेत्र में जमीन सौदों समेत अन्य परियोजनाओं में प्रक्रियात्मक, कानूनी और वित्तीय अनियमित्ताओं को लेकर मंत्रिमंडल की एक उपसमिति की रिपोर्ट के आधार पर एसआईटी का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि एसआईटी का नेतृत्व पुलिस उपमहानिरीक्षक स्तर के अधिकारी करेंगे।

उत्तराखंड में मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलें हुई तेज

भाषा। देहरादून

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत की भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा के साथ हाल में हुई बैठक से राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलें तेज हो गई हैं। रावत ने नई दिल्ली में शुक्रवार को नड्डा से करीब 90 मिनट तक मुलाकात की थी जिसमें उन्होंने मंत्रिमंडल विस्तार समेत राज्य से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार काफी समय से लंबित है।

मुख्यमंत्री के करीबी सूत्रों ने बताया कि पार्टी नेतृत्व ने मंत्रिमंडल विस्तार की मंजूरी दे दी है जो इस महीने के अंत तक हो सकता है। उत्तराखंड में फिलहाल नौ मंत्री हैं। तीन पद रिक्त हैं। राज्य मंत्रिमंडल में मंत्रियों की अधिकतम संख्या 12 तक हो सकती है। भाजपा जब 2017 में राज्य में सत्ता में आई थी तो मुख्यमंत्री समेत 10 सदस्ईय मंत्रिमंडल ने शपथ ली थी। शुरुआत से ही दो मंत्री पद रिक्त रहे जबकि एक अन्य पद कैबिनेट मंत्री प्रकाश पंत के निधन के बाद पिछले साल खाली हो गया था। मंत्रिमंडल विस्तार के बारे में अटकलें सबसे पहले जून 2019 में शुरू हुई थीं जब पंत का कैंसर के कारण निधन हो गया था। हालांकि अटकलों पर जल्द ही विराम लग गया जब राज्य के शहरी विकास मंत्री मदन कौशिक को वित्त तथा विधाई कामकाज विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया जो पंत के पास था। सूत्रों ने बताया कि सभी तीनों पद इस बार भर सकते हैं। कुछ

जम्मू-कश्मीर के लिए बहुत जल्द निवास संबंधी कानून लाया जाएगा

जम्मू। केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर से विशेष दर्जा वापस लिए जाने के बाद स्थानीय निवासियों की चिंताओं को दूर करने के लिए शनिवार को केंद्र शासित प्रदेश के लोगों को आश्वासन दिया कि बहुत जल्द निवास संबंधी कानून लाया जाएगा, जिसके बाद भूमि अधिनियम पेश किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को वादे से अधिक नौकरियां दी जाएंगी।प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री सिंह ने कहा, बहुत जल्द निवास संबंधी कानून लाया जाएगा, जिसके बाद भूमि अधिनियम लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में विभिन्न वर्ग अधिवास कानून बनाने की मांग कर रहे हैं ताकि केंद्र द्वारा अनुच्छेद 370 के निरस्त किए जाने के बाद राज्य का विशेष दर्जा वापस लेने से भूस्वामियों और बेरोजगार युवाओं के हितों की रक्षा हो सके।

राजस्थान : 90 लाख रुपए मूल्य की अवैध अफीम और डोडा पोस्त बरामद

भाषा। जयपुर

राजस्थान के चुरू जिले में पुलिस ने अवैध रूप से ले जाया जा रहा 980 किलो डोडा पोस्त और एक किलो अफीम बरामद की है। इस बारे में दो कथित तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। भानीपुरा थाने के थाना प्रभारी मलकीयत सिंह ने बताया, मुखबिर की सूचना पर पुलिस के गश्त दल ने शुक्रवार रात को सरदारशहर की ओर से आ रहे एक ट्रक को रोका। ट्रक की तलाशी में 980 किलो डोडा पोस्त और एक किलो अफीम बरामद की गई। यह ट्रक पंजाब के तरनतारन जा रहा था। मादकपदार्थों की बाजार में कीमत 90 लाख रुपए बताई जा रही है। आरोपियों की पहचान मेहर सिंह और गुरविंदर सिंह के रूप में की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पूर्व तृणमूल सांसद कृष्णा बोस का निधन

कोलकाता। शिक्षक से राजनीतिज्ञ बनीं कृष्णा बोस का शनिवार सुबह निधन हो गया। वह 89 वर्ष की थीं और आयु संबंधी बीमारियों से ग्रस्त थीं। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि जादवपुर निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व तृणमूल कांग्रेस सांसद बोस कुछ समय से बीमार चल रही थीं। उनके बेटे सुमंत्रा बोस ने बताया, वह आयु संबंधी बीमारियों से ग्रस्त थीं। कुछ दिनों पहले उन्हें दूसरा स्ट्रोक आया था और वह आईसीयू में भर्ती थीं। कृष्णा बोस की शादी सुभाष चंद्र बोस के भतीजे शिशिर बोस से हुई थी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ट्वीट किया कि मैंने बहुत ही सम्माननीय और प्रिय कृष्णा बोस को खो दिया। उनके निधन की खबर सुनकर दुखी और सदमे में हूं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी शिशिर बोस की पत्नी पूर्व टीएमसी सांसद कृष्णा समाज सुधारक, मशहूर कवि और साहसी शिक्षाविद भी थीं। कृष्णा बोस सबसे पहले वर्ष 1996 में कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा सांसद चुनी गईं और उसके बाद 1998 और 1999 में वह तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार के तौर भी जीतकर लोकसभा पहुंचीं।

गुजरात में वाहन में शराब की बोतलें लेकर चलने के आरोप में दो व्यक्ति गिरफ्तार

वापी (गुजरात)। गुजरात में एक ओबी वैन में कथित तौर पर शराब की बोतलें रखकर लाने के आरोप में दमन से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वैन के चालक विनायक गोरीवले और उसके सहयोगी जगदीश राठौड़ को वापी के पास शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। वापी नगर थाना के एक अधिकारी ने बताया कि 3,900 रुपए कीमत की व्हिस्की और बीयर की नौ बोतलें जब्त की गई हैं।

गुजरात में जो हुआ, उसे याद रखें भाजपा पार्षद ने पठान से कहा

भाषा। नागपुर

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता वारिस पठान की 15 करोड़ मुस्लिम 100 करोड़ पर भारी पड़ेंगे वाली टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए महाराष्ट्र के भाजपा विधान पार्षद गिरिश व्यास ने कहा कि गुजरात में जो कुछ हुआ उसे उन्हें नहीं भूलना चाहिए। व्यास विधान पार्षद होने के साथ-साथ भाजपा के प्रवक्ता भी हैं। उन्होंने मुस्लिम समुदाय से पठान जैसे लोगों का बहिष्कार करने और उन्हें सबक सिखाने की अपील की है। व्यास ने टीवी9 समाचार चैनल के साथ शुक्रवार को बात करते हुए कहा, इस देश के युवा, देशभक्त और भाजपा का प्रत्एक युवा वारिस पठान को उसी भाषा में जवाब दे सकता है जैसा उन्होंने इस्तेमाल किया है।

उन्होंने कहा, हम बहुत सहिष्णु और धैर्यवान हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम इससे निपट नहीं सकते हैं। क्या गुजरात के कालुपुर में जो हुआ था, वह याद है। अगर उसे याद रखें...तो मेरा विश्वास है कि मुस्लिम आज उठने की कोशिश का साहस नहीं करेंगे। व्यास गुजरात में गोधरा के बाद वाले 2002 के दंगे का हवाला दे रहे थे। इस दंगे में 1,000 से ज्यादा लोग मारे गए थे जिनमें से ज्यादातर अल्पसंख्यक समुदाय से थे। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को पठान के खिलाफ राजद्रोह की कार्वाई करनी चाहिए और भारत सरकार को उसे पाकिस्तान भेज देना चाहिए। नागपुर के रहनेवाले व्यास ने पठान को इस शहर आने की चुनौती दी।उन्होंने कहा, हम आपके लिए सही व्यवस्था करेंगे कि क्या आप यह समझते हैं कि हमने चूड़ियां पहन रखी हैं? हम आप से निपटने के लिए तैयार हैं, लेकिन हम यह चाहते हैं कि समाज में आपसी भाईचारा बना रहे। उत्तरी कर्नाटक में 16 फरवरी को कलबुर्गी में संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ एक रैली को संबोधित करते हुए पठान ने कहा था, हमें साथ आना होगा। हमें आजादी लेनी होगी। जो चीजें मांगकर नहीं मिलती हैं, उनसे जबरन लेना होगा, याद रखें, भले ही हम 15 करोड़ हैं लेकिन 100 करोड़ पर भारी हैं।

सुप्रिया सुले के भाषण के दौरान आमने-सामने हुआ राकांपा धड़ा

औरंगाबाद (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले के पैठण शहर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करतीं राकांपा सांसद सुप्रिया सुले के भाषण के दौरान पार्टी के दो प्रतिद्वंद्वी नेताओं के समर्थकों ने एक दूसरे के खिलाफ नारे लगाए। बारामती से सांसद सुले शुक्रवार को जब पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रही थीं तभी पार्टी नेता दत्ता गोर्डे के समर्थक और पूर्व विधायक भाऊसाहब वागचुरे के समर्थक आमने-सामने हो गए। गोर्डे 2019 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं।

विरोधी धड़ों ने एक दूसरे के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी, जिससे सुले का भाषण प्रभावित हुआ। सुले ने फिर दखल दिया और दोनों समूहों के कार्यकर्ताओं को शांत किया।

नारेबाजी खत्म होने पर सुले ने अपना भाषण जारी रखा और पार्टी कार्यकर्ताओं के इस व्यवहार के लिए उन्हें फटकार लगाई। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, राकांपा प्रमुख शरद पवार ने पार्टी को खड़ा करने के लिए अथक प्रयास किए हैं...। अगर पार्टी कार्यकर्ताओं ने फिर से ऐसा बर्ताव किया तो उन्हें मेरा सामना करना होगा।

धर्मनगर में असम राइफल्स द्वारा स्वास्थ्य जांच और जागरूक लोगों के लिए आयोजित स्वास्थ्य शिविर में लोगों को दवाएं बांटते हुए

सौहार्द बिगाड़ने वाले बयान को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा देश

● माधव कुंज स्थित वीर सावरकर पार्क में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में हुए शामिल

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को प्रयागराज में कहा कि सौहार्द बिगाड़ने वाले बयानों को हमारा देश किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा।

मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने एआईआईएम नेता वारिश पठान के बयानों की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि सौहार्द बिगाड़ने वाले ऐसे बयान को देश कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा ऐसे लोगों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दो दिवसीय प्रयागराज दौरे पर शनिवार को पहुंचे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद

मौर्य का पुलिस लाइन हेलीपैड पर क्षेत्र अध्यक्ष महेश चन्द्र श्रीवास्तव, महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी, गंगापार अध्यक्ष अश्वनी दुबे, जमुनापार अध्यक्ष डा. विभव नाथ भारती की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत एवं अभिनन्दन किया। कार्यकर्ताओं के हुजूम ने पूरे जोश से भारत माता की जय, जय श्री राम का उद्घोष करते हुए फूलों की माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। सरकिट हाउस पहुंचने के बाद भी उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने जनता एवं कार्यकर्ताओं की समस्या को सुना और प्रार्थना पत्र लेकर निराकरण के निर्देश दिए। लोगों की समस्याएं सुनने के बाद डिप्टी सीएम कटरा माधव कुंज स्थित वीर सावरकर पार्क में जीव जन सेवा समिति के तत्वावधान में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए। वहां उन्होंने व्यास गद्दी पर विराजमान कथावाचक राजन दीक्षित महाराज का माल्यार्पण कर स्वागत किया। आचार्य ने आशीर्वाद स्वरूप डिप्टी सीएम को अंगवस्त्र भेंट किया। इसके बाद महावीर भवन स्वर्गीय अशोक सिंघल के आवास पहुंचकर विद्यार्थियों से भेंट किया और संध्या आरती भी की। इस अवसर पर अवधेश गुप्ता, विधायक हर्षवर्धन बाजपाई, विधायक विक्रमाजीत मौर्य, पूर्व विधायक दीपक पटेल, पूर्व विधायक गुरु प्रसाद मौर्या, गिरिजेश मिश्रा, गिरि बाबा, बृजेश मिश्रा, देवेश सिंह, कुंज बिहारी मिश्रा, रवि केसरवानी, रमेश, मीडिया प्रभारी पवन श्रीवास्तव, सुरेंद्र चौधरी, सुबोध सिंह, संजय गुप्ता, आनंद श्रीवास्तव, श्यामचंद, अरुण अग्रवाल आदि रहे।

विभिन्न परियोजनाओं को शीघ्र पूरा किया जाए: डिप्टी सीएम

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सर्किट हाउस सभागार में लोक निर्माण विभाग व सेतु निगम द्वारा चलाई जा रही विभिन्न परियोजनाओं के कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बनारस में युद्ध स्तर पर कार्य करके सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं को शीघ्रातिशीघ पूरा किया जाए। सर्किट हाउस में मीडिया से मुखातिब उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ओवैसी की पार्टी के नेता वारिस पठान देशद्रोह की भाषा बोल रहे। उनका बयान देश को गृहयुद्ध में झोंकने वाला है। ऐसे नेताओं के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। गौरतलब है कि ओवैसी की पार्टी एआइएमआइएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने 15 फरवरी को एक सभा में भड़काऊ भाषण दिया था। इस बयान को लेकर वारिस पठान की चौतरफा निंदा हो रही है। मीडिया से बातचीत में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वारिस पठान जैसे लोगों की ऐसी भाषा देश स्वीकार नहीं कर सकता। सार्वजनिक सभाओं में इस तरह की बयानबाजी से इनकी मानसिकता उजागर होती है। योगी के विधानसभा में भाषण के अंदाज व अन्य मसलों पर घेरने के मसले पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विरोधी दल हताश-निराश हैं, इसलिए सरकार के हर फैसले का विरोध कर रहे हैं और मुख्यमंत्री पर टिप्पणी कर रहे। विरोधियों को समाज में कहीं स्थान नहीं मिल रहा। सरकार की नीतियों के चलते अखिलेश यादव का 2022 का सपना भी रोज चूर होता है। विकास कार्यों के बारे में अधिकारियों से उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यों मे मानकों और गुणवत्ता के साथ किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा तथा सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरे किए जाएं।

'देश-प्रदेश की गरीबी दूर करने में मदद करेगा सोनभद्र में मिला सोना'

संवाददाता। सोनभद्र

सोनभद्र जिले के विधान सभा घोरावल क्षेत्र के सरदार बल्लभ भाई पटेल इण्टर मीडिएट कालेज भगवास-औराही के मैदान में प्रदेश के उप मुख्य मंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जिले की 55 परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करने के पश्चात मौजूद जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि सोनभद्र में इतना सोने का भण्डार मिला है कि सोनभद्र जिले के साथ ही उत्तर प्रदेश व देश की गरीबी को दूर करने में मदद करेगा। सोनभद्र जिले की सार्थकता प्राकृतिक सम्पदाओं के दृष्टिगत बढ़ती जा रही है। उन्होंने जनसभा में उमड़ी भीड़ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सोनभद्र जिले का जिला मुख्यालय राबर्ट्सगंज सोनभद्र के नाम से जाने जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोनभद्र जिले में सोना के अलावा यूरेनियम का भी भण्डार मिलने की संभावना है। ललितपुर में प्लेटिनम भी मिला है। सोनभद्र जिला जहां स्वर्ण का भण्डार है, वहां विशेष रूप से नाग देवता भी रहते हैं। नाग देवता हमारे भोले बाबा के गले के हार हैं। उन्होंने केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि देश में मोदी सरकार व उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने गरीबों की गरीबी दूर करने के लिए गरीबी के खिलाफअपना पूरा खजाना खोल रखा है। पहले लोग एक हैण्डपम्प के लिए परेशान होते थे, अब हर घर को जल देने की योजना चल रही है। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री गरीबों को आवास दे रहे हैं।

आनलाइन ठगी करने वाले तीन जालसाज गिरफ्तार

संवाददाता। चंदौली

लोगों के खाते से आनलाइन ठगी करके रुपये निकालने गिरोह के तीन सदस्य शनिवार को पुलिस के हत्थे चढ़े। क्राइम ब्रांच व मुगलसराय कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने दुलहीपुर स्थित एफसीआई गोदाम मोड़ के पास कार सवार अंतरराज्यीय तीनों ठगों को दबोच लिया। गाड़ी में तलाशी के दौरान पुलिस को 97 एटीएम कार्ड व 853 सिम कार्ड के अलावा 22 मोबाइल फोन व तीन असलहे भी बरामद हुए। उक्त मामले का एसपी हेमंत कुटियाल ने पुलिस लाइन कार्यालय में खुलासा किया और टीम को 25 हजार रुपये नकद देने का घोषणा की।

एसपी हेमंत कुटियाल ने बताया कि लगातार आनलाइन ठगी व फोन से ओटीपी प्राप्त कर खाते से रुपये निकालने की शिकायतें पुलिस को मिल रही थीए जिसे संज्ञान में लेते हुए आनलाइन ठगी करने वाले गिरोह की धर.पकड़ के लिए टीम लगाई गयी थी। मामले की तफ्तीश में लगीए इसी बीच सर्विलांस व साइबर सेल से प्राप्त

● मुगलसराय कोतवाली व क्राइम ब्रांच की टीम ने पकड़ा

इलेक्ट्रानिक सूचना व जानकारी के आधार पर क्राइम ब्रांच व मुगलसराय कोतवाली की टीम ने दुलहीपुर स्थित एफसीआई मोड़ दुलहीपुर के पास घेरेबंदी कर इग्निस कार सवार तीन लोगों को पकड़ा। पुलिस ने जब अभियुक्तों से कड़ाई से पूछताछ की तो बताया कि सभी लोग एक टीम के रूप में आपसी समन्वय बनाकर काम करते थे। पहला व्यक्ति लोगों के उन मोबाइल नंबर से केवाईसी व एटीएम बंद होने व लाटरी लगने की बात कहकर ओपीटी प्राप्त करता थाए जो उनके बैंक खाते से जुड़े होते थे। इसके बाद दूसरा व्यक्ति उस ओटीपी के सहारे खाते से पैसा निकालकर उसे पेटीएम व अन्य वालेट में डाल देता था।

इसके बाद तीसरा जालसाज विभिन्न बैंकों के एटीएम के जरिए पैसे निकाल लेता था। तलाशी के दौरान 97 एटीएम कार्डए 853 सिम कार्डए 22 मोबाइल फोनए एक लैपटापए 37 हजार नकदीए तीन तमंचाए एक कार बरामद हुआ। एसपी ने मामले का खुलासा करने वाली टीम को 25 हजार रुपये नकद देने की घोषणा की है।

सड़क दुर्घटना में एएनएम समेत दो की मौत, परिजनों में कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। अलग अलग दुर्घटना मे एएनएम समेत दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गयी। शनिवार की सुबह कोतवाली के रायपुर तियाई चौराहे के समीप पिकप व डीसीएम ट्रक की आमने सामने टक्कर मे युवक की मौत हो गई। जबकि दुर्घटना मे दो अन्य घायलो को गंभीर दशा मे जिला अस्पताल रेफर किया गया। शनिवार की सुबह करीब सात बजे नेशनल हाइवे लखनऊ वाराणसी पर लालगंज की तरफ से पिकट रायबरेली जा रही थी। तभी एक डीसीएम रायबरेली की ओर से आ रही थी। अचानक दोनो वाहन आपस मे भिड़ गये। इसके चलते दुर्घटना मे संग्रामगढ़ थाना के सराय निर्भय निवासी कल्लूराम के पुत्र पिकप चालक संतोष 35 की दुर्घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। जबकि खलासी मनोज 32 गंभीर रूप से चुटहिल हो गया। वहीं डीसीएम चालक वाराणसी जिले के परमानंदपुर रोहनिया निवासी सोमारू पटेल के पुत्र जयसल पटेल 24 को भी गंभीर चोटें आयी है। गंभीर रूप से घायल मनोज तथा जयसल को पुलिस स्थानीय सीएचसी ले आयी। यहां प्रारंभिक उपचार के बाद चुटहिलो को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जबकि पुलिस ने मृतक संतोष के शव को कब्जे मे लेकर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। इधर लालगंज कोतवाली के पूरे बीरबल ढ़िगवस निवासी ऊषा सरोज 30 पत्नी शिवदर्शन सरोज सांगीपुर सीएचसी मे एएनएम के पद पर कार्यरत थी। शनिवार की सुबह करीब नौ बजे वह अपने पति के साथ बाइक से सीएचसी जा रही थी। भगौतीगंज के बिहारीगंज के समीप डेरवा की ओर से गिटटी से लदी ओवरलोड ट्रक की चपेट मे अचानक बाइक आ गयी। ट्रक के नीचे आ जाने से एएनएम की दर्दनाक मौत हो गई। दुर्घटना मे मृतका का पति शिवदर्शन भी चुटहिल हो गया।

साल्व पेपर आउट करने वाला तीसरा आरोपी चढ़ा हत्थे

● गिरफ्तार तीनों आरोपितों को भेजा गया जेल

● डीआईओएस की तहरीर पर दर्ज हुई एफआईआर

मऊ। यूपी बोर्ड की इण्टरमीडिएट भौतिक विज्ञान का साल्व पेपर वाट्सअप पर वायरल करने के मामले में फरार चल रहे तीसरे आरोपित को भी पुलिस टीम ने दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तीनों आरोपितों को जेल भेज दिया गया। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर दर्ज मुकदमे के बाद साल्व पेपर वाट्सअप वायरल करने वालों के खिलाफहुई सख्त कार्रवाई से शिक्षा माफियाओं में पूरे दिन अफरा-तफरी मचा गया। उधर जिलाधिकारी ने सख्ती के साथ चेताया है कि नकल को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बताते चलें कि यूपी बोर्ड परीक्षा को लेकर जिले में 135 केन्द्र बनाए गए हैं। इस दौरान गुरुवार की दोपहर लगभग 12 बजे इण्टरमीडिएट दूसरी पाली की भौतिक विज्ञान के होने वाले प्रश्न पत्र का साल्व पेपर वाट्सअप ग्रुप पर वायरल हो गया था। इण्टरमीडिएट भौतिक विज्ञान का प्रश्न पत्र वाट्सअप ग्रुप पर वायरल होते ही सनसनी फैल गया था। वाट्सअप ग्रुप पर इण्टरमीडिएट भौतिक विज्ञान का साल्व पेपर आउट होने के मामले को जिलाधिकारी ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी ने गंभीरता से लेते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने थाना सरायलखंसी में साल्व पेपर आउट करने वाले तीन आरोपितों प्रिंस कुमार जैसवारा निवासी डेराघाट घोसी व प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय भटौली, ओमप्रकाश यादव निवासी चॉदमारी इमिलिया सरायलखंसी व सहायक अध्यापक प्राथमिक विद्यालय भटमीला तथा तेज बहादुर यादव निवासी उस्मानपुर सरायलखंसी के खिलाफथाने में तहरीर दिया था।

तहरीर के आधार पर धारा 409,420,120 बी भादवि, 66 डी आईटी एक्ट व 10 यूपी सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मुकदमा दर्ज करने के बाद दो आरोपित शिक्षकों प्राथमिक ओंमकार यादव, प्रिंस कुमार को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। जबकि तीसरा आरोपित तेज बहादुर यादव निवासी उस्मानपुर सरायलखंसी फरार चल रहा था। फरार तीसरे आरोपित तेज बहादुर यादव निवासी उस्मानपुर सरायलखंसी को शनिवार को पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया। उधर जिलाधिकारी ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी व जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने सख्ती के साथ चेताया है।

सीएम का अयोध्या में दौरा आज, न्यास अध्यक्ष से मिल मंदिर भूमि पूजन को देंगे मूर्त रूप

संवाददाता। अयोध्या

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रविवार को 10:35 पर अयोध्या हवाई अड्डे पर उतरेंगे उसके बाद सीएससी पीएससी का करेंगे निरीक्षण, इसके बाद राम जन्मभूमि न्यास अध्यक्ष से मुलाकात करेंगे इसके बाद फटिकशिला में चल रहे श्री सीताराम नाम जप संकीर्तन महायज्ञ में शामिल होंगे, सुग्रीव किला के संस्थापक जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य के प्रतिमा व गरुण स्तंभ का करेंगे अनावरण इसके उपरांत दर्शन नगर में चल रहे आरोग्य मेले में शामिल होंगे। मेडिकल कॉलेज और श्रीराम अस्पताल का भी कर सकते हैं निरीक्षण 2:35 पर लखनऊ के लिए हो जाएंगे रवाना। महंत शुकदेव दास महाराज ने बताया कि जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री 12 बजे आश्रम में आएंगे 30 मिनट तक आश्रम में रहेंगे। श्री महाराज ने बताया कि यह प्रभु श्री राम के नाम संकीर्तन का प्रभाव और हमारे गुरु

● फटिकशिला आश्रम में चल रहे सीताराम नाम संकीर्तन 12 पहुंचेंगे मुख्यमंत्री, 12:30 पर सुग्रीव किला में स्वामी पुरुषोत्तमचार्य जी महाराज की प्रतिमा व गरुड़ स्तंभ का करेंगे अनावरण, जिले में चल रहे आरोग्य मेले में भी होंगे शामिल

महाराज तपस्वी नारायण दास बगही बाबा का आशीर्वाद है कि उनके 103 में जन्मोत्सव और राम जन्मभूमि आंदोलन के लिए लिए गए संकल्प श्री सीताराम नाम जप संकीर्तन के पावन कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री

संत योगी आदित्यनाथ अपने अमूल्य समय में से 30 मिनट का समय भगवान श्री सीताराम नाम संकीर्तन कर रहे लोगों को देंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री अयोध्या में करीब 4 घंटे रहेंगे। श्री सीताराम नाम जप महायज्ञ के संयोजक श्री महाराज जी ने बताया कि श्री सीताराम नाम जप संकीर्तन में अब देश ही नहीं विदेश से लोग शामिल होने के लिए आ रहे है।यज्ञ प्रारंभ के दिन से ही नेपाल के लोग यहां आ रहे है नाम जप कर रहे है और जा रहे है। 24 तारीख को हालैंड से 25 लोगों का दल श्री सीताराम नाम संकीर्तन में शामिल होगा। इसके साथ बिहार, झारखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू, महाराष्ट्र कानपुर, बिंद्राबन सहित पूरे देश के कोने कोने से लगभग 15000 श्रद्धालु प्रतिदिन आश्रम में रहकर के नित्य क्रिया और कथा श्रवण के बाद पूरे समय प्रभु श्री राम के नाम जप का संकीर्तन करते है और मां सरयू के तट पर ऐसे में अनंत करोड़ों बार प्रभु श्री राम के श्री सीताराम नाम जब का संकीर्तन हो रहा है। ऐसे में हम यह कह सकते हैं कि प्रभु राम की इच्छा थी कि हमारा मंदिर तब बने जब अयोध्या सहित पूरे देश के लोगों के रोम रोम से श्री राम नाम संकीर्तन का प्रवाह हो। इस महायज्ञ के बाद मैं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष से मिलकर और सभी ट्रस्टी गणों को एक पत्र लिखूंगा की प्रभु श्री राम के मंदिर के पास अनवरत भव्यता के साथ श्री सीताराम नाम संकीर्तन हो। फटिकशिला के बाद मुख्यमंत्री 12:30 बजे सुग्रीव किला के संस्थापक जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज के प्रतिमा का अनावरण करेंगे और संत सम्मेलन में भाग लेंगे। सुग्रीव किला के महंत जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी विश्वेश प्रपन्नाचार्य ने बताया की मुख्यमंत्री लगभग एक घंटा सुग्रीव किला में रहेंगे जिसमें सबसे पहले श्री पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज के प्रतिमा का व गरुण स्तंभ का अनावरण करेंगे उसके उपरांत संत सम्मेलन में भाग लेंगे।सुग्रीव किला के संस्थापक श्री महाराज जी के प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर 11 दिवसीय बैकुंठोत्सव महोत्सव का आयोजन मंदिर में चल रहा है जो 25 फरवरी को पूरा होगा।

बोर्ड परीक्षा में लापरवाही बरतने पर दो स्टेटिक मजिस्ट्रेट निलंबित

फर्रुखाबाद। बोर्ड परीक्षा के दौरान अनुपस्थित मिलने वाले स्टेटिक मजिस्ट्रेट के खिलाफ जिलाधिकारी की नाराजगी पर दोनों को निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार 20 फरवरी को इंटरमीडिएट की द्वितीय पाली की परीक्षा का जिलाधिकारी मानवेंद्र सिंह जायजा लेने निकले। निरीक्षण के दौरान मोहम्मदाबाद स्थित चौधरी गजराज सिंह इंटर कालेज टिलियां व भारतीय विद्यालय इंटर कालेज महेशनगर में निरीक्षण के दौरान बोर्ड परीक्षा ड्यूटी में लगाये गये स्टेटिक मजिस्ट्रेट वीरपाल अवर अभियंता लोनिवि प्रांतीय खंड व जल निगम अवर अभियंता अबध बिहारी पाठक अनुपस्थित मिले थे। बोर्ड परीक्षा में ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतने वाले दोनों स्टेटिक मजिस्ट्रेटों के अनुपस्थित मिलने पर डीएम ने नाराजगी जाहिर की। जिसके चलते शुक्रवार को दोनों को निलंबित कर दिया गया।

डीसीएम ने दो साइकिल सवारों को रौंदा, मौत

● ग्रामीणों ने बैलगाड़ी लगाकर जाम किया रास्ता

● एसडीएम व सीओ ने खुलवाया जाम

मैगलगंज-खीरी। मैगलगंज थाना क्षेत्र के गांव माखनलाल चौराहे के निकट अनियंत्रित डीसीएम ने साइकिल सवारों को रौंद दिया। दोनों साइकिल सवारों की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। आक्रोषित ग्रामीणों ने घंटों तक रोड पर जमा लगाया। उप जिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी मितौली के द्वारा समझाने के बाद 2 घंटे बाद खुला जाम।

जानकारी के अनुसार मइलू उर्फ रामराखन निवासी गांव ओसरी अपने साढू छोटे लाल पुत्र उमराय ढकियारूप निवासी थाना मैंगलगंज को चारा काटने वाली मशीन खरीदवाने ओसरी से अमरोलिया गांव जा रहे थे। तभी माखन लाल चौराहे के निकट साइकिल सवारों को लखीमपुर से आ रही अनियंत्रित डीसीएम ने रौंद डाला। जिसके चलते दोनों की घटना स्थल पर दर्दनाक मौत हो गयी। सूचना मिलने पर औरंगाबाद पुलिस ने डीसीएम को पकड़ लिया। आक्रोषित ग्रामीणों ने बैलगाड़ी रास्ते में खड़ी कर मैंगलगंज लखीमपुर मार्ग को बंद कर दिया। मैगलगंज थाना प्रभारी चंद्रकांत सिंह ने मौके पर पहुंचकर जाम खुलवाने का भरसक प्रयास किया लेकिन ग्रामीण नहीं मानें। एक घंटे बाद उपजिलाधिकारी मितौली दिग्विजय सिंह एवं क्षेत्राधिकारी मितौली शितांशु कुमार भी घटना स्थल पर पंहुंचे।

पेज एक का शेष

मेलेनिया देखेंगी...

के सरकारी स्कूलों में नर्सरी से आठवीं तक के छात्रों के लिए हैप्पीनेस क्लास की शुरुआत की थी। इसका मकसद बच्चों के मानसिक तनाव को दूर कर हंसते-खेलते शिक्षित करना है। सरकार इस मकसद में काफी हद तक कामयाब भी रही। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, हैप्पीनेस क्लास से बच्चों के व्यवहार में बहुत ही सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर ने भी ट्वीट कर मोदी सरकार पर निशाना साधा। थरूर ने लिखा कि इस तरह की छोटी राजनीति की लोगों को चुनकर न्योता दिया जाए, मोदी सरकार ही र रही है। यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं। राष्ट्रपति भवन के भोज, प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम में विपक्ष को आमंत्रित नहीं करना भले छोटी बात लगती हो लेकिन इससे भारत की छवि कमजोर होती है। आप और कांग्रेसी नेताओं के आरोपों का जवाब देते भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने नसीहत दी कि जरूरी मौकों पर ऐसी राजनीति नहीं करनी चाहिए। भारत सरकार ने अमेरिका को ऐसी कोई सलाह नहीं दी है कि किसे बुलाना है और किसे नहीं। हम (केंद्र व भाजपा) इस तू-तू, मैं-मैं में नहीं पड़ना चाहते। मेलेनिया ट्रंप 25 फरवरी को दक्षिणी दिल्ली के सरकारी स्कूल में हैप्पीनेस क्लास देखने जाएंगी। वह करीब 12 बजे स्कूल का दौरा करेंगी और एक घंटा वहां बिताएंगी। इस दौरान वह बच्चों से मिलेंगी भी। जिस समय ट्रंप और पीएम मोदी के बीच मुलाकात चल रही होगी, उस समय मिलेनिया स्कूल के दौरे पर होंगी। इस बीच, एमसीडी के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिस सरकारी स्कूल का मेलेनिया ट्रंप दौरा करने वाली हैं-उस ओर जा रही सड़कों-फुटपाथों की मरम्मत कर उन्हें चमका दिया गया है। उनके स्वागत में दोनों ओर खूबसूरत पौधे लगाए गए हैं। इलाके की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। स्कूल के आस पास से कूड़े दानों और कचरा आदि पूरी तरह हटा दिए गए हैं। अमेरिकी की किसी प्रथम महिला द्वारा दिल्ली में स्कूली छात्रों से मुलाकात करने का यह पहला मौका होगा। डोनाल्ड ट्रंप से पहले 2010 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा भारत आए थे तब उनकी पत्नी मिशेल ओबामा ने मुंबई में बच्चों से भेंट की थी।

ताजमहल के ...

से भी इनकार किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति और उनका परिवार भारत की ऐतिहासिक धरोहर (ताजमहल) देखने के लिए आगरा जा रहा है। उन्हें अपनी सुविधा के अनुसार ताज देखने का मौका मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए ही इस दौरान कोई आधिकारिक कार्यक्रम नहीं रखा गया है। ऐसे में भारत के वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति का सवाल ही नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को अहमदाबाद में होंगे जहां राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप का भव्य स्वागत होगा। अहमदाबाद से आगरा होकर ट्रंप जब दिल्ली पहुंचेंगे तब उनके साथ मोदी मौजूद रहेंगे। दिल्ली में 25 फरवरी को दोनों नेताओं के बीच आधिकारिक वार्ता होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति 24 फरवरी की दोपहर में अहमदाबाद पहुंचेंगे। उनके साथ अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, बेटी इवांका ट्रंप और दामाद जेरेड कुशनर के अलावा शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों समेत उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल होगा। अहमदाबाद में भव्य स्वागत समारोह और नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ताजमहल के दीदार के लिए सोमवार की दोपहर आगरा खाना होंगे और अपने भारत दौरे के अंतिम चरण में वह राष्ट्रीय राजधानी पहुंचेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ...

का हिस्सा हो गया और आज भी आने वाले अतिथियों के बीच लोकप्रिय है। ओबामा थाली में तंदूरी झींगा, मछली टिक्का, मुर्ग बोटी बुखारा और कबाब शामिल हैं। बिल क्लिंटन ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपनी भारत यात्रा के दौरान बुखारा के खानों का लुत्फ लिया था। उस समय भी क्लिंटन थाली परोसी गई थी। बुखारा के व्यंजनों में ज्यादातर पकवान तंदूर में पकाए जाते हैं। इनमें कई तरह के कबाब, यहां की पहचान बन चुकी दाल बुखारा और खस्ता रोटी एवं भरवां कुलचा शामिल हैं।

हिंदी भाषा...

विश्वविद्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में आए तो वो काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने गये थे। इस दौरान उन्होंने वहां पर गंदगी देखकर हैरानी भी जताई थी और आज हम काशी विश्वनाथ मंदिर के सौंदर्यीकरण की कार्ययोजना बनाकर कार्य प्रारंभ कर दिया है। कार्ययोजना के अनुसार 300 मकान खरीदे गए। जिनके अंदर हमे 67 मंदिर मिले, जिसे संरक्षित करने का कार्य सरकार द्वारा किया जा रहा है। आज काशी विश्वनाथ मंदिर जाने का रास्ता भी 50 फीट चौड़ा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि डेढ़ साल के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना पूरी होगी और काशीवासियों को ही नहीं बल्कि दुनिया को बाबा विश्वनाथ का ऐसा धाम मिलेगा, जैसा उनके धाम को होना चाहिए। उन्होने कहा कि आज हमें अपनी भारतीय भाषाओं के लिए भाषा विश्वविद्यालय की व्यवस्था करनी होगी। विश्वविद्यालयों को पाठ्यक्रम तैयार कर डिमांड के अनुसार सप्लाई चेन तैयार करनी होगी। तभी हम प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में खड़े हो सकेंगे। सीएम ने कहा कि संस्कृत के माध्यम से और हिंदी व अंग्रेजी की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त कर हम कई लोगों के लिए रोजगार का माध्यम बना सकते हैं। देश और दुनिया में ऐसे कई विश्वविद्यालय हैं, जहां संस्कृत और हिंदी पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षकों की आवश्यकता है। ऐसे में विश्वविद्यालय अगर भाषाओं के बारे में शिक्षा देना शुरु कर दें तो दुनिया भर में शिक्षकों की आवश्यकता को पूरा किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की राजधानी में भारतीय साधना और संस्कृति का आधार भारतीय भाषा के मनीषियों की उपस्थिति एक महत्वपूर्ण संदेश दे रही है।

सोनभद्र में ...

सब-ब्लॉक एच में 170 मीटर की लंबाई में 3.03 ग्राम प्रति टन सोने (औसत दर्जा) वाले 52,806.25 टन अयस्क संसाधनों का अनुमान जताया था। उन्होंने कहा, औसत दर्जे का 3.03 ग्राम प्रति टन सोने वाला खनिज क्षेत्र निश्चित नहीं है और अयस्क के 52,806.25 टन के कुल संसाधनों में से जो कुल सोना निकाला जा सकता है वह मीडिया में आई खबरों के मुताबिक 3,350 टन नहीं बल्कि करीब 160 किलोग्राम है।

सुप्रीम कोर्ट...

सम्मेलन में 20 से ज्यादा देशों के न्यायाधीश भाग ले रहे हैं। न्यायिक प्रणाली को मजबूत बनाने की जरूरत पर बल देते हुए न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा कि अब हम 21 वीं सदी में हैं। हम केवल वर्तमान ही नहीं बल्कि भविष्य के वास्ते आधुनिक आधारभूत संरचनाओं के निर्माण की ओर भी देख रहे हैं।अप्रचलित हो चुके 1500 से ज्यादा कानूनों को खत्म करने के लिए न्यायमूर्ति मिश्रा ने पीएम मोदी के साथ केंद्रीय विधि मंत्री रवि शंकर प्रसाद की भी प्रशंसा की।

मोदी ने ...

अधिकार देने और 26 सप्ताह तक मातृत्व अवकाश प्रदान करने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री ने विकास और पारिस्थितिक सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने के लिए पर्यावरण न्यायशास्त्र को पुनर्परिभाषित करने में भारतीय न्यायपालिका की प्रशंसा की। प्रौद्योगिकी और इंटरनेट के उपयोग पर जोर देते मोदी ने कहा कि यह अदालतों के प्रक्रियात्मक प्रबंधन में मददगार बनेगा और न्याय प्रणाली को काफी लाभान्वित करेगा।महात्मा गांधी के योगदान का हवाला देते प्रधानमंत्री ने कहा उनका जीवन सत्य और सेवा के लिए समर्पित था जो कि न्याय की किसी भी व्यवस्था का मूलभूत सिद्धांत हैं। इस मौके पर भारत के प्रधान न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे ने कहा कि भारत विभिन्न संस्कृतियों का समागम है जिसमें मुगलों, डच, पुर्तगालियों और अंग्रेजों की संस्कृतियां समाहित हैं। सीजेआई के अनुसार, भारतीय संविधान ने संविधान ने एक मजबूत तथा स्वतंत्र न्यायपालिका का सृजन किया है और हमने इस मूलभूत विशेषता को अक्षुण्ण रखने का प्रयास किया है।

विलियमसन के खेल से न्यूजीलैंड मजबूत

- पहले टेस्ट का दूसरा दिन
- ईशांत की शानदार गेंदबाजी भारत के खिलाफ
- टीम इंडिया पहली पारी में 165 रन पर आउट
- कीवी टीम के पांच विकेट पर 216 रन न्यूजीलैंड के पास अब 51 रन की बढ़त

भाषा। वेलिंगटन

तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा की शानदार गेंदबाजी का जवाब केन विलियमसन ने गरिमामय पारी से दिया और भारत के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को न्यूजीलैंड ने अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

निचले क्रम के पतन के कारण भारतीय टीम पहली पारी में 165 रन पर आउट हो गई थी। टखने की चोट से उबरकर वापसी करने वाले ईशांत ने 15 ओवर में 31 रन देकर तीन विकेट लिए। इसके बाद विलियमसन की 89 रन की पारी की मदद से न्यूजीलैंड ने पांच विकेट पर 216 रन बना लिए। न्यूजीलैंड के पास अब 51 रन की बढ़त है। मोहम्मद शमी ने आखिरी स्पैल में विलियमसन को आउट किया। वहीं आखिरी घंटे में रविचंद्रन अश्विन ने हेनरी निकोल्स को पवेलियन भेजा जिनका कैच दूसरी स्लिप में विराट कोहली ने लिया। न्यूजीलैंड के कप्तान ने अपनी 153 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। उन्होंने जसप्रीत बुमराह को खासी नसीहत दी। बुमराह सही लैंग्थ तलाश नहीं सके जो कभी ज्यादा फुल लैंग्थ तो कभी शार्ट गेंद ही डालते रहे। तेज खिली धूप के बीच बेसिन रिजर्व की सूखी पिच ने बल्लेबाजों की राह आसान कर दी। अपना 97वां टेस्ट खेल रहे ईशांत ने लंच के तुरंत बाद टाम लाथम (11) को पवेलियन भेजा। विलियमसन ने ब्लंडेल के साथ 47 रन की साझेदारी की। ब्लंडेल ने 80 गेंद में 30 रन बनाए। विलियमसन और टेलर ने 93 रन की साझेदारी की। ईशांत ने अपने तीसरे स्पैल में टेलर को शार्ट लेग पर चेतेश्वर पुजारा के हाथों लपकवाकर इस साझेदारी को तोड़ा। दूसरे छोर पर हेनरी निकोल्स के आने के बाद विलियमसन की लय भी टूटी। निकोल्स 34 गेंद में चार रन ही बना सके थे। अपने 22वें टेस्ट शतक की ओर बढ़ते दिख रहे विलियमसन रविंद्र जडेजा को कैच दे बैठे। इससे पहले न्यूजीलैंड के लिए जैमीसन ने 16 ओवर में 49 रन देकर चार विकेट लिए। वहीं साउदी ने 20 .। ओवर में 49 रन देकर चार विकेट चटकाए। भारत ने पांच विकेट पर 122 रन से आगे खेलते हुए आखिरी पांच विकेट 43 रन के भीतर गंवा दिए। ऋषभ पंत (19) ने छक्के के साथ शुरूआत की लेकिन उपकप्तान अजिंक्य रहाणे से गलतफहमी का शिकार होकर रन आउट हो गए। रविचंद्रन अश्विन को साउदी ने उसी तरह की गेंद पर पवेलियन भेजा जिस पर कल पृथ्वी साव अपना विकेट गंवा बैठे थे। वहीं रहाणे बाहर जाती गेंद पर बल्ला अड़ाने के प्रयास में आउट हुए। मोहम्मद शमी (21) ने टीम को 150 रन के पार पहुंचाया। उन्होंने नौवे विकेट के लिए ईशांत शर्मा के साथ 22 रन जोड़े। दोनों एक के बाद एक आउट हो गए और भारतीय पारी 68 .। ओवर में सिमट गई। पंत और रहाणे के बीच 31 रन की साझेदारी से उम्मीदें बंधी थी लेकिन एक रन लेने के रहाणे के गलत कॉल ने तस्वीर बदल दी। रहाणे दूसरे छोर पर पहुंच चुके थे लिहाजा जूनियर बल्लेबाज पंत को अपना विकेट गंवाना पड़ा। ऐजाज पटेल का प्वाइंट से सीधा थ्रो जब लगा , वह क्रीज से काफी पीछे थे। पवेलियन लौटते समय पंत ने निराशाभरी नजरों से रहाणे की तरफ देखा। वहीं अश्विन ऐसी गेंद पर आउट हुए जिसे शीर्षक्रम के बल्लेबाज भी नहीं खेल पाते। भारत का स्कोर सात विकेट पर 132 रन था जिसके बाद रहाणे ने बोल्ट को चौका लगाया। साउदी ने रहाणे को पवेलियन भेजकर भारत की सम्मानजनक स्कोर बनाने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

स्कोरबोर्ड

भारत पहली पारी : पृथ्वी साव बो साउदी 16, मयंक अग्रवाल का जैमीसन बो बोल्ट 34, चेतेश्वर पुजारा का वाटलिंग बो जैमीसन 11, विराट कोहली का टेलर बो जैमीसन 2,अजिंक्य रहाणे का वाटलिंग बो साउदी 46,हनुमा विहारी का वाटलिंग बो जैमीसन 7, ऋषभ पंत रन आउट 19, रविचंद्रन अश्विन बो साउदी 0, ईशांत शर्मा का वाटलिंग बो जैमीसन 5, मोहम्मद शमी का ब्लंडेल बो साउदी 21, जसप्रीत बुमराह नाबाद 0, **अतिरिक्त** : चार रन, **कुल योग** : 165 रन, **विकेट पतन** : I-16, 2-35, 3-40, 4-88, 5-101, 6-132, 7-132, 8-143, 9-165, **गेंदबाजी** : साउदी 20.1-5-49-4, बोल्ट 18-2-57-1, डि ग्रांडहोमे 11-5 -12-0, जैमीसन 16-3- 39- 4, पटेल 3-2-7-0, **न्यूजीलैंड पहली पारी :** टाम लाथम का पंत बो ईशांत 11, टाम ब्लंडेल बो ईशांत 30,केन विलियमसन का जडेजा बो शमी 89, रोस टेलर का पुजारा बो ईशांत 44, हेनरी निकोल्स का कोहली बो अश्विन 17, बीजे वाटलिंग नाबाद 14, कोलिन डि ग्रांडहोमे नाबाद 4, **अतिरिक्त** : सात रन, **कुल योग** : 71 .। ओवर में पांच विकेट पर 216 रन,वकेट पतन : 26- I, 73-2, 166-3, 185-4, 207-5, **गेंदबाजी :** बुमराह 18 -I-4- 62-0, ईशांत 15-6-31-3, शमी 17-2- 61-. I, अश्विन 21-1-60-1

प्राग शतरंज टूर्नामेंट के प्लेआफ में हारने से दूसरे स्थान पर रहे गुजराती

प्राग। भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती प्राग शतरंज महोत्सव के प्लेआफ मुकाबले मे हार गए और इस तरह से उन्हे दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। अंतिम दौर रोमांच से भरा रहा जिसके बाद गुजराती सहित पांच खिलाड़ी संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे। इन सभी के नौ दौर के बाद पांच - पांच अंक थे। इनमे से दो सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी गुजराती और ईरान के 16 वर्षीय अलीरेजा फिरोजा टाईब्रेकर मे खेले। टाईब्रेकर ब्लिट्ज मे खेला जाता है जिसमे फिरोजा ने अपना कौशल दिखाया और दोनो बाजियां जीतकर खिताब हासिल किया। इससे पहले गुजराती को चैंपियन बनने के लिए नौवे दौर मे जीत की जरूरत थी लेकिन वह पोलैड के जान क्रिस्टोफ डुडा से हार गए थे।

अदिति संयुक्त 24वें स्थान पर

बोनविले। भारत की अदिति अशोक ने अपनी लय हासिल करते हुए ज्यौफ किंग मोटर्स आस्ट्रेलियाई लेडीज क्लासिक गोल्फ के तीसरे दौर मे तीन अंडर 69 का स्कोर करके संयुक्त 24वां स्थान हासिल कर लिया। लेडीज यूरोपीय टूर पर तीन जीत दर्ज कर चुकी अदिति अब एलपीजीए टूर पर ही खेलती है। वेसा मलिक और दीक्षा डागर ने भी कट मे प्रवेश कर लिया।

डेरेन सैमी को मानद नागरिकता देगा पाकिस्तान

कराची। पाकिस्तान सरकार वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डेरेन सैमी को देश मे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी मे भूमिका निभाने के लिए मानद नागरिकता से सम्मानित करेगी। पीसीबी ने शनिवार को यह घोषणा की। सैमी पांचवें पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में पेशावर जाल्मी की अगुवाई कर रहे है। उन्हे राष्ट्रपति आरिफ अल्वी 23 मार्च को मानद नागरिकता और पाकिस्तान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान निशान ए हैदर से सम्मानित करेंगे। सैमी पीएसएल मे शुरू से खेल रहे है और उन्होने देश मे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी मे अहम भूमिका निभाई। वह 2017 मे जब अधिक विदेशी खिलाड़ियों ने सुरक्षा चिंताओं के कारण लाहौर मे पीएसएल फाइनल खेलने से इन्कार कर दिया था तब सैमी ने इस पर सहमति जताई थी। पेशावर ने तब उनकी अगुवाई में खिताब जीता था। वह पाकिस्तान मे काफी लोकप्रिय है। सैमी तीसरे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर होंगे जिन्हे किसी देश की मानद नागरिकता दी जाएगी। उनसे पहले आस्ट्रेलिया के मैथ्यू हेडन और दक्षिण अफ्रीका के हर्शल गिब्स को सेंट कीट्स सरकार ने विश्व कप 2007 के बाद अपने देश की मानद नागरिकता दी थी।

तोक्यो ओलंपिक आयोजकों ने वालिंटियर प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थगित किया

तोक्यो। तोक्यो ओलंपिक 2020 के आयोजकों ने कोरोनावायरस संक्रमण के कारण अपने वालिंटियर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थगित कर दिया लेकिन दोहराया कि खेलों को कोई खतरा नही है। तोक्यो 2020 आयोजकों ने यहां जारी विज्ञप्ति मे कहा , कोरोनावायरस संक्रमण से बचाव के अपने प्रयासों के तहत हम कल का प्रशिक्षण कार्यक्रम रद्द कर रहे है। इसमें कहा गया कि वालिंटियर्स को व्यक्तिगत तौर पर नई तारीखों के बारे मे बताया जाएगा। इसमे यह भी कहा गया कि 24 जुलाई से शुरू हो रहे ओलंपिक पर इसका कोई असर नही पड़ेगा। हम देखेंगे कि तुरंत क्या बचाव किए जा सकते है। लेकिन इसकी गारंटी है कि तोक्यो ओलंपिक समय पर होंगे।

टीम के लिए कुछ भी कर सकता हूं : ईशांत

भाषा। वेलिंगटन

तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा पिछले दो दिन में चार घंटे ही सो सके हैं लेकिन इसका असर पहले टेस्ट में उनके प्रदर्शन पर नहीं पड़ा और न्यूजीलैंड के तीन विकेट लेकर भारत को उन्होंने मैच में बनाए रखा है। तीन सप्ताह पहले ईशांत रणजी ट्राफी मैच में चोट लगने के कारण इस श्रृंखला से लगभग बाहर ही हो चुके थे लेकिन 24 घंटे का सफर करके यहां पहले टेस्ट से ठीक 72 घंटे पहले पहुंचे। मैं दो दिन से सोया नहीं हूं और आज काफी थकान लग रही थी। मैं जैसे गेंदबाजी करना चाहता था, वैसे कर नहीं पाया हूं। मुझे खेलने के लिए कहा गया और मैं खेला। टीम के लिए कुछ भी कर सकता हूं। ऐसा नहीं है कि मैं अपनी गेंदबाजी से खुश नहीं हूं। मैं अपने शरीर से खुश नहीं था क्योंकि पिछली रात मैं 40 मिनट ही सो सका था। टेस्ट मैच से पहले मैं तीन घंटे ही सो सका था। यात्रा की थकान से जल्दी उबरने से आप मैदान पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं। अच्छी नींद से बेहतर रिकवरी कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि चोट लगने के बाद उन्हें लगा था कि वह टेस्ट मैच नहीं खेल सकेंगे। सारा श्रेय एनसीए सहयोगी स्टाफ को जाता है क्योंकि उन्होंने काफी मेहनत की। हमें लगा नहीं था कि मैं टेस्ट खेल सकूंगा क्योंकि चोट ही ऐसी थी। मैने सोचा कि अगर खेल सका तो खेलूंगा वरना क्या कर सकते हैं। अगर चोट लगनी ही है तो आप टायलेट में भी गिर सकते हैं। मैने एनसीए पर दो दिन में 21 ओवर डाले और तभी मुझे लगा कि मैं खेल सकता हूं। इतना लंबा सफर करके यहां आने से हालांकि काफी थकान हो गई।

भारतीय पारी में पंत का रन आउट टर्निंग प्वाइंट रहा : साउदी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी का मानना है कि ऋषभ पंत का रन आउट होना भारतीय पारी का टर्निंग प्वाइंट रहा जिससे वे शनिवार को यहां अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम को 165 रन पर समेटने मे सफल रहे। पंत ने दिन के पहले ओवर मे छक्के से शुरुआत की थी लेकिन अजिंक्य रहाणे के कारण वह रन आउट हो गए। भारत ने 33 रन के अंदर पांच विकेट गंवा दिए। रहाणे भी साउदी की गेंद पर विकेट के पीछे कैच देकर आउट हो गए थे। साउदी से पूछा गया कि क्या रहाणे को आउट करने के लिए उनकी कोई खास रणनीति थी, नही। आज सुबह पंत का रन आउट सबसे अहम रहा। वह खतरनाक बल्लेबाज है और जिंक्स (रहाणे) के साथ मिलकर तेजी से रन बना सकता था। साउदी जानते थे कि पंत के आउट होने के बाद रहाणे के पास आक्रमण करने के अलावा कोई विकल्प नही बचा था। हम जानते थे कि अगर हम एक छोर से विकेट हासिल करते है तो फिर जिंक्स थोड़ा आक्रमक होकर खेलने की कोशिश करेगा। इससे हमारे लिए मौके बनेंगे। हमने आज सुबह बहुत अच्छी गेंदबाजी की। सुबह दो खतरनाक खिलाड़ियों को आउट करना और इस तरह से उसकी पारी जल्दी समाप्त करना बहुत अच्छा रहा।

अब बुमराह के बचाव में आए कहा हैरान हूं कि राय कितनी जल्दी बदलती हैं

वेलिंगटन। भारतीय टीम के सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी ईशांत शर्मा को उन लोगो के रवैए से बड़ी हैरानी होती है जो जसप्रीत बुमराह के पिछले दो वर्षो के प्रदर्शन की अनदेखी करके उनकी काबिलियत पर सवाल उठा रहे है। भारत के लिए 97 टेस्ट मैच खेल चुके इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने अपने साथी मोहम्मद शमी की तरह ही बुमराह के आलोचकों को जवाब दिया। ईशांत ने अपने साथी का बचाव करते हुए पूछा, यह हैरानी की बात है कि राय एक पारी के बाद बदल जाती है। पिछले दो वर्षो से हमने हमेशा 20 विकेट चटकाए है, मै, बूम (बुमराह का डेसिंग स्नम मे निकनेम) और शमी ने एश या जड्डू ऐसा कर रहे है। एक टेस्ट पारी के आधार पर लोग कैसे सवाल पूछ सकते है? मुझे नही लगता कि किसी को भी बूम की काबिलियत पर शक है। अपने पदार्पण से ही उसने जो कुछ भारत के लिए हासिल किया है, मुझे नही लगता कि किसी को भी कोई सवाल उठाने चाहिए। शमी ने भी बुमराह के तीन वनडे मे विकेट नही चटका पाने के बारे मे पूछने पर यही बात कही थी।

हसरंगा ने दिलाई श्रीलंका को कामयाबी

- वेस्टइंडीज के शाइ होप के शतकीय प्रयास पर पानी फेरा

भाषा। कोलंबो

निचले क्रम के बल्लेबाज वाहिंदु हसरंगा की नाबाद 42 रन की पारी की मदद से श्रीलंका ने शनिवार को यहां वेस्टइंडीज के शाइ होप के शतकीय प्रयास पर पानी फेरकर पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में एक विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की। श्रीलंका के सामने 290 रन का लक्ष्य था लेकिन कप्तान दिमुथ करुणारत्ने (52) और अविष्का फर्नांडो (50) से मिली अच्छी शुरुआत के बावजूद टीम एक समय संकट में थी। ऐसे में आठवें नंबर के बल्लेबाज हसरंगा ने 39 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से खेली गई अपनी नाबाद पारी से श्रीलंका को तीन मैचों की श्रृंखला में I-0 से बढ़त दिलाई। इससे पहले वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सात विकेट पर 289 रन बनाए थे। उसकी पारी का आकर्षण होप की 115 रन रहे जो वनडे में उनका आठवां शतक है। उनके अलावा रोस्टन चेज ने 41 और डेरेन ब्रावो ने 39 रन का योगदान दिया। श्रीलंका की तरफ से इसुरू उदाना ने तीन विकेट लिए लेकिन इसके लिए उन्होंने 82 रन खर्च किए। श्रीलंका की तरफ से करुणारत्ने और फर्नांडो ने पहले विकेट के लिए 111 रन जोड़े। तीसरे नंबर के बल्लेबाज कुसाल परेरा ने भी 42 रन बनाए लेकिन मध्यक्रम लड़खड़ाने से एक समय वह बैकफुट पर चला गया था। ऐसे में हसरंगा के अलावा तिसारा परेरा की 32 रन की पारी उपयोगी साबित हुई। होप ने शतक जड़ने के अलावा विकेटकीपर के रूप में चार कैच भी लिए लेकिन उनका प्रयास टीम को जीत नहीं दिला पाया। अल्जारी जोसेफ ने 42 रन देकर तीन विकेट लिए।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेसर्स पक्षकार बंटी, प्रॉपर्टी न. 04, खसरा न. 908, गली न.1, गाँव छपरौला, तहसील-दादरी, जिला गौतम बुध नगर, (उ.प्र.) को उपेन्द्रा सिंह से खरीदकर सेंटिन हाउसिंग फाइनान्स लिमिटेड के साथ बंधक रख रहा है, तथा उपेन्द्रा सिंह ने उक्त संपत्ति से संबंधित मूल विक्रय विलेख जिसे वीरेंदर त्यागी ने मोहन सिंह और हेमंत सिंह के पक्ष मे किया था, जिसका पंजीकरण उप पंजीयक – दादरी, क्रमांक न. 490 दिनांक 10.01.2007 को हुआ है तथा विक्रय विलेख जिसे लक्ष्मी देवी, विक्रम सिंह, दयानंद और हेमंत सिंह ने शशि प्रभा के पक्ष मे किया था, जिसका पंजीकरण उप पंजीयक – दादरी, क्रमांक न. 10424 दिनांक 29.06.2011, को खो दिया है, जिसके बारे मे शिकायत बादलपुर पुलिस मे दिनांक 03.01.2018 को की गई है, यह सूचित किया जाता है की उक्त दस्तावेज के आधार पर किसी प्रकार की कोई भी इकरार, बिक्री, बंधक आदि सिवाय बंटी और उपेन्द्रा सिंह, और उक्त संस्था के बीच, मान्या नही होगा, अगर किसी व्यक्ति ने उक्त दस्तावेज को पाया है तथा किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति मे किसी प्रकार का अधिकार या दाया करना चाहता है तो वह नीचे लिखे न. पर इस प्रकाशन के 8 दिन के अंदर संपर्क कर अपने अधिकार या आपत्ति का की जानकारी दे दे, तथा उक्त कागजो को वापस कर दे.

एंडरेस लिगल सल्यूशन, चेंबर न. ७६०, द्वारका कोर्ट सेक्टर-१०, द्वारका, नई देली-७५. मो:- ९९६६०१२६१८

जम्मू कश्मीर ने कर्नाटक को 206 रन पर समेटा

भाषा। जम्मू

कर्नाटक की टीम जम्मू कश्मीर के खिलाफ बारिश से प्रभावित रणजी ट्राफी क्वार्टर फाइनल मैच में शनिवार को यहां पहली पारी में 206 रन पर आउट हो गई।

स्पिनर के गौतम और जे सुचित ने हालांकि शाम के सत्र में जम्मू कश्मीर के दो विकेट निकालकर कर्नाटक की उम्मीद जगाई। जम्मू कश्मीर ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय दो विकेट पर 88 रन बनाए हैं और वह अभी कर्नाटक से 118 रन पीछे है। बारिश के कारण इस मैच के पहले दो दिन केवल छह ओवर का खेल हो पाया था। ऐसे में पहली पारी की बढ़त काफी मायने रखेगी। जम्मू कश्मीर की उम्मीदें शुभम खजूरिया (नाबाद 39) पर टिकी हैं जिन्होंने एक छोर संभाले रखा हैं। उनके साथ शुभम पुंडीर 16 रन बनाकर खेल रहे हैं। कर्नाटक ने सुबह दो विकेट पर 16 रन से आगे खेलना शुरू किया लेकिन उसने नियमित अंतराल में विकेट गंवाए। उसकी तरफ से के सिद्धार्थ ने सर्वाधिक 76 रन बनाए जबकि मनीष पांडे (37) अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाए। जम्मू कश्मीर की तरफ से कप्तान परवेज रसूल, आकिब नबी और मुज्तफा यूसुफ ने तीन-तीन विकेट लिए।

सौराष्ट्र को आंध्र पर मजबूत बढ़त

ओंगोल। कप्तान जयदेव उनादकट की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से सौराष्ट्र ने आंध्र को पहली पारी में 136 रन पर समेटकर रणजी ट्राफी क्वार्टर फाइनल मैच में शनिवार को यहां सेमीफाइनल की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। उनादकट ने 42 रन देकर चार विकेट लिए। उन्हें धर्मेन्द्रसिंह जडेजा (27 रन देकर तीन) और चिराग जानी (14 रन देकर दो) का अच्छा सहयोग मिला जिससे सौराष्ट्र पहली पारी में 283 रन की बढ़त हासिल करने में सफल रहा। आंध्र के चार बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे जिनमें सलामी बल्लेबाज सीआर गणणेश्वर ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। पहली पारी में 419 रन बनाने वाले सौराष्ट्र ने आंध्र को फालोआन नहीं दिया और तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 93 रन बनाकर अपनी कुल बढ़त 376 रन पर पहुंचा दी। अवि बारोट (नाबाद 44) और विश्वराज जडेजा (नाबाद 35) ने दोनों सलामी बल्लेबाजों के आठ ओवर के अंदर आउट होने के बाद तीसरे विकेट के लिए 62 रन की अटूट साझेदारी की है।

ओडिशा के खिलाफ बंगाल मजबूत स्थिति में

कटक । बंगाल ने ओडिशा के अंतिम छह विकेट 59 रन के अंदर उखाड़कर पहली पारी में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करने के साथ ही रणजी ट्राफी क्वार्टर फाइनल में शनिवार को यहां अपनी स्थिति मजबूत कर ली। बंगाल के पहली पारी के 332 रन के जवाब में ओडिशा ने 250 रन बनाए। पहली पारी में 82 रन की बढ़त हासिल करने वाले बंगाल ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 79 रन बनाकर अपनी कुल बढ़त 161 रन पर पहुंचा दी। ओडिशा ने सुबह चार विकेट पर 151 रन से आगे खेलना शुरू किया और एक समय उसका स्कोर चार विकेट पर 191 रन था लेकिन यहीं से विकेटों का पतन शुरू हो गया। शनिवार को कप्तान सुभ्रांशु सेनापति (46) ही कुछ योगदान दे पाए। बंगाल की तरफ से मुकेश कुमार, इशान पोरेल और नीलकांत दास ने तीन . तीन विकेट लिए। बंगाल के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन की खराब फार्म हालांकि बरकरार रही। वह दूसरी पारी में ही 30 रन ही बना पाए जबकि कौशिक घोष (41) दिन के अंतिम क्षणों में पवेलियन लौटे। स्टंप उखड़ने के समय अभिषेक रमन चार और मनोज तिवारी तीन रन पर खेल रहे थे।

गुजरात ने गोवा पर शिकंजा कसा

वलसाड। मध्यम गति के गेंदबाज चिंतन गजा (19 रन देकर पांच) की शानदार गेंदबाजी से गुजरात ने गोवा को पहली पारी में 173 रन पर समेटकर शनिवार को यहां रणजी ट्राफी क्वार्टर फाइनल पर मजबूत शिकंजा कस दिया। गुजरात ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 602 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। पहली पारी में 429 रन की बढ़त लेने के बावजूद कप्तान पार्थिव पटेल ने गोवा को फालोआन के लिए आमंत्रित नहीं किया।

गुजरात ने दूसरी पारी में भी अच्छी बल्लेबाजी और तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक उसने एक विकेट पर 158 रन बनाए हैं। इस तरह से उसकी कुल बढ़त 587 रन की हो गई है। प्रियांक पांचाल 37 रन बनाकर आउट हुए जबकि समित गोहेल 70 और भार्गव मेराई 49 रन पर खेल रहे हैं। इससे पहले गोवा ने सुबह अपनी पहली पारी दो विकेट पर 46 रन से आगे बढ़ाई लेकिन उसका कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया। कप्तान अमित वर्मा ने उसकी तरफ से सर्वाधिक 56 रन बनाए। गुजरात के लिए गजा के अलावा रूस कलारिया और अरजान नागवासवाला ने दो . दो विकेट लिए।

एगर की हैट्रिक से आस्ट्रेलिया जीता

भाषा। जोहानिसबर्ग

बाएं हाथ के स्पिनर एश्टोन एगर की हैट्रिक की मदद से आस्ट्रेलिया ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका को 107 रन से हरा दिया। गेंद से छेड़खानी मामले में 2018 में प्रतिबंध झेलने के बाद पहली बार दक्षिण अफ्रीका लौटे स्टीव स्मिथ ने 45 रन बनाए।

ओरटेल कम्युनिकेशन्स लिमिटेड (सीआईआरपी के अधीन)
पंजी. कार्यालय : बी-7/122ए, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली-110029
कार्पोरेट कार्यालय : सी-1,चन्द्रशेखरपुर, निकट बीडीए कालोनी, भुवनेश्वर, ओडिशा-751016
सीआईएन : एल74899डीएल1995पीएलसी069353, फोन : 0674-7107200, मेल आईडी : bidu.dash@ortelgroup.com

31 दिसम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही और नौ माह हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों (पृथक्कृत और समेकित) का संक्षिप्त विवरण (रूपए करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	पृथक्कृत			समेकित		
		तिमाही समाप्त	नौ माह समाप्त	तिमाही समाप्त	तिमाही समाप्त	नौ माह समाप्त	तिमाही समाप्त
		31-दिस-19 (अलेखापरीक्षित)	31-दिस-19 (अलेखापरीक्षित)	31-दिस-18 (अलेखापरीक्षित)	31-दिस-19 (अलेखापरीक्षित)	31-दिस-19 (अलेखापरीक्षित)	31-दिस-18 (लेखापरीक्षित)
1	प्रचालन से कुल आय	22.18	68.21	26.01	22.18	68.21	26.01
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों से पूर्व रु)	(6.87)	(26.34)	(26.02)	(6.87)	-26.34	-12.68
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि), कर पूर्व (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद रु)	(6.87)	(26.34)	(12.68)	(6.87)	-26.34	-12.68
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि), कर पश्चात (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद रु)	(6.87)	(26.34)	(12.68)	(6.87)	-26.34	-12.68
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय/(व्यय), कर पश्चात खिजसमें अवधि हेतु लाभ/ (हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) शामिल है,	(6.90)	(26.44)	(12.66)	(6.90)	-26.45	-12.66
6	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी	32.98	32.98	32.98	32.98	32.98	32.98
7	संचेय (पुनर्मूल्यन संचेय छोड़कर) जैसाकि पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित तुलनपत्र में दर्शाया गया है।	(79.83)	(79.83)	0.00	(79.84)	-79.84	0.00
8	प्रति शेयर अर्जन (रू. 10/-प्रत्येक का) (जारी और बंद प्रचालनों हेतु) -						
	मूल :	*(0.08)	*(0.08)	*(0.04)	*(0.08)	*(0.08)	*(0.04)
	तनुकृत :	*(0.08)	*(0.08)	*(0.04)	*(0.08)	*(0.08)	*(0.04)

नोट्स :-
(1) उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन दायित्व और अन्य प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्जेज में प्रस्तुत किए गए पृथक्कृत और समेकित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त विवरण है। उक्त पृथक्कृत और समेकित वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेन्ज वेबसाइट नामतः www.bseindia.com एवं www.nseindia.com तथा कम्पनी की वेबसाइट www.ortelcom.com पर उपलब्ध है।
(2) लेखांकन नीतियों में परिवर्तन (नों) के कारण शुद्ध लाभ/हानि, कुल समावेशी आय अथवा किसी अन्य संबंधित वित्तीय मद (दों) पर प्रभाव पादटिप्पण के माध्यम से दर्शाया जाएगा।
(3) लाभ और हानि के विवरण में समायोजित की गई अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदें आईएनडी-एएस नियमावली/एएस नियमावली के अनुसार हैं, जो भी लागू है।
(4) उपरोक्त परिणामों का "सीमित पुनरीक्षण"कम्पनी के लेखापरीक्षकों द्वारा किया गया है तथा ये परिणाम कम्पनी के प्रबंधन द्वारा तैयार, पुनरीक्षित और अनुशंसित किए गए हैं तथा इनका अनुमोदन एनसीएलटी द्वारा आदेश दिनांकित 01 फरवरी, 2019 द्वारा नियुक्त समाधान प्रोफेशनल (आरपी) पंजीकरण सं. IBBI/IPA-001/IP-P01238/2018-2019/11893 द्वारा दिनांक 21 फरवरी, 2020 को आयोजित उनकी बैठक में किया गया है।

वास्ते ओरटेल कम्युनिकेशन्स लिमिटेड (सीआईआरपी के अधीन)
स्थान : कोलकाता हस्ता./-
तिथि : 22-02-2020 (कम्पनी सेक्रेटरी)

श्री श्रीगोपाल चौधरी ('आरपी') पंजीकरण सं. IBBI/IPA-001/IP-P01238/2018-2019/11893 के अनुमोदन द्वारा जारी किया गया (ओरटेल कम्युनिकेशन्स लिमिटेड ऋणशोध अक्षमता और दिवाला संहिता, 2016 की कार्पोरेट ऋणशोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया के अधीन है। इसके कार्यों, व्यवसाय और आस्तियों का प्रबंधन राष्ट्रीय कम्पनी विधि न्यायाधिकरण द्वारा आदेश दिनांकित 01 फरवरी, 2019 द्वारा नियुक्त समाधान प्रोफेशनल, श्री श्रीगोपाल चौधरी द्वारा संहिता के प्रावधानों के अधीन किया जा रहा है)

बजरंग और रवि का दबदबा

एशियाई चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचे

भाषा। नई दिल्ली

बजरंग पूनिया के लेग डिफेंस में सुधार दिखाई दिया जिसके बूते वह यहां शनिवार को एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप पुरूष फ्रीस्टाइल स्पर्धा के शुरूआती दिन तीन अन्य भारतीयों के साथ स्वर्ण पदक मैच में पहुंचे। बजरंग ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक केवल दो अंक गंवाए और अब उनका सामना जापान के ताकुतो ओटोगुरो से होगा जिनसे वह 2018 विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में भी भिड़े थे। बजरंग को पिछले कुछ समय से लेग डिफेंस और बड़ी बढ़त गंवाने में समस्या हो रही थी लेकिन शनिवार को इससे उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई और वह 65 किग्रा में शुरू से मजबूत बने रहे। उन्होंने अपनी सारे मुकाबले तकनीकी श्रेष्ठता के बूते जीते जिसमें उन्होंने ताजिकिस्तान के जमशेद शारीफोव, उज्बेकिस्तान के एबोसा राखमोनोव और ईरान के अमीरहुसैन अजीम मागसौदी को शिकस्त दी। वहीं 57 किग्रा में रवि दहिया ने दमदार प्रदर्शन करते हुए जापान के युकी ताकाहाशी को 14-5 से मात देकर मंगोलिया के तुग्स बतजारगल को हराया। सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान के नूरीस्लाम सनाएव उनके सामने जरा भी चुनौती पेश नहीं कर सके। अब उनका सामना ताजिकिस्तान के हिकमातुलो वोहिदोव से होगा। गौरव बालियान (79 किग्रा) और सत्यव्रत कादियान (97 किग्रा) भी स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंच गए हैं। आज पांच भारतीय खेलने उतरे जिसमें से केवल नवीन 70 किग्रा में फाइनल में पहुंचने से चूक गए और सेमीफाइनल में ईरान के अमीरहुसैन अली होसनेनी से 2-3 से हार गए। अब वह कांस्य पदक के लिए कजाखस्तान के मेरजान अशीरोव से भिड़ेंगे।

आस्ट्रेलिया पर मिली जीत से भारत का आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा : मिताली

भाषा। सिडनी

भारत की स्टार बल्लेबाज मिताली राज ने स्पिनर पूनम यादव के शानदार प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि पहले मैच में आस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम केा हराने से टी20 विश्व कप में भारत का आत्मविश्वास काफी बढेगा। पूनम के चार विकेट की मदद से भारत ने आस्ट्रेलिया को पहले मैच में 17 रन से हराया। मिताली ने आईसीसी की एक विज्ञप्ति में कहा , हर कोई आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी की गहराई की बात कर रहा है लेकिन इसके बावजूद वे 132 रन का लक्ष्य हासिल नहीं कर सके। भारत का आत्मविश्वास इस जीत से काफी बढेगा लेकिन अभी भी विश्व कप काफी खुला है। भारत और आस्ट्रेलिया के मैच ने साबित कर दिया कि टूर्नामेंट कितना प्रतिस्पर्धी होगा। रैंकिंग का कोई असर नहीं पड़ता। मिताली ने कहा , इस जीत से साबित हो गया कि हर टीम के लिए मौका है। यह मैच विश्व कप से लगी अपेक्षाओं पर एकदम खरा उतरा है। भारत की पूर्व टेस्ट और वनडे कप्तान ने कहा , पूनम काफी समय से भारत की प्रमुख स्पिनर रही है और एक बार फिर उसकी शैली काम कर गई। उसकी गेंदबाजी ने मैच की तस्वीर पूरी बदल दी।

ऊंगली की चोट के बाद आत्मविश्वास ने पूनम को खेलने की ऊर्जा दी

सिडनी। ऊंगली के फ्रेक्चर के कारण विश्व कप में उसका खेलना भी संदिग्ध हो गया था लेकिन भारतीय लेग स्पिनर पूनम यादव ने कहा कि आत्मविश्वास ने उसे नई ऊर्जा दी और इसकी बानगी आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में उसके प्रदर्शन में भी दिखी। दिसंबर में टूर्नामेंट से पहले एक शिविर के दौरान यादव की ऊंगली में फ्रेक्चर हो गया था। पहले मैच में आस्ट्रेलिया पर जीत की सूत्रधार बनी यादव अगर नहीं खेल पाती तो भारत को उसकी कमी जरूर खलती। पूनम ने 17 रन देकर चार विकेट लिए। मुझे नहीं पता था कि चोट इतनी बदतर हो जाएगी। चोट के बाद मैने अपनी डाइट और फिटनेस पर फोकस किया। यादव ने आईसीसी वेबसाइट पर कहा , मुझे विश्वास था कि मैं किसी भी समय गेंदबाजी कर सकती हूं। रमन सर (कोच डब्ल्यू वी रमन) ने पूछा कि क्या मैं मानसिक रूप से तैयार हूं। मैने कहां हां लेकिन मुझे शारीरिक रूप से भी तैयार रहना जरूरी था। इस गेंदबाज ने कहा कि उसने टी20 विश्व कप खेलने की उम्मीद कभी नहीं छोड़ी थी। मुझे पूरा यकीन था कि मैं वापसी कर सकूंगी। अच्छी बात यह है कि विश्व कप से डेढ महीने पहले यह हादसा हुआ। ईश्वर को धन्यवाद कि जो बुरा होना था, वह पहले ही हो चुका। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने यादव की तारीफ करते हुए कहा , वह हमेशा टीम के लिए खेलती है। उसे खेलना इतना आसान नहीं और इसके लिए संयम की जरूरत होती है। उसने शानदार प्रदर्शन किया।

पूर्व भारतीय फुटबालर अशोक चटर्जी का निधन

कोलकाता। भारत के पूर्व फुटबालर अशोक चटर्जी का यहां शनिवार को निधन हो गया। वह 1965 और 1966 में मर्डेका कप में देश की कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्य थे। वह 78 वर्ष के थे, उनके परिवार में पत्नी है और उनका एक बेटा संदीप है जो संगीतकार है। चटर्जी भारत की सीनियर टीम के लिए 30 मैच खेले। उन्होने अपना पदार्पण 1965 में मर्डेका कप में जापान के खिलाफ मुकाबले में किया था जिसमें वह दूसरे हाफ में पीके बनर्जी के लिए स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे थे। उन्होने भारत के लिए 10 गोल किए जिसमें 1966 मर्डेका कप में ग्रुप लीग चरण में जापान के खिलाफ 3-0 क जीत के दौरान दो गोल शामिल थे। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ के अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने विज्ञप्ति में शोक व्यक्त करते हुए कहा, अशोक चटर्जी के निधन की खबर सुनकर काफी दुख हुआ। उनके भारतीय फुटबाल में योगदान को भुलाया नही जा सकता। चटर्जी ने बैंकाक में 1966 एशियाई खेलो और 1967 में एशिया कप क्वालीफायर में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। वह 1965 से 1968 तक मर्डेका कप टीम का हिस्सा रहे थे।

डिवाइन की कप्तानी पारी से न्यूजीलैंड की आसान जीत

महिला टी20 विश्व कप

श्रीलंका को सात विकेट से शिकस्त दी

भाषा। पर्थ

कप्तान सोफी डिवाइन की नाबाद 75 रन की पारी की मदद से न्यूजीलैंड ने महिला टी20 विश्व कप ग्रुप ए मैच में शनिवार को यहां श्रीलंका को सात विकेट से शिकस्त दी। न्यूजीलैंड के सामने 128 रन का लक्ष्य था और डिवाइन ने अपनी 55 गेंद की पारी में छह चौके और दो छक्के जड़े जिससे कीवी टीम ने 14 गेंद शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर दिया। डिवाइन ने मैडी ग्रीन (29) के साथ तीसरे विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी की। न्यूजीलैंड ने 17.4 ओवर में तीन विकेट पर 131 रन बनाए। इससे पहले श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सात विकेट पर 127 रन बनाए थे। उसकी तरफ से कप्तान चमारी अटापट्टू ने सर्वाधिक 41 रन बनाए जबकि हर्षिता मदावी ने 27 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की तरफ से मध्यम गति की गेंदबाज हीली जेनसन सबसे सफल गेंदबाज रही। उन्होंने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लिए।

वेस्टइंडीज ने मैच जीता और थाईलैंड ने दिल

पर्थ। कप्तान स्टेफनी टेलर के आलराउंड खेल से वेस्टइंडीज ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में शनिवार को यहां पहली बार टूर्नामेंट में खेल रहे थाईलैंड को 20 गेंद शेष रहते हुए सात विकेट से हराया। थाईलैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 78 रन बनाए। उसकी तरफ से विकेटकीपर नानापाट (33) और नारुमल चेवेई (13) ही दोहरे अंक में पहुंची। टेलर ने तीन ओवर में 13 रन देकर तीन विकेट लिए। थाईलैंड ने हालांकि अच्छी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण से वेस्टइंडीज को आसानी से लक्ष्य तक नही पहुंचने दिया। उसने वेस्टइंडीज का शीर्ष क्रम झकझोर कर सातवे ओवर में उसका स्कोर तीन विकेट पर 27 रन कर दिया था। इनमें सलामी बल्लेबाज हेली मैथ्यूज (16) का विकेट भी शामिल था। इसके बाद मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई टेलर (37 गेंदो पर नाबाद 26) और शेमाइन कैंपबेल (27 गेंदो पर नाबाद 25) ने संभलकर बल्लेबाजी की और अपनी टीम को 16.4 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचाया। थाईलैंड की टीम पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट में भाग ले रही है लेकिन उसने अपनी गेंदबाजी और चपल क्षेत्ररक्षण से प्रभावित किया। यह अच्छे क्षेत्ररक्षण का परिणाम था कि कैरेबियाई टीम की दो बल्लेबाज रन आउट होकर पवेलियन लौटी।

देश भर के विश्वविद्यालयों के खिलाड़ी दिखाएंगे दम

प्रधानमंत्री मोदी ने पहले खेलो इंडिया विवि खेलों की शुरुआत की घोषणा की

भाषा। कटक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यहां पहले खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों के शुरुआत की घोषणा की और इन्हें भारतीय खेल क्रांति का अगला पड़ाव करार दिया। देश भर के 159 विश्वविद्यालयों के 3400 से अधिक खिलाड़ी 17 खेलों में अपना भाग्य आजमाएंगे। इन खेलों में रग्बी भी शामिल है। प्रधानमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंस सुविधा के जरिए खेलों के शुरुआत की घोषणा की। उन्होंने इसे भारतीय खेलों के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, आज का दिन सिर्फ एक टूर्नामेंट का आरंभ मात्र नहीं हैं, बल्कि भारत में खेल आंदोलन के अगले चरण की शुरुआत है। आज ओडिशा में नया इतिहास बना है। भारत के इतिहास के पहले खेलो युवा विश्वविद्यालय खेलों की शुरुआत आज से ही हो रही है। ए भारत के खेल इतिहास में ऐतिहासिक पड़ाव तो है ही भारत के खेलों के भविष्य के लिए भी एक बहुत बड़ा कदम है। आज भारत दुनिया के उन देशों की लीग में शामिल हो गया है जहां इस स्तर पर विश्वविद्यालय खेलों का आयोजन होता है। इस अवसर पर ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, केंद्रीय खेल मंत्री कीरेन रीजीजू और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान भी उपस्थित थे। खेल सचिव राधेश्याम जुलानिया भी इस मौके पर मौजूद थे। स्टार फर्राटा धाविका दुती चंद भी इन खेलों का हिस्सा हैं। वह मेजबान केआईआईटी विश्वविदद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगी। दुती के अलावा जो अन्य प्रतिभाशाली खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे उनमें मेंगलूर विश्वविद्यालय के त्रिकूद के एथलीट जय शाह, उनके साथी लंबी दौड़ के धाविक नरेंद्र प्रताप सिंह, पुणे विश्वविद्यालय की लंबी दूरी की धाविका कोमल जगदाले और आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय की धाविका वाई ज्योति भी शामिल हैं। मोदी ने कहा कि खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल युवा खिलाड़ियों को अपने सपने साकार करने के लिए बहुत बड़ा मंच उपलब्ध कराएंगे। आने वाले दिनों में लक्ष्य 200 से ज्यादा स्वर्ण पदक जीतने का तो है ही, उससे भी अहम आपके अपने प्रदर्शन में सुधार, आपके खुद के सामर्थ्य को नई ऊंचाई देना है। आप एक दूसरे से तो प्रतिस्पर्धा कर ही रहे हैं लेकिन इससे महत्वपूर्ण बात है कि आप खुद से भी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, आपका परिश्रम, आपके सपनों को, आपके परिवार के सपने और भारत के सपनों को आगे बढ़ाएगा। आपके सामने दुती चंद जी जैसे अनेक प्रेरक व्यक्तित्व हैं। आप पदक भी जीतें और देश के फिटनेस के लिए प्रेरित भी करें। मोदी ने कहा कि खेलो इंडिया ने युवाओं को खेलों के प्रति आकर्षित करने और युवा प्रतिभा की पहचान करने में अहम भूमिका निभाई है। खेलो इंडिया अभियान ने देश के कोने कोने में खेलों के प्रति आकर्षण और युवा प्रतिभा की पहचान में बहुत अहम भूमिका निभाई है। जब 2018 में खेलों इडिया की शुरुआत हुई थी तब इसमें 3500 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था लेकिन महज तीन वर्षों में खिलाड़ियों की संख्या बढ़कर 6000 से भी अधिक हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा, सिर्फ संख्या ही नहीं बढ़ रही, खेल और खिलाड़ियों का स्तर, खेल आधारभूत ढांचे का स्तर, सभी में सुधार हो रहा है। इस साल खेल इंडिया स्कूल खेलो (गुवाहाटी) में 80 रिकार्ड टूटे जिसमें से 56 रिकार्ड हमारी बेटियों के नाम रहे हैं। मोदी ने कहा कि खेलो इंडिया में छोटे छोटे कस्बों और गांवों से प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस अभियान से जो प्रतिभा सामने आ रही है, वह बड़े बडे शहर के बड़े बड़े संस्थानों की नहीं है, ए छोटे छोटे शहरों के सामान्य परिवार से आने वालें बच्चे हैं। उन्होंने देश के लिए नई उम्मीद जगाई है। उद्घाटन समारोह के दौरान 45 मिनट का रंगारंग सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमें ओडिशा की संस्कृति का प्रदर्शन किया और इसे 390 स्कूली छात्रों ने प्रस्तुत किया। पद्म श्री अरूणा मोहंती ने इस शो की कोरियाग्राफी की जिसमें ओडिसी और सम्बलपुरी नृत्व का मंचन किया गया। संगीतकार राम सम्पत और गायिका सोना मोहापात्रा ने एक गान प्रस्तुत किया। संगीतकार नाकाश अजीज ने खेलो खेलो गाने से खिलाड़ियों को प्रेरित किया। खेल मंत्री रीजीजू ने कहा कि भारत को इन खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों के जरिए कई अंतरराष्ट्रीय चैम्पियन देखने को मिलेंगे। मुझे पूरा भरोसा है कि हमें और ओलंपियन मिलेंगे और इन खेलों से काफी प्रतिभाएं मिलेंगी। इससे खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलेगा। खेलों का आयोजन भुवनेश्वर और कटक के 10 स्थलों में किया जाएगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत बिजाहरी विकास खण्ड सासनी जनपद हाथरस

पत्राक 78 /ग्राम पचायत/वित आयोग मद/टेन्डर/2019-20 दिनाक 22.02.2020

अति अत्पकालीन निविदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चतुर्थ राज्य वित्त/14वां वित्त आयोग के अंतर्गत वर्ष 2018-19 में उपलब्ध धनराशि से कराये जाने वाले निम्नांकित कार्यों हेतु उनके नाम सम्मुख अंकित विवरणानुसार सामग्री का कार्य स्थल पर आपूर्ति हेतु मुहर बंद निविदायें दिनांक 27.02.2020 को दिन में 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन सायं 3.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय अधोहस्ताक्षरी अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा खोली जायेगी। यदि उक्त निविदा प्राप्त करने एवं खोलने के दिनांक को राजकीय अवकाश घोषित होता है तो निविदा प्राप्त एवं खोलने की तिथि अगला कार्य दिवस होगा। निविदा खोलने की स्थल, समय एवं वैधाता में कोई परिवर्तन नहीं होगा निविदा की वैधता मूल्य तिथि से मानी जायेगी।

1. निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत बिजाहरी से कार्यालय दिवस एवं समय में दिनांक 25.02.2020 तक निविदा मूल्य देकर प्राप्त किये जा सकते हैं।
2. निविदा सशर्त अथवा निर्धारित समय के बाद प्रस्तुत निविदायें मान्य नहीं होगी तथा किसी भी निविदा को बिना कारण बाये स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकारी अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।
3. निविदा सशर्त अथवा निर्धारित समय के बाद प्रस्तुत निविदायें मान्य नहीं होगी तथा किसी भी निविदा को बिना कारण बताय स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।
4. निविदा दरों की वैधता तीन माह अधिकतम होगी। इसके लिए निविदा प्रपत्र के साथ एक सौ रूपये का नॉन जुडीशियल स्टाम्प पेपर, एक रूपये का रिवेन्यू टिकिट के साथ होना अनिवार्य है।
5. अनुबंध के समय धरोहर राशि को सम्मिलित करते हुए 10 प्रतिशत जमानत धनराशि नगद जमा करनी होगी तथा कुल जमानत राशि पर नियमानुसार स्टाम्प डयूटी देनी होगी।
6. बिलों के भुगतान में नियमानुसार आयकर वैट एवं रॉयल्टी आदि की कटौती की जायेगी।
7. सामग्री की आपूर्ति उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिए।
8. कोई भी निविदा जो राज्य विधि वार कौंसिल में पंजीकृत हो निविदा देने से प्रतिबंधित होंगे।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (सामग्री) रू. में	धरोहर धनराशि रू. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य की अवधि (माह में)
1.	आगरा रोड से जिला सहकारी बैंक तक इंटरलॉकिंग कार्य	191646	3832	250+जीएसटी	3 माह
2.	आगरा रोड से राजपाल दिशवार के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	150657	3013	..	..
3	रामगोपाल के घर से अशोक के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	312330	6247	..	..
4	आगरा रोड से गोपाल के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	731956	14639	..	..
5	मत्तार खां के घर से अलाउद्दीन के घर तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	216612	4332	..	..
6	विजय सिंह के घर से राजेन्द्र के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	280596	5611	..	..
7	प्रेमपाल के घर से जलेसर रोड तक यू टाइप नाली निर्माण कार्य	444037	8880	..	..
8	प्राथमिक विद्यालय बिजाहरी का सौंदर्यीकरण का कार्य	513528	10270	..	..
9	मरघट का निर्माण कार्य	400604	8012	..	..

अध्यक्ष/प्रधान ग्राम पंचायत बिजाहरी

सचिव ग्राम पचायत बिजाहरी

क्लैस ऑफ कॉर्पोरेट्स में खेल से दिखा दम

लखनऊ। जयपुरिया प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में सेठ एमआर.जयपुरिया स्कूल के मैदान मे दो दिवसीय ''क्लैस ऑफ कॉर्पोरेट्स'' का आयोजन किया गया। संस्थान की निदेशिका डा कविता पाठक के मार्गदर्शन में किया गया। सीएसरी विभाग ने अपने सहयोगियों के साथ इस अयोजन को अंजाम देने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। इस आयोजन का उद्देश्य एक अनौपचारिक तरीके से कॉर्पोरेट्स को एक साथ लाने और एक मंच प्रदान करना था। उक्त आयोजन में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की सूची - बैडमिन्टन (सिंगल एवं डबल), टेबल टेनिस (सिंगल एवं डबल), कैरम, शतरंजऔर क्रिकेट आदि। इस आयोजन में एक्सेल कुटुम्ब, हैवेल्स द्वारा संचालित, हॉस्पिटेलिटी पार्टनर, नोवाटेल होटल, ड्राइव पार्टनर, हुन्डई स्क्रीन पार्टनर, एलजी इवेन्ट ब्रान्ड पार्टनर, एक्सिस बैंक मोबाइल पार्टनर, जियो औरएसोसिएट्स प्रायोजक, टीवीए, एसीसी सीमेन्ट्स, ज्ञान मिल्क, आईटीसी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, गोदरेज एवं हीरो मोटो कॉर्प के लोगों ने भाग लिया।

ओरटेल कम्युनिकेशन्स लिमिटेड (सीआईआरपी के अधीन)

पंजी. कार्यालय : बी-7/122ए, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली-110029
कार्पोरेट कार्यालय : सी-1,चन्द्रशेखरपुर, निकट बीडीए कालोनी, भुवनेश्वर, ओडिशा-751016
सीआईएन : एल74899डीएल1995पीएलसी069353, फोन : 0674-7107200, मेल आईडी : bidu.dash@ortelgroup.com

30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही और अर्द्ध वर्ष हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों (पृथक्कृत और समेकित) का संक्षिप्त विवरण (रूपए करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	पृथक्कृत			समेकित		
		तिमाही समाप्त			अर्द्ध वर्ष समाप्त		वर्ष समाप्त
		30-सित.-19 (अलेखापरीक्षित)	30-जून-19 (अलेखापरीक्षित)	30-सित.-18 (अलेखापरीक्षित)	30-सित.-19 (अलेखापरीक्षित)	30-सित.-18 (अलेखापरीक्षित)	31-मार्च-19 (लेखापरीक्षित)
1	प्रचालन से कुल आय (शुद्ध)	24.02	22.01	32.29	46.03	63.99	114.77
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, अपवाद तथा मदों से पूर्व)	-8.52	-10.97	-17.62	-19.48	-32.05	-51.22
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि), कर पूर्व (अपवाद मदों के बाद)	-8.52	-10.97	-17.62	-19.48	-31.11	-51.22
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि), कर पश्चात (अपवाद मदों के बाद)	-8.52	-10.97	-17.62	-19.48	-31.11	-51.22
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय/(व्यय), कर पश्चात खिजसमें अवधि हेतु लाभ/ (हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) शामिल है,	-8.55	-11.00	-16.50	-19.54	-29.47	-49.76
6	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रू. 10/- प्रति शेयर)	32.98	32.98	32.98	32.98	32.98	32.98
7	संचेय (पुनर्मूल्यन संचेय छोड़कर) जैसाकि पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित तुलनपत्र में दर्शाया गया है।	-	-	-	-	-	(53.39)
8	प्रति शेयर अर्जन (रू. 10/-प्रत्येक का) (जारी और बंद प्रचालनों हेतु) ('वार्षिककृत नहीं) मूल : तनुकृत :	*(5.46) *(5.46)	-3.36 -3.36	*(5.46) *(5.46)	*(9.64) *(9.64)	*(9.64) *(9.64)	-15.70 -15.70

नोट्स :-

(1) उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन और अन्य प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्जेज में प्रस्तुत किए गए तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त विवरण है। तिमाही वित्तीय परिणामों तथा खंड परिणामों का पूर्ण प्रारूप, सीमित पुनरीक्षण रिपोर्ट सहित स्टॉक एक्सचेन्ज वेबसाइट नामतः www.bseindia.com एवं www.nseindia.com तथा कम्पनी की वेबसाइट www.ortelcom.com पर उपलब्ध है। उपरोक्त परिणामों का पुनरीक्षण सांविधिक लेखापरीक्षकों, मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा मुख्य वित्तीय अधिकारी एवं कम्पनी सेक्रेटरी द्वारा 21 फरवरी, 2020 को आयोजित उनकी बैठक में और अनुमोदन कम्पनी के समाधान प्रोफेशनल द्वारा किया गया है।

(2) पूर्व अवधि हेतु आंकड़े, जहां कहीं तुलना सुविधाजनक बनाने के लिए आवश्यक समझा गया है, पुनर्समूहित/पुनर्वर्गीकृत किए गए हैं।

वास्ते ओरटेल कम्युनिकेशन्स लिमिटेड (सीआईआरपी के अधीन)
स्थान : कोलकाता हस्ता./-
तिथि : 22-02-2020 (कम्पनी सेक्रेटरी)

श्री श्रीगोपाल चौधरी ('आरपी') पंजीकरण सं. IBBI/IPA-001/IP-P01238/2018-2019/11893 के अनुमोदन द्वारा जारी किया गया (ओरटेल कम्युनिकेशन्स लिमिटेड ऋणशोध अक्षमता और दिवाला संहिता, 2016 की कार्पोरेट ऋणशोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया के अधीन है। इसके कार्यों, व्यवसाय और आस्तियों का प्रबंधन राष्ट्रीय कम्पनी विधि न्यायाधिकरण द्वारा आदेश दिनांकित 01 फरवरी, 2019 द्वारा नियुक्त समाधान प्रोफेशनल, श्री श्रीगोपाल चौधरी द्वारा संहिता के प्रावधानों के अधीन किया जा रहा है)

अफगानिस्तान में सप्ताह भर का संघर्षविराम शुरू

● जश्न मनाने के लिए सड़कों पर उतरे लोग

एएफपी। काबुल

अफगानिस्तान में छिटपुट हमलों के बीच शनिवार से एक सप्ताह का आंशिक संघर्ष विराम शुरू हो गया जबकि इसका जश्न मनाने के लिए लोग सड़कों पर उतर आए। इस संघर्ष विराम को अफगानिस्तान युद्ध का एक अहम मोड़ माना जा रहा है।

इससे पहले तालिबान, अमेरिका और अफगान बल हिंसा में तथाकथित कमी लाने पर सहमत हुए। अगर यह संघर्ष विराम बरकरार रहता है तो अफगानिस्तान में 2001 के बाद से जारी लड़ाई में यह दूसरा शांति काल होगा। काबुल में एक टैक्सी चालक हबीब-उल्ला ने कहा, यह पहली

सुबह है जब मैं आत्मघाती बम हमले में मारे जाने के डर के बिना बाहर निकला हूं। मैं उम्मीद करता हूं कि हमेशा ऐसा ही रहे। देश के अन्य हिस्सों में लोगों ने नाच कर संघर्ष विराम का स्वागत किया।

अफगानिस्तान के उत्तर में बल्ख प्रांत की राजधानी मजार-ए-शरीफ के निकट जिला मुख्यालय पर तालिबान लड़ाकों के हमले में दो सैनिकों की मौत हो गई। हमला मध्यरात्रि को हुआ, जब संघर्ष विराम लागू हो चुका था। वहीं मध्य उरुजगान प्रांत से भी हमले की खबर आ रही है। अफगानिस्तान में अमेरिकी और नाटो सेना का नेतृत्व कर रहे जनरल स्कॉट मिलर ने कहा कि पश्चिमी सेना हिंसा में कमी पर लगातार निगरानी रख रही है।

अफगानिस्तान में 10 वर्षों में एक लाख आम नागरिक हताहत: संरा

काबुल (एपी)। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में सामने आया है कि 18 वर्षों से युद्धग्रस्त अफगानिस्तान में पिछले 10 वर्षों में एक लाख से ज्यादा आम नागरिक मारे गए या घायल हुए। अंतरराष्ट्रीय संस्था ने 10 साल पहले युद्ध के हताहतों के बारे में जानकारी जुटानी शुरू की थी। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन की ओर से शनिवार को यह रिपोर्ट ऐसे समय में जारी की गई है जब अमेरिका और तालिबान के बीच हिंसा कम करने को लेकर सात दिन का समझौता प्रभावी हुआ है। इसी के साथ 29 फरवरी को शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने का रास्ता साफ हो गया है, जिसके बारे में अमेरिका को उम्मीद है कि इससे सबसे लंबा चला युद्ध समाप्त हो जाएगा, अमेरिकी सैनिक घर लौट आएंगे और युद्ध में लिप्त अफगान अपने देश के भविष्य पर चर्चा शुरू करेंगे। अफगानिस्तान के लिए महासचिव के विशेष प्रतिनिधि तादामिची यामामोतो ने कहा, अफगानिस्तान में कोई ऐसा आम नागरिक नहीं है जो जारी हिंसा से किसी न किसी तरीके से प्रभावित न हुए हैं।

अफगान समझौते का आकलन मुश्किल है

वाशिंगटन। अफगानिस्तान में अमेरिका के सबसे लंबे युद्ध के खत्म होने की सारी उम्मीदें यहां हुए हफ्ते भर के बेहद नाजुक संघर्षविराम को बरकरार रखने पर निर्भर है। इस समझौते के बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि इसका आकलन बेहद मुश्किल है और यह चुनौतियों से भरा हुआ है। क्या हो अगर आत्मघाती जैकेट पहने कोई एक आतंकवादी काबुल के बाजार में दर्जनों को मार दे या इस्लामिक स्टेट चरमपंथियों को लक्ष्य बना कर किए गए अमेरिकी हवाई हमले में तालिबान का कोई सदस्य मारा जाए तो क्या इससे समझौता खत्म हो जाएगा?

वेटिकन में शनिवार को एक निजी दौरे के दौरानपोप फ्रांसिस ने अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के साथ उपहारों का आदान-प्रदान किया, इस अवसर पर राष्ट्रपति की पत्नी मेहरबान अलीयेवा भी मौजूद रहीं।

विविध न्यूज

मस्जिद में चाकूबाजी को लेकर लंदन पुलिस ने बेघर को आरोपित किया

लंदन। लंदन पुलिस ने शनिवार को मस्जिद मे नमाज पढ़ रहे एक शख्स को चाकू मारकर घायल करने और अवैध चाकू रखने के मामले मे एक व्यक्ति को आरोपित किया है। संदिग्ध डेनियल होर्टन (29) को बेघर बताया गया है। डेनियल पर आरोप है कि उसने गुरुवार को नमाज के दौरान लंदन केन्द्रीय मस्जिद के मुअज्जिन रफत मगलाद को चाकू घोप दिया। लंदन अस्पताल मे इलाज के बाद शुक्रवार को मस्जिद लौटे रफत ने संवाददाताओं को बताया, मैंने उसे माफ कर दिया है। मुझे उसके लिए दुख है। मुस्लिम होने के नाते, मुझे अपने दिल मे कोई नफरत रखने की जरूरत नही है।

अमेरिका के टेक्सास में चाकू गोदकर तीन लोगों की मौत

सैन सेबा (अमेरिका)। अमेरिका के टेक्सास मे एक व्यक्ति ने एक किशोरी समेत तीन लोगो की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना शुक्रवार को तड़के हुई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी की कार का पीछा कर उसे गिरफ्तार कर लिया। टेक्सास जन सुरक्षा विभाग के अधिकारी ने कहा कि 18 वर्षीय युवती ने पुलिस अधिकारियो को फोन कर बताया कि उस समेत चार लोगो को किसी ने घर के भीतर चाकू मार दिया है।

पाकिस्तान में सुरक्षा अभियान में पांच आतंकवादी मारे गए

भाषा। पेशावर

पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने आतंकवादी हमले की कोशिश को नाकाम कर दिया और आत्मघाती हमलावर समेत पांच आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि देश के उत्तरपश्चिम क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान ए आतंकवादी मारे गए। आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) ने शुक्रवार को कहा कि पेशावर जिले के शगाई इलाके में सुरक्षा अभियान चलाया गया, जब जिले के करीबी परिसर में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी।

पेशावर के पुलिस अभियान के वरिष्ठ अधीक्षक जहूर बाबर अफरीदी ने बताया कि सीटीडी ने पेशावर जिले के मारथ्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत शगाई इलाके में आतंकवादी हमले की कोशिश नाकाम की और पांच आतंकवादियों को मार गिराया।

अफरीदी ने बताया कि आतंकवादी पेशावर के पास के जगाई पर्वत क्षेत्र से यहां घुसे थे ताकि आतंकवादी हमले को अंजाम दे सकें। आतंकवादियों के पास से विस्फोटक पदार्थ और हथियार बरामद हुए, और इसके अलावा तीन आत्मघाती जैकेट, दो पिस्तौल, दो हथगोले और तीन सबमशीन बंदूकें जब्त की गई हैं।

नाइजर सैन्य अभियान में 120 आतंकवादी ढेर

नियामे (एएफपी)। नाइजीरिया और फ्रांस की सेना के एक संयुक्त अभियान में दक्षिण पश्चिम नाइजर में 120 आतंकवादी मारे गए जिनके पास से बम बनाने के उपकरण और वाहन जब्त किए गए हैं। नाइजीरिया के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी।

बयान में कहा गया कि 20 फरवरी को माली और बुर्किना फासो की सीमा के पास टिलाबेरी इलाके में 120 आतंकवादी मारे गए जबकि नाइजीरिया या फ्रांस का कोई सैनिक हताहत नहीं हुआ है।

साओ पाउलो में एक कार्निवल परेड के दौरान ड्रैगोस दा रियल सांबा स्कूल का एक डांसर प्रदर्शन करते हुए

चीन में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 2,300 के पार, डब्ल्यूएचओ की टीम वुहान पहुंची

भाषा। बीजिंग

चीन में कोरोना वायरस प्रकोप के चलते 109 और मौतों के साथ इससे मरने वालों की संख्या 2,345 पर पहुंच गई है जबकि 76,288 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। चीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि कोविड-19 बीमारी के प्रकोप की जांच के फिलहाल देश में मौजूद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के विशेषज्ञ सर्वाधिक प्रभावित वुहान शहर का शनिवार को दौरा कर सकते हैं।

चीन के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को कुल 397 लोगों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है जबकि 31 प्रांतीय स्तर के क्षेत्रों से 109 लोगों की मौत होने की खबर मिली है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) की नियमित रिपोर्ट में शनिवार को कहा गया है कि शुक्रवार के अंत तक बीमारी से कुल 2,345 लोगों की मौत हो गई और देश भर के 76,288 लोगों में कोरोना वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार इनमें से 106 मौत वायरस के केंद्र हुबेई प्रांत में वहीं एक-एक मौत हेबई, शंघाई और शिनजियांग प्रांत में हुई है। प्रांतीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि हुबेई प्रांत में शुक्रवार तक 106 मौतों के साथ ही 366 और लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

इसमें बताया गया कि नई रिपोर्ट के मुताबिक सर्वाधिक प्रभावित प्रांत में 63,455 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। एनएचसी ने कहा पूरे चीन में वायरस से संक्रमित 20,659 मरीजों की हालत में सुधार आने के बाद शुक्रवार को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक तेदरोस अदहानोम ग्रेबेयसेस ने शुक्रवार की जिनेवा में मीडिया से कहा कि कोरोना वायरस प्रकोप की जांच के लिए वर्तमान में चीन में मौजूद अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की डब्ल्यूएचओ नीत टीम शनिवार को वुहान जाएगी।

सोमवार को चीन पहुंची 12 सदस्ईय टीम को शुरुआत में बस बीजिंग, गुआंगदोंग और शिचुआन प्रांत जाने की इजाजत थी जबकि बुरी तरह प्रभावित हुबेई प्रांत और उसकी राजधानी वुहान सूची में से गायब थे।

हालांकि चीनी सरकार ने अंतत: टीम को वुहान जाने की इजाजत दे दी। वायरस के प्रसार को नियंत्रित करने के अलावा डब्ल्यूएचओ टीम और उनके चीनी समकक्षों के पास सबसे बड़ा काम बीमारी के इलाज के लिए मानक दवा तैयार करने का है।

चीनी प्रधानमंत्री ली केकियांग बीजिंग में एक मास्क उत्पादन क्षेत्र का दौरा करते हुए।

क्रूज पर अब भी मौजूद भारतीय लोगों के कोरोना वायरस की होगी जांच: दूतावास

तोक्यो (भाषा)। जापान के तट से लगे डायमंड प्रिंसेज क्रूज जहाज पर अब भी मौजूद भारतीय लोगों की कोरोना वायरस की जांच जापान के अधिकारी अन्य देश के नागरिकों के साथ करेंगे।

तोक्यो में स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार को यह जानकारी ऐसे समय में दी है जब पृथक अवधि में स्वस्थ पाए गए लोग जहाज से अपने-अपने गंतव्यों की ओर रवाना हो चुके हैं। इस खतरनाक वायरस का कोई लक्षण नहीं दिखाने वाले लोग शुक्रवार को डायमंड पंरिसेस क्रूज जहाज छोड़कर गए।

मुख्य मंत्रिमंडल सचिव योशिहिदे सुगा ने बताया कि शुक्रवार को स्वस्थ लोगों के जाने के बाद भी अभी इस जहाज पर।,000 यात्री मौजूद हैं। जापान के तट पर जब यह जहाज अलग थलग कर लगाया गया था तब इस पर सवार 3,711 लोगों में से 138 भारतीय लोग थे जिनमें से 132 चालक दल के सदस्य और 6 यात्री थे। भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया है कि जापान के अधिकारी अन्य के साथ सभी भारतीय लोगों की सीवोवीआईडी-19 संक्रमण की जांच करंगे। दूतावास ने कहा है कि तोक्यो स्थित भारतीय दूतावास कामना करता है कि किसी में भी सीओवीआईडी19 का लक्षण न दिखे। अभी तक आठ भारतीय लोगों में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई है और उनका ईलाज जापान के एक अस्पताल में चल रहा है। दूतावास ने बताया कि संक्रमित भारतीय लोगों की स्थिति सुधर रही है।दूतावास ने ट्वीट किया, भारतीय नागरिकों के डायमंड प्रिंसेस क्रूज पर संक्रमित होने का कोई अतिरिक्त मामला कल (शुक्रवार) से सामने नहीं आया है।

अमेरिका में संक्रमित लोगों की संख्या 35 पहुंची

सैक्रामेंटो। जापान के अलग रखे गए क्रूज जहाज डायमंड प्रिंसेस से अमेरिका वापस लौटे कम से कम 18 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं और इसके साथ ही अमेरिका में इस वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 35 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग ने इसकी जानकारी दी। अमेरिका में 21 फरवरी को जो आंकड़े दिए गए हैं उनमें से तीन लोग ऐसे हैं जिन्हें वुहान से लाया गया था लेकिन बाकी सभी वैसे लोग हैं जो चीन की यात्रा करके आने के बाद बीमार पड़े है। इनमें से दो मामले ऐसे हैं जिसमें यात्रियों के संपर्क में आने से उनके जीवनसाथी में इसका प्रसार हुआ है।

इटली में कोरोना वायरस से दूसरी मौत के बाद दहशत, कुछ शहरों में पसरा सन्नाटा

कोडोगनो (इटली)। इटली में घातक कोरोना वायरस से दूसरी मौत के बाद कोडोगनो शहर में दहशत के कारण सड़कें सुनसान हो गई है। लोगों को अपने घरों में रहने को कहा गया है और सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं।

करीब 15,000 की आबादी वाले इस छोटे से शहर में आपात कमरे के बाहर प्रवेश निषेध का बोर्ड लगा दिया गया है। यहां आपात कमरे में तीन लोगों में इस विषाणु की जांच के नतीजे सकारात्मक आए हैं। उनमें 38 वर्षीय एक व्यक्ति को जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया है। इटली की समाचार एजेंसी अंसा ने शनिवार को खबर दी कि लोम्बार्डी क्षेत्र में इस विषाणु से दूसरी मौत हो गई। कोडोगनो इसी क्षेत्र में स्थित है। इटली के स्वास्थ्य मंत्री ने शुक्रवार को बताया कि कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए 78 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई है।

समाचार एजेंसी के मुताबिक दूसरे मामले में वायरस से एक महिला की मौत हुई है। रोम में संदिग्ध मामलों के बाद तीन लोगों का पृथक तौर पर उपचार चल रहा है। कोडोगनो में केवल एक बेकरी और दवा की एक दुकान खुली है। अन्य दुकानें बंद हैं। लोम्बार्डी में 16 लोगों के वायरस से प्रभावित होने की सूचना है। स्थानीय प्रशासन ने वायरस से निपटने के लिए त्वरित कदम उठाए हैं। उत्तरी इटली के कुछ इलाके में लोगों से घरों पर रहने को कहा गया है। सभी तरह के सार्वजनिक कार्यक्रम एक सप्ताह के लिए रद्द कर दिए गए हैं। कोडोगनो के मेयर फ्रांसिस्को पसेरिनी ने कहा कि वायरस के प्रसार के कारण स्थानीय लोग बहुत चिंतित हैं।

संयुक्त अरब अमीरात में संख्या बढ़कर 11 हुई

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात में कोरोना वायरस की जांच में दो और लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इसी के साथ यहां पीड़ितों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार इन दो पुरुष मरीजों में फिलीपीन का 34 वर्षीय व्यक्ति और बांग्लादेश का 39 वर्षीय व्यक्ति शामिल है। संयुक्त अरब अमीरात के स्वास्थ्य एवं रोकथाम मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि ए लोग कोरोना वायरस से पीड़ित चीन के एक मरीज से सीधे तौर पर संपर्क में थे।

ईरान में कोरोना वायरस से एक और मौत

तेहरान। ईरान में कोरोना वायरस के दस नए मामलों में शनिवार को एक और व्यक्ति की मौत हो गई जिससे इस्लामी गणराज्य में इस वायरस से मरने वालों की संख्या पांच हो गई जबकि इस विषाणु से 28 लोग प्रभावित हैं। स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता कियानौश जहानपौर ने सरकारी टेलीविजन पर बताया, सीओवीआईडी- 19 के दस नए मामले सामने आए हैं। इससे एक व्यक्ति की मौत भी हो गई। ईरान में सीओवीआईडी- 19 का पहला मामला बुधवार को सामने आया जब अधिकारियों ने बताया कि कॉम शहर में दो बुजुर्गों की मौत हो गई। पश्चिम एशिया में कोरोना वायरस से मौत की पहली बार पुष्टि हुई। जहानपौर ने कहा कि उसके बाद से ईरान ने 785 संदिग्ध मामलों की जांच की।

हाउडी, मोदी टीम ने नमस्ते ट्रम्प कार्यक्रम से अमेरिका-भारत संबंधों में सुधार आने की उम्मीद जताई

भाषा। ह्यूस्टन

बीते साल सितंबर में यहां ऐतिहासिक हाउडी, मोदी कार्यक्रम आयोजित करने वाली टीम का कहना है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की अगले सप्ताह भारत की पहली यात्रा द्विपक्षीय संबंध को सुधारने, कूटनीतिक संबंध मजबूत करने और मुक्त हिंद-प्रशांत के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का अवसर मुहैया कराएगी।

ट्रम्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर 24 और 25 फरवरी को भारत की यात्रा पर आ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प, उनकी बेटी इवांका ट्रम्प, दामाद जेरेड कुश्नर और शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों का एक समूह होगा। सोमवार को अहमदाबाद में ट्रम्प दुनिया के सबसे बड़े नव निर्मित क्रिकेट स्टेडियम मोटेरा में प्रधानमंत्री मोदी के साथ नमस्ते ट्रम्प कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। सितंबर में ट्रम्प और मोदी ने ह्यूस्टन में भारतीय-अमेरिकियों की महारैली हाउडी, मोदी में मंच साझा किया था। भारत में वे नमस्ते ट्रम्प के लिए मंच साझा करेंगे। स्टेडियम में रैली तक जाने के लिए रोड शो के लिए अहमदाबाद में ट्रम्प के स्वागत के लिए हजारों लोगों के आने की संभावना है। इस स्टेडियम में 110,000 दर्शकों के बैठने की जगह है। ह्यूस्टन, टेक्सास में हाउडी, मोदी के संयोजक जुगल मलानी ने एक बयान में कहा, हम जानते हैं कि नमस्ते ट्रम्प कार्यक्रम के आयोजक 24 फरवरी को होने वाले अपने सम्मेलन के लिए कितनी मेहनत कर रहे होंगे और हम कुछ दिनों में उनकी मेहनत का नतीजा देखने के लिए उत्साहित हैं।

सस्ते, छोटे हथियार कई आतंकवादी समूहों के पसंदीदा हथियार बन रहे हैं: संरा

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद रोधी प्रमुख ने कहा कि सस्ते और आसानी से मिलने वाले छोटे हथियार दुनियाभर में शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे कई आतंकवादी समूहों का तेजी से पसंदीदा हथियार बनते जा रहे हैं।

आतंकवाद विरोध के लिए संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव व्लादिमीर वोरोन्कोव ने कहा, छोटे हथियारों और हल्के अस्त्र-शस्त्र की अवैध तस्करी के खिलाफ अपर्याप्त अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया और साथ ही कमजोर सीमाओं से आतंकवादियों तथा अपराधियों को एक देश या क्षेत्र से दूसरी जगह अवैध हथियारों को ले जाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा, छोटे हथियार और हल्के अस्त्र-शस्त्र तेजी से दुनियाभर में कई आतंकवादी समूहों के पसंदीदा हथियार बन रहे हैं क्योंकि ए सस्ते और आसानी से उपलब्ध होने वाले, लाने-ले जाने, छिपाने और इस्तेमाल करने में सुविधाजनक हथियार हैं।

ऐसा कहा जाता है कि छोटे अवैध हथियारों और हल्के अस्त्र-शस्त्रों की तस्करी समेत आतंकवाद और संगठित अपराध के बीच संबंध अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है और यह सतत विकास में बाधा है।

समुदायों की आकांक्षाओं और जरूरतों के अनुसार खत्म होना चाहिए उपनिवेशवाद : गुतारेस

संयुक्त राष्ट्र (भाषा)। दुनियाभर में 17 गैर स्वशासित क्षेत्र बचे रहने पर संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि उपनिवेशवाद खत्म करना एक प्रक्रिया है और इसे उन क्षेत्रों में रह रहे समुदायों की आकांक्षाओं एवं आवश्यकताओं के अनुसार ही किया जाना चाहिए।

उपनिवेशवाद खत्म करने पर संयुक्त राष्ट्र की विशेष समिति के ताजा सत्र में गुतारेस ने शुक्रवार को कहा कि 1945 में संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से 80 से अधिक पूर्व उपनिवेशों ने आजादी हासिल की। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा, आज 17 क्षेत्र बचे हैं मुख्यत: उत्तर और दक्षिण अमेरिका तथा प्रशांत में। इनमें से कई ज्वलंत चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, उपनिवेशवाद खत्म करना एक प्रक्रिया है जिसे क्षेत्रों में रह रहे समुदायों की आकांक्षाओं तथा जरूरतों के अनुसार किया जाना चाहिए।

ओरटेल कम्युनिकेशन्स लिमिटेड (सीआईआरपी के अधीन)

पंजी. कार्यालय : बी-7/122ए, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली-110029
कार्पोरेट कार्यालय : सी-1,चन्द्रशेखरपुर, निकट बीडीए कालोनी, भुवनेश्वर, ओडिशा-751016
सीआईएन : एल74899डीएल1995पीएलसी069353, फोन : 0674-7107200, मेल आईडी : bidu.dash@ortelgroup.com

30 जून, 2019 को समाप्त तिमाही हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों (समेकित) का संक्षिप्त विवरण

(रुपए करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्त		वर्ष समाप्त
		30-जून-19 (अलेखापरीक्षित)	30-जून-18 (अलेखापरीक्षित)	31-मार्च-19 (लेखापरीक्षित)
1	प्रचालन से कुल आय (शुद्ध)	22.01	31.71	114.76
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर तथा अपवाद मदों से पूर्व)	-10.97	-14.42	-51.23
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि), कर पूर्व (अपवाद मदों के बाद)	-10.97	-13.48	-51.23
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि), कर पश्चात (अपवाद मदों के बाद)	-10.97	-13.48	-51.23
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय/(व्यय), कर पश्चात खंडिसमें अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय/(व्यय) (कर पश्चात) शामिल है,	-11.00	-12.96	-49.76
6	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रू. 10/- प्रति शेयर)	32.98	32.98	32.98
7	संचेय (पुनर्मूल्यन संचेय छोड़कर) जैसाकि पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित तुलनपत्र में दर्शाया गया है।	-	-	(53.39)
8	प्रति शेयर अर्जन (रू. 10/-प्रत्येक का) (जारी और बंद प्रचालनों हेतु)'			
	मूल :	-3.36	*(4.27)	-15.70
	तनुकृत :	-3.36	*(4.27)	-15.70

नोट्स :-

(1) उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन और अन्य प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्जेज में प्रस्तुत किए गए तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त विवरण है। तिमाही वित्तीय परिणामों तथा खंड परिणामों का पूर्ण प्रारूप, सीमित पुनरीक्षण रिपोर्ट सहित स्टॉक एक्सचेन्ज वेबसाइट नामत: www.bseindia.com एवं www.nseindia.com तथा कम्पनी की वेबसाइट www.ortelcom.com पर उपलब्ध है। उपरोक्त परिणामों का पुनरीक्षण सांविधिक लेखापरीक्षकों, सीईओ तथा सीएफओ एवं कम्पनी सेक्रेटरी द्वारा और अनुमोदन कम्पनी के समाधान प्रोफेशनल द्वारा 12 फरवरी, 2020 को आयोजित उनकी बैठक में किया गया है।

(2) पूर्व अवधि हेतु आंकड़े, जहां कहीं तुलना सरलीकरण के लिए आवश्यक समझा गया है, पुनर्समूहित/पुनर्वर्गीकृत किए गए हैं।

वास्ते ओरटेल कम्युनिकेशन्स लिमिटेड (सीआईआरपी के अधीन)

स्थान : कोलकाता — हस्ता./-
तिथि : 22-02-2020 — (कम्पनी सेक्रेटरी)

श्री श्रीगोपाल चौधरी ('आरपी') पंजीकरण सं. IBBI/IPA-001/IP-P01238/2018-2019/11893 के अनुमोदन द्वारा जारी किया गया (ओरटेल कम्युनिकेशन्स लिमिटेड ऋणशोध अक्षमता और दिवाला संहिता, 2016 की कार्पोरेट ऋणशोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया के अधीन है। इसके कार्यों, व्यवसाय और आस्तियों का प्रबंधन राष्ट्रीय कम्पनी विधि न्यायाधिकरण द्वारा आदेश दिनांकित 01 फरवरी, 2019 द्वारा नियुक्त समाधान प्रोफेशनल, श्री श्रीगोपाल चौधरी द्वारा संहिता के प्रावधानों के अधीन किया जा रहा है)

पायनियर
रविवार, 23 फरवरी, 2020

एजेण्डा

मैं सशक्त महिला कहानियों में गहरी रुचि है। मैं वो काम करना चाहती हूं जो पहले से मौजूद नहीं है
-नताली पोर्टमेन

लौट आया पारंपरिक
थाली का जमाना

अंतर्राष्ट्रीय पकवान शैली लंबे समय से अपने वर्चस्व का दावा करती आई है, मगर भारतीय थाली हमेशा भारतीय खानसामा की मौलिक पसंद रही है। इस संबंध में प्रत्यक्षतया उदार मगर अत्यंत संतुष्टिकारी थाली की पैरवी करती हैं श्रेया सोनी

भोजन से संबंधित मेरी जो पहली विशिष्ट याद रही है, वो है थाली वाला भोजन करना। हैदराबाद में, डैडी के साथ, अभिरुचि रेस्टोरेंट में, प्रवेश करते ही बायीं ओर की तीसरी टेबल पर। पोडी की टेकरी बनाने का रोमांच, तर्जनी से छेद बनाना, उसमें गर्म घी डालना और अन्नम यानी उबले सफेद चावल के साथ उसे मिलाना, टोमेटो पप्पू (टमाटर डाल कर बनी पारंपरिक आंध्रप्रदेश की दाल) तथा उसे फ्राइड पापड़ के साथ खाना। इस बात के बेखबर कि पोप कितना व्यस्त था या निरंतर है, साप्ताहिक थाली की परंपरा जारी रही।

इस पहल से , परंपरा आंध्र भवन की केंटीन की ओर गयी। दिल्ली में पुनर्स्थापना ने हमें विभिन्न क्षेत्रीय पाक विधियों के साथ प्रयोग करने का अवसर दिया, सभी को विशुद्ध रूप में थाली में प्रस्तुत किया गया। ''बाएं से दाएं की ओर जाएं '' या ''अपने हाथों से खाएं, यह परमानंदकारी है।'' या ''बेटा, पास्ता आएगा और चला जाएगा, मगर थाली हमेशा रहेगी'' जैसे खानपान परामर्श डिनर टेबल पर लिखे हुए थे। असलियत में, मेरा परिवार इंडियन फूड में स्टेनलेस स्टील की थाली में परोसना जारी रखे हुए है।

अंतर्राष्ट्रीय पाक शैली पहले से दबदबे व मालिकाने का दावा करती है, मगर भारतीय थाली हमेशा रसोइयों की मौलिक पसंद रहा है। अपने स्वाद के मुताबिक प्रत्येक रेस्टोरेंट स्थानीय एवं मौसमी थाली के उपयोग को अपना रहा है, कुछ ऐसा जो सदियों में थाली में रूपांतरित हुआ है। थाली जो देशी ढंग से खाना पकाने की तकनीकों की संपदा प्रदर्शित करती है- यानी खमीरयुक्त, नमकीन बनाकर, स्मोकिंग विधि, स्टीमिंग विधि, ग्रिलिंग विधि, अच्छी तरह तलकर,भूनकर, उबालकर, गुठना, घूटना विधि जैसी तकनीकों के जरिए, हालांकि यह सूची अनंत है।

सदियों पहले विदेशी शेफों ने अपनी स्वाद सूची में पैलेट क्लींजर को शामिल किया था, यह प्रत्येक भारतीय थाली में नजर आता था। हालांकि यह आमतौरपर समझी बात है कि उद्देश्य नामस्रोतीय है मगर थाली में पैलेट क्लीन्जर वैज्ञानिक है। यह अधिक स्पष्ट रूप में स्वादों की समझ प्रदान करता है, लेकिन इसे पेयजल की आवश्यकता रद्द करने के लिए प्रस्तुत किया गया है। भोजन के साथ पानी पीना पेट के स्वास्थ्य एवं पाचनकार्य के आयुर्वेदिक सिद्धांतों के विपरीत जाता है।

अपने बचपन की तरह ही अनोखे रूप में, हम कुछ सार्वभौमिक सत्य साझा करते हैं। बच्चे के रूप में, आपका मन गीले सीमेंट की तरह होता है और आप अपने माता पिता से अपनी प्राथमिकताएं ग्रहण करते हैं। किशोर के रूप में, वे प्राथमिकताएं अलग मोड़ अख्तियार करने लगती हैं और प्रयोगधर्मिता उस सीमेंट को खरोंचने का प्रयास करती है। लेकिन जब माता पिता द्वारा लगाया गया सीमेंट अम्बुजा और अल्ट्राटेक की तरह ही अधिक मजबूत होता है तो आप धीरे धीरे ठीक वही पकवान सुविधा तलाशते हैं जहां जड़ों, रुमानीपन, पारिवारिकता सभी की खोज आरंभ होती है। भोजन का एक कौर जो नानी की पुरानी मलमल साड़ी का स्पर्श, पिता के आफिस के लिए निकलते समय शेव के बाद की सुस्त ढिलाई , आपकी छेदयुक्त स्लिपिंग शर्ट की सुरक्षा जैसी भावना सा महसूस होने की तसदीक करता है। मैं पढ़ने के लिए इंगलैंड चली आई और मैनेजमेंट कंसल्टिंग में करियर की शुरुआत की और कोई भी सप्ताह भारतीय भोजन के बिना नहीं था। अदभुत ढंग से लोकप्रिय करी हाऊसेज के बिना कुछ नहीं था। लेकिन यहां मसाला जोन डोसा तथा कोर बिजार तरामी ने सुनिश्चित किया कि अंग्रेजी आसमानों के भूरापन नीला नजर आए। हालांकि मैं अपने तीसरे नेत्र के विस्तार के लिए अपनी जिज्ञासु रुचि को श्रेय देती हूं, मगर यह थाली है जिसने सचमुच मुझे जीवन के सिद्धांत पढ़ाए हैं।

जीवन शिक्षा -1
संतुलन सबकुछ है

अमरीकी लेखक, थामस मेर्टन कहते हैं कि खुशी तीव्रता का मामला नहीं है, बल्कि संतुलन, क्रम, लय व समन्वय का मसला है। यह अद्भुत है कि कितने सधे ढंग से परस्पर परिवर्तनशील खुशी इस कथन में थाली से मेल खाती है। विशिष्ट रूप में, भारतीय थाली - मीठा, खट्टा, मसाला, नमक, कड़वा और कसैला- जैसे छह फ्लेवरों के साथ विशुद्ध रूप में लयबद्ध सहजीविता वाला संतुलित भोजन है। थाली विज्ञान और कला का समन्वय है, साझी संस्कृति की वैज्ञानिक प्रस्तुति तथा फ्लेवरों व टेक्सचरों का संतुलन है। जीवन की तरह, थाली न तो बहुत छोटी होती है, न बहुत बड़ी। यह बहुत सटीक होती है, चाहे आप इसे जानते हों या न जानते हों।

जीवन शिक्षा- 2
संवेदनशीलता के साथ उपभोग

अपनी प्रदूषित धरती को नजरंदाज करना धीरे धीरे कठिन होता जा रहा है और यह कहने का कोई आपात समय नहीं है कि हमें धरती को हृदय में तथा अपनी खानपान शैलियों के मूल में रखने की जरूरत है। पारंपरिक रूप में, थाली आंशिक नियंत्रण, शून्य बर्बादी की पैरवी करती है, और अगर इसे केले की पत्ती (मेरी सर्वाधिक पसंदीदा) पर परोसा जाता है तो पत्ती को फिर धोया जाता है और गायों को खिला दिया जाता है। भोजन का मिश्रण आयुर्वेद में उल्लेखानुसार, तीन आंतरिक ऊर्जाओं- वात, पित्त और कफ- के साथ संयोजित किया जाता है। थाली आयुर्वेदिक सिद्धांतों का उपयोग करती है ताकि मौसमी एवं स्थानीय तत्वों की अनुवांशिक अच्छाई को संरक्षित किया जा सके। इसमें संतुलन, एकता और पोषण है जिसमें प्रत्येक भोजन विज्ञान, तकनीक एवं संवेदना के बीच सुखद स्थान प्राप्त करता है।

जीवन शिक्षा-3
वर्तमान में रहें

जीवन की तरह, थाली आपको आकर्षित करती है, हर तरह से सक्रिय व भागीदार बनाती है। मुझे अभी भी किसी ऐसे से मिलना है जो थाली की प्रत्यक्ष समृद्धि से प्रत्यक्ष प्रभावित न हुआ हो या विभिन्न व्यंजनों को परखते हुए अधिक एकाग्रचित्त खामोश नजर आता है। आम तौर पर चुप्पी ऐसे लोगों से चिन्हित होती है जो व्यंजन विधियों को उलटते पलटते हैं या रसोई की परंपराओं को समझाते हैं। कैसे उनकी कश्मीरी दादी हमेशा सरसों के तेल से खाना बनाती हैं या धीमी आंच पर मखाने की खीर बनाने का पारंपरिक तरीका या फिर इस मिठाई वाले बर्तन के तले पर दूध की मोटी परत या खुरचन को धीरे धीरे निकालना। विरासत व तकनीकों की यह पुनर्खोज एकाग्रता के प्रत्येक अर्थ में ध्यान आकर्षित करती है। बहुत पुरानी कहावत के तौर पर कहा जा सकता है, कि यदि विशालकाय केजो प्रोडक्शन के साथ मेल खाता कोई भोजन है तो वह थाली ही होगी। बल्कि भरपूर तत्वों के साथ।

मेरी कंपनी, डीएसएससी (डेल्ही सीक्रेट सपर क्लब), देश भर के खानपान तजुर्बों को बनाती है व उन्हें लोगों के बीच परोसती है। हमें प्रतीभाशाली रसोइयों, अनेक घरेलू स्तर पर निर्मित उत्पादों तथा उनमें से कुछ विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय ब्रांडों के साथ काम करने का सौभाग्य हासिल हुआ है। हर सप्ताह, हमारे अकाऊंटेंटों की तेजतर्रार व योग्य टीम अपने पास प्रस्तुत होने वाली इनवायस कमेंट्री से जूझती नजर आती है। पेरुविचन फूड फेस्टिवलों के लिए बिल बनाने से लेकर इंफ्लूएंसर मार्केटिंग बिलों पर निवेश की

बोहरी थाली हमें सामुदायिक खानपान का आनंद सिखाती है, बंगाली थाली हमें शुक्तो (कड़वी लौकी वाली मिक्स सब्जियों से तैयार व्यंजन) के साथ भोजन की शुरुआत करने के लिए प्रोत्साहित करती है, एक खसी रसोई हमें भापयुक्त व खमीरयुक्त पाक विधि का ज्ञान प्रदान करती है, कायस्थ रसोई गंगा जमुनी साझी संस्कृति का उत्सव मनाती है, राजस्थानी थाली ताजा उत्पाद के प्रत्यक्ष उपयोग से बने व्यंजन पेश करती है।

वापसी की समझदारी के बीच, एक मासूम सवाल पूछा जाता है, वो इस बारे में कि हम क्यों कभी थालीयुक्त भोजन की शुरुआत करते हैं। इससे पहले कि हम उनकी मार्केटिंग चतुराई (प्रभाव डालने वालों के प्रति संदिग्धता) की तारीफ करें, कृपया जान लें कि इसे फादर डियर द्वारा खामोश प्रोत्साहत मिला था। परम थाली प्रेमी, वो आदमी जिसने प्रत्येक स्थानीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अवकाश पर साझा थाली की तलाश करने में बेचारी मदर को मनाने में सफलता पाई है। चाहे पुणे में, या पेरिस या आइसलैंड में हो, इंसान अपने खुशदिल भोजन, थाली के साथ जुड़ने का तरीका ढूंढ़ लेता है।

सभी स्थानीय एवं मौसमी वस्तुओं के शौकीन, हमने क्षेत्रीय भारतीय रसोई- इतिहास, विकल्पों, तकनीकों, सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, व बिजनेस- का अध्ययन करना शुरू किया। यह रोमांच, जिसने मुझे प्रेरित किया था, थाली परंपरा के नाम से, प्रसिद्ध भारतीय थाली के विश्व के पहले क्यूरेटेड उत्सव की शुरुआत बन गया। भारतीय थाली का जटिल सांचा भूख की संतुष्टि से परे जाता है, यह प्रामाणिकता, विविधता एवं सांस्कृतिक खोज का प्रबल प्रवाहमान उत्सव है। दो सफल संस्करणों के बाद, हमने भारत के ढाबों व संपदा के बारे दो चीजें सीखीं।

1- ढाबा प्रयोग में भी अंतरंगता तलाशता है

आज चल ढाबा समुदाय को लेकर काफी कहा गया है, भले ही यह भारी डिस्काऊंट के प्रति उनका हानिकारक आकर्षण ही हो। लेकिन तब एक बार फिर, वे व्यंजन मैन्यू, नेटफ्लिक्स से जुड़े डिलीवरी ज्वाइंट्स, सौदों आदि में होंगे, जो भोजनालयों के असीम विकल्पों वाली सतहों पर उभरते बाजार में नहीं होते हैं। हालांकि, इस संदर्भ में मेरा अपना अलग मानना है। हो सकता है उदारीकरण ने खपत में उत्साह पैदा किया है, लेकिन इसने ढाबे के उस बुनियादी स्वरूप को नहीं बदला है जो अंतरंगता चाहता है। आप जितना भी अग्रगामी हो जाएं, एकांत अक्सर विशिष्ट तत्वों, अनाजों, खुश्बूओं में पाई जाती है। भारतीय ढाबा पिछले पांच सालों में अद्भुत ढंग से उभरा है, जिसमें वैश्विक पाक विधियों व खाद्य तकनीक के प्रति रुझान बढ़ा है। लेकिन इसने 2018 और 2019 में, थाली उत्सव का भी उपलब्धता के तीन दिनों के भीतर बिकना सुनिश्चित किया है।

2- भारत की संपदा उसकी जन-विविधता व परंपराएं हैं

देवदत्त पटनायक बिलकुल सटीक कहते हैं कि संस्कृत को नष्ट करने का सबसे अच्छा तरीका है कि रसोई को नष्ट कर दिया जाए। रसोइयां समुदाय को जन्म देती है, परंपरा को पोषित करती हैं और महत्वपूर्ण पाककला धरोहर का संरक्षण करती है। मैं अपनी धरती के मूल इलाकों द्वारा प्रस्तुत विविधता के प्रति अभिभूत हो जाती हूं। विभिन्न राज्यों को भूल जाएं, एक ही अरहर की दाल 200 मीटर की दूरी वाली रसोइयों में अलग-अलग ढंग से बनाई जाती है। बोहरी थाली हमें सामुदायिक खानपान का आनंद सिखाती है, बंगाली थाली हमें शुक्तो (कड़वी लौकी वाली मिक्स सब्जियों से तैयार व्यंजन) के साथ भोजन की शुरुआत करने के लिए प्रोत्साहित करती है, एक खसी रसोई हमें भापयुक्त व खमीरयुक्त पाक विधि का ज्ञान प्रदान करती है, कायस्थ रसोई गंगा जमुनी साझी संस्कृति का उत्सव मनाती है, राजस्थानी थाली ताजा उत्पाद के प्रत्यक्ष उपयोग से बने व्यंजन पेश करती है।

रितु डालमिलया अपने इटेलियन आहार के लिए प्रसिद्ध हैं, लेकिन उनकी जड़ें उनके कलकत्ता-मारवाड़ी परिवार में हैं। वह स्पष्ट करती हैं,''मारवाड़ी हमेशा स्वभाव में घूमंतू रहे हैं और उनमें से अधिकांश राजस्थान, कलकत्ता, सूरत, नागपुर में बसे हैं, खासतौर पर वहां जहां वे पैसा कमा सकें। हालांकि राजस्थानी व्यंजन सूची में गट्टा, चक्की, पापड़ मांगर, सांगर शामिल होते हैं, मगर मारवाड़ी भोजन जबरदस्त ढंग से उस इलाके से प्रभावित होता था जहां वे बस जाते थे। उदाहरण के लिए, प्रत्येक मारवाड़ी घर में बनने वाली प्रसिद्ध आलू कुम्दा की सब्जी पर पंज पोरन के उपयोग के कारण बंगाली प्रभाव होता है।'' समूचे देश के घरों व रसोईघरों से लेकर राज्य भवनों व चोखी धानी जैसी जन अवधारणाओं तक, थाली ने पाक कला इतिहास व संस्कृति के पन्नों में गहरी उपस्थिति बनाए रखी है। यह कहना मूर्खतापूर्ण होगा कि यह वापसी कर रही है या एफ एंड बी बिजनेस में एक उल्लेखनीय केस स्टडी बन रही है। हालांकि कुछ इसे आज के लोगों के अनुकूल (गौरतलब है कि यह हमेशा ग्लूटन फ्री रही है, कृपया मूर्ख मत बनें) बनाने की चुटकी ले रहे हैं, कुछ इसे प्रामाणिक थाली का अधपका संस्करण बता रहे हैं और इसी चलन को हवा दे रहे हैं, मगर दुनिया भर में अनेक निरंतर इसके प्रति अपनी प्रत्यक्ष उदारता, दिखाते हुए गहन प्रेम रखते हैं, यानी जुनून की हद तक नहीं, मगर सहज संतुष्टिदायक थाली के रूप में वे इसकी पैरोकारी करते हैं।

पति से पूछती हूं। उन्होंने क्योटो में थाली में भोजन करती पत्नी पर देखते हुए अधिकांशतया शादी को , शादी उपरांत जापान में हनीमून पर, अधिक महत्व किया। भोजन की तरह, थाली से जरूर प्यार करें।

- लेखिका प्रबंधन सलाहकार से क्यूरेटर व फूड उद्यमी बनी हैं। वह डीएसएससी, नामक अनुभवात्मक मार्केटिंग एजेंसी की संचालिका हैं।

उचित ढंग से समझने पर, कर्म सिर्फ एक तरीका है जिसके जरिए चेतना नजर आती है
- दीपक चोपड़ा

ज्योतिष और भाग्य संकेतक

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

एक दिन दर्शनशास्त्र के एक प्रोफेसर ने आकर पूछा कि उनकी जिद्दी स्वभाव की बेटी के भाग्य में क्या लिखा है। अपने शुरुआती वक्तव्य में उन्होंने कहा: ''मेरी किशोर आयु की बेटी जिद्दी, गर्ममिजाज, और चिड़चिड़ी है, और वह अपनी तीखी टिप्पणियों से किसी को भी नाराज कर सकती है। वह स्वभाव से सभी सामाजिक आचार व्यवहार को खारिज करने वाली है। उसका आचरण हमारी चिंता का कारण बन रहा है। महोदय, एक मित्र की सलाह पर, जो कि लंबे समय से आपका कॉलम पढ़ता आया है, हम अपने प्रश्नों का उत्तर तलाशने आपके पास आए हैं।''

उन्होंने पूछा, ''हालांकि, उसके राशिफल के अध्ययन से पहले, मैं आपसे विनती करता हूं कि कृपया ज्योतिष की क्षमता संबंधी मेरे संदेहों को दूर करें। गृह किस प्रकार धरती से इतनी दूर रहकर, हमारे जीवन को प्रभावित कर सकते हैं, और यह भी कि वे विभिन्न लोगों पर विभिन्न प्रकार से प्रतिक्रिया भी कर सकते हैं। राशिफल की काल्पनिक छवि किस प्रकार हमारी जीवन शैली को प्रभावित कर सकती है? एक ऐसी दुनिया में, जो निरंतर हर क्षण बदलती रहती है, इंसान का भाग्य किस प्रकार तयशुदा अर्थों में परिभाषित किया जा सकता है? और यदि जीवन का समूचा क्रम पूर्वनिर्धारित दायरे से बंधा हुआ है, तो इंसान के हाथों में क्या शेष रह जाएगा? क्या सजग प्रयासों के जरिए अपने दृष्टिकोण को बदलना संभव है?''

वैसे, गृह ब्रहमांड में परिक्रमा करती भौतिक वस्तुओं के रूप में नहीं देखे जाते हैं जो हमें अपनी गुरुत्वाकर्षण शक्ति से प्रभावित कर रहे हैं। यहां यह उल्लेखन करना उचित रहेगा कि गृह का ऊर्जा गेंद के रूप में देखने की आवश्यकता है- ऊर्जा प्रवाह के चिन्हक के रूप में जो केन्द्र में उस गृह के साथ एक खास क्षेत्र से गुजर रहा है। राशिफल चिन्ह को पुन: एक विशेष संरचना में ऊर्जा उत्सर्जित करते समूहबद्ध तारों के समूह से पहचाना जाता है। और विशेष गृह या राशिफल चिन्ह से चिन्हित ऊर्जा प्रवाह अन्य गृहों से पहचाने गए अन्य चिन्हों से भिन्न होगा।

भारतीय दर्शन के विभिन्न अनुशासनों से परिचित होने के कारण, आप जानते होंगे कि आदिकालीन स्रोत से प्रेरित ऊर्जा प्रवाह क्रमिक विकास क्रम का पालन करते हैं, जो बाद में नाम व प्रारूपों की दुनिया में प्रकट हुए। इसलिए दुनिया में मौजद सभी प्रारूप, परम स्रोत से उत्पन्न समस्त स्रोत- ब्रहमांड के ऊर्जा तालवृंद में निहित हैं।

यहां पुन:, वैज्ञानिक रूप से स्थापित किया गया है कि सामान्य स्रोत से उत्पन्न हो रहे ऊर्जा तत्व शेष के साथ तत्काल व गहन जुड़ाव में हैं। इसलिए ऊर्जा संरचना में देखकर, समूची दुनिया एक एकीकृत संरचना के रूप में नजर आती है।

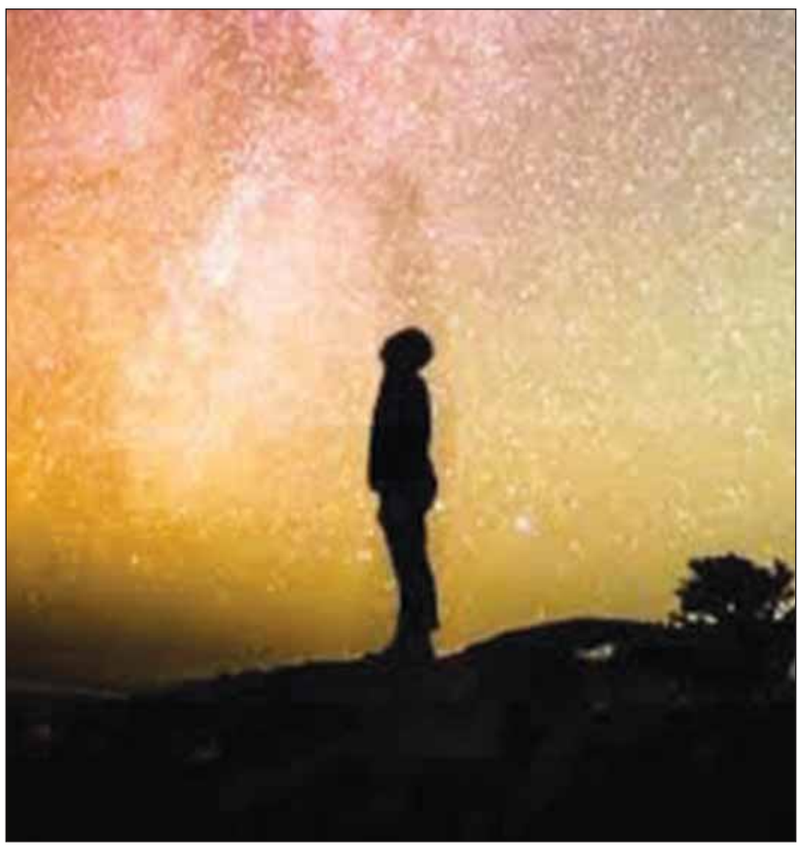

जीवन के इस तथ्य को समूचे विश्व की पैरवी करने वाले अश्वत वृक्ष के प्रतीक के जरिए कठोपनिषद में रेखांकित किया गया है।

यहां मैं एक आस्ट्रेलियाई भौतिकविद पॉल डेवीस के आंकलन का उल्लेख करूंगा: ''एक सीधे सादे व्यक्ति के लिए, दुनिया चीजों का संग्रह है। क्वांटम भौतिक विद के लिए, यह दुनिया ऊर्जा शैलियों का एक अखंड संजाल है, जहां किसी भी तत्व का समष्टि से स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है, उस समष्टि में जो शामिल है वो परमशक्तिमान है।''

इस तरह, यह स्पष्ट होता है कि सृष्टि के एक छोर पर यदि कोई बदलाव होता है, तो उसकी प्रतिध्वनियां सुदूर एवं व्यापक दायरे तक जाएंगी। और हम जानते हैं कि सृष्टि में समस्त ऊर्जा गोले निरंतर गतिमान रहते हैं। धरती के संदर्भ में देखने पर, जो लगभग 30 किमी प्रति सेकेंड की तीव्र गति से घूम रही है, सृष्टि में जागृत ऊर्जा पुंज हर क्षण व्यापक स्तर पर भिन्न होंगे। वृहद दुनिया का हिस्सा होने के कारण, हम उस निरंतर ग्रहीय बदलाव से प्रभाव से बच नहीं सकते।

ज्योतिष का प्रभाव इस प्रकार स्थापित होता है, क्योंकि यह व्यक्ति के जन्म के समय सृष्टि के ऊर्जा मापन पर आधारित है। जो व्यक्ति के अनुवांशिक मन की मूल संरचना पर प्रतिक्रिया करता है, जो जीवन के संभावित प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालता है। हालांकि, जो तीन विविधताओं- काल, पात्र व समय का विषय है।

काल कुल मिलाकर परिस्थितिगत हालत की चर्चा करता है। पात्र उन समस्त बदलावों के साथ वैयक्तिक प्रवृत्तियों पर प्रतिक्रिया करता है जिनसे होकर अभी तक वो व्यक्ति गुजर चुका होता है। समय यहां संभावित नीयति संकेतक की बात करता है। इसलिए व्यक्ति पूरी तरह नीयति संकेतकों से बंधा नहीं है। लेकिन हम किस प्रकार सृष्टि में ऊर्जा बदलावों पर प्रतिक्रिया करते हैं यह हम पर निर्भर है। यहीं पर स्वेच्छाशक्ति की ताकत अपनी भूमिका निभाती है, और जिसका यदि उचित ढंग से उपयोग किया जाता है तो यह सजग प्रयासों के जरिए अपेक्षित को लाने में सहायता कर सकती है।

अंत में, ज्योतिष नीयति के क्रम में बदलाव की पर्याप्त संभावना का अवसर देती है। याद रखें, ऊर्जा एक दोधारी तलवार का काम करती है- यदि उचित उपयोग किया जाता है तो यह उत्पादक हो सकती है और जब दुरुपयोग किया जाता है तो यह आत्महंता साबित हो सकती है। आवश्यकता इस बात की है कि इंसान की स्वेच्छाशक्ति का उसकी अनुवांशिक प्रवृत्तियों पर आत्ममंथन करने, उनकी पहचान करने तथा अपनी कमजोरियों को स्वीकार करने में उपयोग किया जाए। इन्हें जानने के बाद, व्यक्ति शैक्षणिक जानकारी की सहायता से आवश्यक बदलाव करने का सचेतन विकल्प चुन सकता है।

विमर्श जारी है.....

बचा जा सकता है मुख के कैंसर से

मुख का कैंसर भारतीय उपमहाद्वीप में एक प्रमुख कैंसर है। देश में यह शीर्ष तीन प्रकार के कैंसर के रूप में है। भारत में आयु समायोजित दरों का मुख

कैंसर सर्वाधिक है, जो क प्रति एक लाख की आबादी में 20 तथा देश में सभी कैंसररोगियों का तीस फीसदी हिस्सा हैं। मुख कैंसर भारत में महत्वपूर्ण जन स्वास्थ्य महत्ता प्राप्त रोग है। पहला तो इसका जानकारी बहुत बाद के चरणों में मिलती है जिसके कारण परिणाम में कमी आती है और उन मरीजों पर भारी उपचार का खर्च आता है जो इस प्रकार के उपचार का खर्च वहन नहीं कर पाते। दूसरा, मध्यम व निम्न आय वाले ग्रामीण इलाकों की प्रशिक्षित प्रदाताओं व सीमति स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच नहीं बन पाती है। नतीजा होता है कि विलंब आम तौर पर मुख कैंसर के उपचारहीन अवस्थाओं में पहुंच जाने का जरिया बन जाता है। मुख कैंसर की शुरुआती पहचान दूरगामी बचाव का सर्वोत्तम अवसर प्रदान करती है और इसमें बेहतर उपचार परिणाम व सस्ते उपचार की संभावना बनती है। तीसरा, मुख कैंसर निम्न सामाजिक आथिक वर्ग के लोगों को अधिक प्रभावित करता है जो कि अक्सर तंबाकू सेवन के संपर्क में आ जाते हैं। इसके रोकथाम के उपाय इस प्रकार हैं:

- तंबाकू खाना बंद कर दें।
- अगर पूरी तरह छोड़ न पाएं, तो संतुलित मात्रा में शराब का सेवन करें।
- दांत के डाक्टर से नियमित दांतों की जांच कराएं। डाक्टर से समूचे मुंह की जांच में असामान्य क्षेत्रों की विशेष जांच करने का आग्रह करें, जो मुख कैंसर या कैंसर संबंधी बदलाव इंगित कर सकते हैं।

दुनिया के विभिन्न हिस्सों में चल रहा सांप्रदायिक या धार्मिक टकराव हमें याद दिलाता है कि धर्म ने जो उपदेश दिया है और उसके अधिकांश अनुयायियों ने असलियत में कैसा आचरण किया है के बीच भयानक बेमेल रहा है।

दो पूर्व एशियाई देशों के बीच चले आ रहे निरंतर टकराव, साथ ही साथ दो खाड़ी देशों के बीच अनसुलझे विवादों पर नजर डालें तो व्यक्ति एक ही नतीजे पर पहुंचता है कि धार्मिक उपदेशकों व अनुयायियों ने धर्म के अर्थ को उसके विरोधियें की तुलना में ज्यादा हानि पहुंचाई है। अंधी आस्था, अनर्थ एवं थकाऊ प्रथाएं, अनावश्यक शारीरिक तकलीफें, रुखापन एवं मतांधता, ईश्वर की

राजयोगी ब्रम्हकुमार निकुंज जी का कहना है कि हमें आध्यात्मिक प्रेम व भाईचारे का धर्म बनाने की जरूरत है जो स्त्रियों, पुरुषों व बच्चों को शांति, सद्भाव व भावना से भरपूर एक नयी दुनिया का निर्माण करने के लिए प्रेरित कर सके

सच्ची पहचान जैसे ऐसे महत्वपूर्ण विषयों पर धार्मिक उपदेशकों के बीच कभी न पटने वाली खाई, वैचारिक कट्टरता, सकुंचित नजरिया व असहिष्णुता लोगों की मानसिकता में जड़ता पैदा करने वाले कुछ जिम्मेदार कारक हैं। परिणाम स्वरूप, धर्म अनुत्प्रेरक बन गया है। हालांकि पश्चिम के साथ पूरब में भी मंदिरों, मस्जिदों, मठों, विहारों व चर्चों का कोई अकाल नहीं है, मगर इन स्थानों के दर्शन करने वाले भक्तों की संख्या उल्लेखनीय ढंग से घटी है, जो स्पष्ट इंगित करता है कि धर्म धीरे धीरे अपना आकर्षण

सार्वभौमिक सत्य की खोज में

खोता चला गया है।

हालिया तौर पर, आम आदमी की दृष्टि में यह सामने आया है कि अधिकांश धार्मिक उपदेशकों के पास ईश्वर संबंधी कोई भरोसेमंद अनुभव नहीं होता है, न ही उनमें किसी प्रकार की समरुपता है, यहां तक आत्मा जैसे बुनियादी विषयों के बारे में। वे न तो तार्किक ढंग से धार्मिक सत्य की व्याख्या कर सकते हैं, न ही दूसरों को अपने खुद के व्यवहारिक उदाहरणों से प्रेरित कर सकते हैं। इस सबने स्वाभाविक तौर पर लोगों को, आध्यात्मिकता के साथ साथ धर्म से खुद को दूर करने के मुकाम पर पहुंचाया है।

हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं होता है कि धर्म ने अपनी उपयोगिता या अपनी अनिवार्यता खो दी है। यदि धर्म वैज्ञानिकों, राजनेताओं व आम तौर पर लोगों की मनों से अपना प्रभाव खो देता है जैसा कि इसने खोया है, दुनिया जल्द एक अघोषित आपदा का सामना करेगी।

यह बहुत पुरानी बात नहीं थी जब स्वामी विवेकानंद ने विश्व धर्म की अवधारणा तथा समाज में उसकी आवश्यकता पर चर्चा की थी। उन्होंने इंसान के स्वभाव को आकार दिया जो दुनिया को ईश्वर तक पहुंचने की खोज में अधिक लगा रहा है। इसीलिए, दुनिया आज एक ऐसे धर्म की अपेक्षा कर रही है जो सभी को स्वीकार्य हो, जो अपनी संभावना व शिक्षाओं में सार्वभौमिक हो, और जो एक एकीकृत शक्ति के रूप में काम करता हो। समय की आवश्यकता है कि आध्यात्मिक प्रेम व भाईचारे का धर्म बनाया जाए जो पुरुषों, स्त्रियों व बच्चों को शांति, सद्भाव व भावना से भरी एक नयी दुनिया बनाने के लिए प्रेरित कर सके।

समाज में विभिन्न समस्याओं को देखें तो यह स्पष्ट है कि आध्यात्मिकता इनसे आसानी से निपट सकती है। उदाहरण के लिए, अधिक जनसंख्या, छेड़छाड़, आपराधिक हमले व अनैतिकता जैसी समस्याएं इंसान की बेचैनी व वासना का परिणाम हैं। आर्थिक शोषण, घूसखोरी, अनैतिकता आदि, इंसान के लालच का परिणाम हैं। सारे युद्ध व हिंसक कार्य इंसान के क्रोध का नतीजा हैं। सुस्ती या आलस के कारण अनेक देश राष्ट्रों के शिष्टाचार में पिछड़े हैं। इन सारी बुनियादी बुराइयों को धर्मों से मान्यताप्राप्त है लेकिन इनका सफाया करने के ऐसे अनेक तरीके हैं यदि इंसान इनके बारे में सोचता है। असलियत में, यह पाया गया है और गहन शोध आधारित है कि आसान योग एकमात्र समाधान है जो इंसान का मानसिक प्रदूषण खत्म कर सकता है। और यदि इंसान ऐसे कठिन समय में भी आध्यात्मिकता और ज्ञान, शुद्धता व योग का पालन नहीं करता है, तो धीरे धीरे, युद्धों व परमाणु हथियारों की संख्या इस भ्रष्ट समाज में दबंग बुराई का राज कायम करेगी और दुनिया को नष्ट कर देगी। अब यह हम पर निर्भर है कि हम कौन सा रास्ता चुनते हैं।

दादी का कहना

मौसम बदल रहा है और यह अपनी सामान्य समस्याएं लेकर आता है- मसलन सूखा गला, कफ और खांसी। रोशनी देवी बताती हैं कि कैसे घरेलू उपचार दर्द, खुजली और गले की खिचखिच से आराम दिला सकते हैं।

गले में खराश हो रही है? जब आप कुछ गटकते हैं तो दर्द होता है? इन समस्त संभावनाओं में आपका गला खुश्क है जो कि मौसम के बदलाव के दौरान होने वाली एक आम बिमारी है। हालांकि गले में खिचखिच व खराश दर्दनाक हो सकती है, मगर कई

ऐसे तत्व है जोकि हमारे किचन में मौजूद होते हैं, जिनसे हमें आराम मिल सकता है। याद रखने वाली सबसे बड़ी बात यह है कि व्यक्ति को गर्म पानी पीए। सूप, हर्बल चाय या शहद के साथ सादा गर्म पानी भी खुश्क गले से आराम दिला सकता है। फ्लेवर के तौरपर मिंट व अदरक को भी शामिल किया जा सकता है। हर कोई नमक के पानी के गरारे करने के लिए क्यों कहता है, इसका कारण है। इसलिए गिलास में आधा चम्मच नमक मिला हुआ गर्म पानी का घोल बनाकर पीएं। नमक की तरह, नींबूं जिसमें विटामिन सी होता है जो प्रतिरक्षण तंत्र बढ़ाने में सहायता करता है और संक्रमण से लड़ने में अधिक शक्ति प्रदान करता है। गर्मपानी के गिलास में एक चम्मच नींबू का जूस मिलाएं और तत्काल राहत के लिए पीएं। कहते हैं उपचार से बेहतर है रोकथाम। अगर गला खुश्क होने के संकेत मिलते हैं तो अदरक मिले एक कप पानी में एक-दो चम्मन एपलसीडर विनेगर मिलाएं। और हर एक घंटे में इसका सेवन करें। गरारे करने के सत्रों के बीच अधिक मात्रा में पानी पीएं।

इस हफ्ते आपका भविष्य
मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

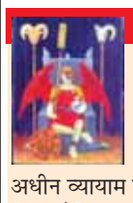

अपनी जीवनशैली में सुखद बदलाव लाएं, और अपनी स्वास्थ्य स्थिति सुधारने के प्रयास करें। आपको विशेषज्ञ के अधीन व्यायाम करने या यह सुनिश्चित करने के लिए पौष्टिकता संबंधी शिक्षा की जरूरत है कि आप अच्छा खा रहे हैं। बाहरी गतिविधियों की ओर ध्यानाकर्षित होगा। कार्यस्थल पर, आप अपने अधिकारियों व सहकर्मियों से प्रशंसा प्राप्त करेंगे। कार्य वातावरण मैत्रीपूर्ण रहेगा जिससे आपकी क्षमता बेहतर होगी।

शुभ अंक: 6 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** शुक्रवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

आपका स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा। आप उल्लेखनीय रूप से अच्छा व अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त महसूस करेंगे। आपको अपना बेहतर स्वास्थ्य बरकरार रखने के तरीकों पर विचार करना चाहिए। आप इस सप्ताह शांति, आनंद, व समृद्धि का सुख लेंगे और सकारात्मक ऊर्जा से भरे होंगे। जो लोग गंभीर रोग से उबरे हैं उन्हें अपनी नियमित सलाह का पालन करना चाहिए। करियर मोर्चे पर, आप किसी भी धोखे के प्रति सजग रहना चाहिए।

शुभ अंक: 19 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** मंगलवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

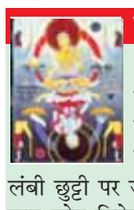

आप प्रसन्नता, अच्छा स्वास्थ्य व दुनियावी सुखों का आनंद लेंगे। दूसरे जो कहते हैं उसे महत्व दें व विचार करें। आप लंबी छुट्टी पर जाने की योजना बना सकते हैं। कुछ लोग विदेश यात्रा पर जा सकते हैं। कुछ लोग खुद को तरोताजा रखने के लिए घर पर ही रह सकते हैं। योग, प्राणायाम, दिव्य उपचार या नयी रुचियों को सीखने की संभावनाएं हैं। पेशेवर रूप से, चीजें बेहतर हैं। अपनी शुरुआती सफलता को हल्के में न लें।

शुभ अंक: 15 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** गुरुवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

यह आत्मउन्नति का समय है। अपने काम रचनात्मक हों और तनाव से बचें। अच्छी खुराक लें और पर्याप्त आराम करें। पुराने तनाव खत्म होंगे। अपनी सेहत की ओर ध्यान दें और उसके अनुसार काम करें। इस सप्ताह आध्यात्मिक यात्रा उपचारक साबित होती है। करियर स्तर पर, दूरगामी योजना शुरू करने का यह बहुत अच्छा समय है, भले ही आप बहुत कमउम्र हैं। सुव्यवस्थित ढंग से काम करने की योजना बनाएं।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** शुक्रवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

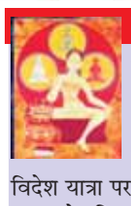

इस सप्ताह आपकी शारीरिक क्षमता तुलना से परे है और आपको इसके प्रति सजग रहना चाहिए। आपमें से कुछ लोग विदेश यात्रा पर जा सकते हैं या उन्हें अतिरिक्त समय के लिए काम करने, पढ़ने का अवसर मिल सकता है। यह सप्ताह कुल मिलाकर अच्छा है। आप नए अनुभवों तथा स्वागतयोग्य मेजबानों का सामना करेंगे जो आपको बिना शर्त समर्थन देंगे। आप अपने करियर से संबंधित महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** कत्थई **शुभ दिन:** शनिवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

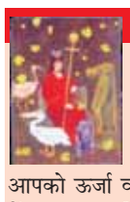

आपको अपनी आत्मा व इर्दगिर्द ऊर्जा से जुड़ने के लिए समय व शांति की जरूरत है। स्वास्थ्य, क्षमता व आंतरिक आवेग आपको ऊर्जा व प्रेरणा से भर देंगे। आपके मन में रचनात्मक विचार उमड़ेंगे। करियर स्तर पर, ऐसे क्षण हो सकते हैं जो आपसे अपेक्षित बदलाव लाने की गुजारिश करते हैं। सुनिश्चित करें कि आप सस्ती बहसों में नहीं उलझेंगे। अच्छी खबर कि जो नौकरी आपको मिलेगी, वो पिछली नौकरी से बेहतर होगी।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** मटमैला **शुभ दिन:** रविवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

अपने अनुभव व परिपक्वता से, आप अपने जीवन का दायित्व संभालने में सक्षम होंगे। नवोन्मेषी होने के बजाय, आपको उन मान्यताओं व प्रथाओं को अपनाने की जरूरत है जो पहले से मौजूद हैं। कोई नया सिद्धांत या प्रचलित रुझान इस सप्ताह आपके लिए काम नहीं करेंगे। करियर मोर्चे पर, विदेश यात्रा की स्थिति बन सकती है। अच्छी संभावना है कि आप पहचान व धन कमाने के लिए कड़ी मेहनत से काम कर रहे हैं।

शुभ अंक: 18 **शुभ रंग :** रजत **शुभ दिन:** बुधवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

अपने अनुभव व परिपक्वता से, आप अपने जीवन का दायित्व संभालने में सक्षम होंगे। नवोन्मेषी होने के बजाय, आपको उन मान्यताओं व प्रथाओं को अपनाने की जरूरत है जो पहले से मौजूद हैं। कोई नया सिद्धांत या प्रचलित रुझान इस सप्ताह आपके लिए काम नहीं करेंगे। करियर मोर्चे पर, विदेश यात्रा की स्थिति बन सकती है। अच्छी संभावना है कि आप पहचान व धन कमाने के लिए कड़ी मेहनत से काम कर रहे हैं।

शुभ अंक: 18 **शुभ रंग :** रजत **शुभ दिन:** बुधवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

इस सप्ताह आप अच्छे स्वास्थ्य व क्षमता का सुख लेंगे। जो लोग गंभीर रोग से जूझ रहे हैं, उन्हें एक नयी स्वास्थ्य पद्धति या उपचारक मददगार साबित होगा। सकारात्मक रहें व सर्वोत्तम की अपेक्षा करें। दूसरों के साथ अपनी आध्यात्मिक समझ को साझा करना जरूरी है। आपके जीवन में अद्भुत सुधार होगा। करियर स्तर पर, प्रतिनिधि दायित्वों को सीखना, खास तौर पर यदि आप पर काम का अत्यधिक बोझ लदा हुआ है।

शुभ अंक: 17 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** शनिवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

अतीत व हर उस चूक को भूल जाएं जो आपको लगता है कि आपके द्वारा की गयी है, खास तौर पर यदि आप जटिल बीमारियों से जूझ रहे हैं। सकारात्मक ढंग से सोचें। आप खुद को ऐसे नए विचार तलाशने व आध्यात्मिक दिशाएं खोजने में लगा सकते हैं जिनके बारे में आपने कभी नहीं सोचा था कि वे आपको पसंद आ सकते हैं। करियर स्तर पर, आप नयी रचनात्मक परियोजना शुरू करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** मंगलवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

आप इस सप्ताह एक शांत व जिज्ञासु प्रेक्षक हैं। जीवन संबंधी आपकी सोच आसपास की सकारात्मकता को समझते हुए बदलेगी। आप पहले से अधिक स्वस्थ महसूस करेंगे। चीजें बेहतर ढंग से आगे बढ़ेंगी और उम्मीद का संचार होगा। इस सप्ताह सनक या जुनून से दूर रहें। करियर मोर्चे पर, आप अपना समय व स्थान चाहते हैं। शायद नौकरी जाने या वित्तीय संकट जैसे कठिन दौरों से उबरने के लिए आराम करें।

शुभ अंक: 2 **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ दिन:** रविवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

असलियत से दूर न भागें। यह आपके व्यक्तित्व से मेल नहीं खाता है। अगर बीमारी से जूझ रहे हैं तो आपको किसी अन्य स्वास्थ्य चिकित्सा के पास जाना चाहिए। अपनी समझ से परे उपचार की तलाश करें। खुद को तरोताजा करने के लिए प्राकृतिक स्थलों पर घूमने जाने की योजना बनाएं। दोस्तों से अपने विचार साझा करें। अतीत पर मंथन अगले चरण की तैयारी करने में आपकी सहायता करेगा। अपने पूर्व अनुभवों की समीक्षा करें।

शुभ अंक: 14 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** गुरुवार

मानसिक स्वास्थ्य की महान पहचान वर्तमान पल में होने की योग्यता है, पूर्णतया व कहीं और होने के विचारों से मुक्त
- वेइने डायर

ज्ञान में निवेश

खोडसगांव के छात्र यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ आ गए हैं कि मौसमी विस्थापन के दौरान परिवार अपने बच्चों की शिक्षा को नजरंदाज नहीं करते हैं। दीपक कुलकर्णी की रिपोर्ट

प्रवासी परिवार, जो दशहरे के ठीक बाद यात्रा करते हैं, अपने बच्चों को भी साथ ले जाते हैं। इससे छह महीने से ज्यादा समय के लिए बच्चों से स्कूल छूट जाता है। इसीलिए, बच्चे शिक्षा का आनंद नहीं लेते और अपने आप पढ़ाई छोड़ देते हैं।

खोडसगांव, नंदुरबार की अर्चना विजय पडवी दसवीं में हैं। उन्होंने सातवीं तक स्थानीय जिला परिषद स्कूल में पढ़ाई की और आगे की पढ़ाई करने के लिए नंदुरबार में कमला नेहरु कन्या शाला में चली गयीं। उनके माता पिता दूसरी कक्षा तक ही पढ़े हैं और इसीलिए, अर्चना उनके परिवार में पहली सदस्य है जिसने सीमाओं को विस्तारित किया है और उच्च शिक्षा के लिए आगे बढ़ी है। अंतिम तीन वर्षों के दौरान, अपनी खुद की आकांक्षाओं से परे जाकर, अर्चना ने नंदुरबार में 40 से अधिक परिवारों को यह सुनिश्चित करने के लिए अवश्य उत्साहित किया है कि उनके बच्चों की शिक्षा मौसमी विस्थापन के कारण प्रभावित नहीं होती है।

नंदुरबार जिले में सत्तर फीसदी से अधिक आदिवासी समुदाय हैं। लगभग 2000 टोलों व 900 से अधिक गांव होने से, यह जिला अभी भी शिक्षा व्यवस्था में गंभीर व्यवस्थागत विफलताओं का सामना करता है। निश्चित रूप से, सरकार ने वहां शिक्षा में निवेश किया है। अगर एक का उल्लेख करें तो जिले में 2000 से अधिक विद्यालय हैं- जिला परिषद विद्यालयों, आवासीय विद्यालयों, आश्रम विद्यालयों तथा माध्यमिक स्तर विद्यालयों समेत। हालांकि, वहां आजीविका कमाने के पर्याप्त संसाधन नहीं हैं, क्योंकि जिले में कोई बड़ा उद्योग नहीं है। इसीलिए, कृषि मजदूरी आय का प्रमुख माध्यम है। स्थानीय स्तर पर, दिहाड़ी बहुत ही कम है लेकिन यदि नंदुरबार के लोग बाहर जाते हैं, तो उन्हें थोड़ा बेहतर दिहाड़ी कमाने का अवसर मिलता है। इसीलिए, यह जिला व्यापक स्तरीय मौसमी विस्थापन का हिस्सा बना हुआ है। जिले में हजारों परिवार दशहरे के बाद छह महीने के लिए करीबी गुजरात राज्य में और कभी कभी महाराष्ट्र में कोल्हापुर या शोलापुर चले जाते हैं। कहानी की जटिलता को समझने के लिए, व्यक्ति को इस विस्थापन की जटिलता को समझने की जरूरत है।

एक परिवार, जिसके पास पर्याप्त पैसा नहीं होता है, वह कर्ज देने वाले से उधार ले लेगा जो कि मजदूरों को ठेकेदार भी हेाता है। यह उधार विवाह, मौत या परिवार की बिमारी में लिया जाता है। भयानक गरीबी के कारण, यह पैसा आम तौर पर वापस नहीं लौटाया जा पाता। ठेकेदार फिर परिवार से अगले छह महीनों के लिए खेतिहर मजदूर के रूप में काम करने के लिए कहता है। एक शर्त होती है कि उनके कर्ज की वापसी दिहाड़ी मुआवजा होगी। ठेकेदार फिर विभिन्न कंपनियों व चीनी मिलों को मजदूर देता है। यहीं पर इन मजदूरों को उनका काम मिलता है- गन्ना काटना सबसे बड़े आयस्रोत के रूप में।

किसी रूप में, कोई लिखित समझौता या भुगतान रसीदें नहीं हैं और ठेकेदार हमेशा ज्यादा बड़ी देनदारियों का दावा करता है। यह चक्र सालों से चला आया है। मजदूर और उनके परिवार इस उद्देश्य से प्रवास कर जाते हैं। ये प्रवासी परिवार, जो दशहरे के ठीक बाद यात्रा करते हैं, अपने बच्चों को भी साथ ले जाते हैं। छह महीने से ज्यादा समय के लिए बच्चों से स्कूल छूट जाता है। इसीलिए, बच्चे शिक्षा का आनंद नहीं लेते और अपने आप पढ़ाई छोड़ देते हैं।

अर्चना ने यह सुनिश्चित करने का काम किया कि ऐसे प्रवासी परिवार को कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर न रह जाए। स्थानीय संदर्भ में, वह गांव की सर्वाधिक शिक्षित लड़कियों में से एक है, जहां 300 परिवारों में से, केवल दो लोग स्नातक की पढ़ाई करने गए हैं। हालांकि उनमें से एक को कृषि अध्ययन की डिग्री तथा उसी विभाग में नौकरी प्राप्त हुई, मगर केवल एक लड़की ने अपनी 12वीं की पढ़ाई पूरी की है। अर्चना की कोशिशों से, चालीस से अधिक बच्चे अपनी नौवीं व दसवीं की पढ़ाई पूरी करने के लिए नंदुरबार जाने के लिए तैयार हैं, जो इस क्षेत्र में अभूतपूर्व घटना है।

तो ऐसा सचमुच कैसे संभव हुआ? एक स्थानीय एनजीओ और यूनीसेफ ने प्रवासन में अपने बच्चों को न ले जानें और उन्हें उनके पास छोड़ने हेतु परिवारों को मनाने के लिए एक साथ मिलकर काम किया। जिला समन्वयक सचिन दादा ने बच्चों से बात की। वह दो लड़कियों और तीन लड़कों को एक दिवसीय प्रशिक्षण के लिए नंदुरबार लेकर गए। ग्राम पंचायत के सहयोग के साथ, बच्चे जिन्होंने स्थानीय पैरवी नेताओं के रूप में काम किया, यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए कि बच्चों की शिक्षा जारी रहेगी। अर्चना ने इसमें नेतृत्व किया। वह दशहरे से पहले परिवारों को समझाने के लिए घर-घर गयी। छोटा इलाका होने के कारण, हर कोई एक दूसरे को जानता है। उन्होंने कहा, '' आप अपने बच्चों के साथ काम के लिए गुजरात जाते हैं।'' गांव वालों ने सवाल किया कि उनकी अनुपस्थिति में बच्चे की जिम्मेदारी कौन लेगा। अर्चना ने बच्चों के दादा-दादी को जिम्मेदारी उठाने के लिए उत्साहित किया और सुनिश्चित किया कि बच्चों की स्कूल में अधिकतम उपस्थिति हो। उन्होंने परिवारों से कहा, ''उन्हें पढ़ने दें। आपके पास जेब में पैसा नहीं है, इसलिए आप जा सकते हैं। लेकिन यह कब तक काम आएगा? परिवार कैसे आगे बढ़ेगा यदि बच्चे उचित ढंग से अपनी शिक्षा नहीं प्राप्त करते हैं?'' आप काम करते हैं क्योंकि आपने पढ़ाई नहीं की है। यदि वे पढ़ते हैं, तो वे एक दिन साहब बनेंगे।

धीरे धीरे, उनके काम का गांव में सकारात्मक प्रभाव पड़ा। आज बिना किसी अपवाद के, कक्षा एक से कक्षा दसवीं के सभी बच्चे स्कूल जाते हैं। लगभग चालीस बच्चे सातवीं से आगे की पढ़ाई करने के लिए नदुरबार जाने की कोशिश में हैं। अर्चना और उनके दोस्त ने नंदुरबार से खोडसगांव तक की बस सेवा के लिए अभियान भी चलाया है। बस सप्ताह में पांच दिन चलती है। हालांकि, बच्चे अभी भी शनिवार को स्कूल नहीं जाते हैं क्योंकि आने जाने का कोई साधन उपलब्ध नहीं है।

अर्चना पडवी ने अपने गांव में शौचालयों के उपयोग को प्रोत्साहित करने तथा तंबाकू व शराब बंदी के लिए भी काम किया है। धीरे धीरे, उन्हें उन कार्यों में भी सफलता प्राप्त हो रही है।

- चरखा फीचर्स

दूर है मंजिल

नरेन्द्र सिंह बिष्ट का कहना है कि हालांकि उत्तराखंड में शिक्षा व अवसंरचना का विकास हुआ है, मगर स्वास्थ्य देखभाल पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है

नीति आयोग द्वारा जारी साल 2019 की स्थायी विकास लक्ष्य (एसडीजी) रिपोर्ट इंगित करती है कि अभी भी देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक स्तरीय सुधार की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर भारतीय राज्यों में स्वास्थ्य सुविधाएं दक्षिण भारत की तुलना में बदतर हैं। देश के सबसे बड़े राज्यों, मसलन उत्तर प्रदेश और बिहार में, सुविधाएं बदतरीन अवस्था में हैं। एक करीबी विश्लेषण किसी को अहसास करा देगा कि स्वास्थ्य सुविधाएं मूल आवश्यकताओं के समान ही महत्वपूर्ण हैं। यह प्रत्येक नागरिक की मूल आवश्यकता है। आजादी के बाद से , इसे केन्द्र समेत सभी राज्य सरकारों द्वारा प्राथमिकता दी गयी है। इसके बावजूद, देश में स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली दयनीय अवस्था में है। कुछ शहरों में जिला अस्पतालों की हालत इतनी बुरी है कि मरीज प्राइवेट अस्पतालों में जाना बेहतर समझते हैं भले ही वहां इलाज का खर्च ज्यादा बर्दाश्त क्यों न करना पड़े।

यह रिपोर्ट उत्तराखंड में स्वास्थ्य क्षेत्र की दयनीय स्थिति चित्रित करती है। इस राज्य का दर्जा विश्लेषण किए गए 21 राज्यों में 19वां बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2015-16 की तुलना में साल 2017-18 में राज्य में इस सेक्टर में 5.02 प्वाइंट्स की गिरावट दर्ज की गयी है। निश्चित रूप से, यह चिंता का विषय है।

इसका एक उदाहरण है नैनीताल। यह खुबसूरत पहाड़ी स्टेशन हर साल लाखों पयर्टकों को आकर्षित करता है। हालांकि, शहर की स्वास्थ्य व्यवस्था पटरी से लगभग उतरी हुई है। यह न केवल शहर के लिए बल्कि राज्य के लिए एक गंभीर मुद्दा बन गयी है। इसके 50000 शहरियों का स्वास्थ्य पूरी तरह दो सरकारी तथा कुछ प्राइवेट अस्पतालों पर आश्रित है। सरकारी अस्पतालों की हालत को इन आंकड़ों से मापा जा सकता है जहां हर रोज 150 से अधिक मरीजों को देखने के लिए केवल एक डाक्टर है। इसके अलावा, वे डाक्टर प्रशासनिक कार्य भी देखते हैं। नैनीताल के एक शहरी, राशिद जुबेरी के बच्चे में जन्म के बाद कुछ दिक्कतें उभर आईं। बच्चे के गले में पानी जमा हो गया था और उसे हटाने की जरूरत पड़ी। सरकारी अस्पताल में उचित उपकरण न होने के कारण, डाक्टरों ने बच्चे को तत्काल हल्दवानी के सरकारी मेडिकल कालेज ले जाने की सलाह दी जो नैनीताल से लगभग 43 किमी दूर है। जुबेरी ने कहा कि उनके पास अंतिम समय में अस्पताल ले जाने व उचित इलाज कराने का पर्याप्त पैसा था लेकिन ऐसे अनेकों लोग हैं जो यह खर्च नहीं वहन कर सकते। कई मामलों में, यदि मरीज की हालत बिगड़ जाती है, तो यात्रा के दौरान वे बीमारी के कारण मर जाते हैं। इसके अलावा, पहाड़ी इलाके में मरीज को ले जाना एक भारी चुनौती है खासतौर पर इमरजेंसी के दौरान। जाड़ों में यह हालत और बुरी हो जाती है जब बर्फबारी होती हो। इसके बावजूद यदि कोई हल्दवानी पहुंच जाता है, तो विडंबना यह है कि मरीज को दुबारा सारी जांचें करानी पड़ती हैं जिनके कारण पैसा व समय की बर्बादी होती है। अजीब यह कि, अस्पताल के अधिकारी परिजनों पर या मरीज के साथ आए व्यक्ति विशेष केन्द्रों से दुबारा जांचें व परीक्षण कराने का दबाव डालते हैं। ग्रामीण इलाकों की हालत की सिर्फ कल्पना ही की जा सकती है यदि शहरों में हालत इतनी बुरी है। राज्य में अनेक गांव हैं जो बुनियादी स्वास्थ्य सेंटर से आठ से दस किमी दूर हैं। मरीज और उसके तीमारदारों की समस्याएं यहीं समाप्त नहीं होती हैं। दवाइयों से लेकर, उन्हें एक दुकान से दूसरी दुकान पर भटकने के लिए मजबूर होना पड़ता है। सरकारी दवा केन्द्रों पर दवाइयां बिरले ही उपलब्ध होती हैं। गंभीर बिमारियों का उपचार करने के लिए अक्सर महंगी दवाइयों को प्राइवेट दवा केन्द्रों से खरीदना पड़ता है। यद्यपि लोगों को जन औषधि केन्द्रों से कुछ राहत मिली है, मगर ज्यादातर महंगी दवाइयों के लिए वे अभी भी प्राइवेट दवा केन्द्रों पर निर्भर हैं। स्वस्थ होना किसी भी व्यक्ति का मूलाधिकार है। यह सरकार की प्राथमिकता व जिम्मेदारी होनी चाहिए कि उचित इलाज सभी को उपलब्ध हो। उचित स्वास्थ्य सुविधाएं पाने का हर व्यक्ति को अधिकार है, खासतौर पर दूरदराज इलाकों में रहने वाले लोगों का। इस अर्थ उचित अवंसरचना के साथ पर्याप्त संख्या में सक्षम स्टाफ समेत डाक्टर भी होते हैं। केन्द्र में, सरकार दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना, आयुष्मान भारत योजना चला रही हैं। लेकिन इस योजना को तब तक सफल नहीं कहा जा सकता है जब तक कि यह समाज के सभी तबकों तक नहीं पहुंचती है, खासतौर पर ग्रामीण इलाकों तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों में।

-चरखा फीचर्स

असत्य और अर्द्धसत्य

साइबोर्ग्स, ट्रोल्स और बोट्सः आनलाईन गलत सूचना का मार्गदर्शक

साइबोर्ग्स,ट्रोल्स और बोट्स के अनुसार इंटरनेट को झूठे दावों से भरा कहा जा सकता है। इन्हें समझना यह सीखने की कुंजी है कि किस प्रकार गलत सूचना आनलाईन प्रसारित होती है।

जैसा कि 2016 चुनाव ने दिखाया, सोशल मीडिया ने क्रमशः झूठे दावों को बढ़ा चढ़ा कर दिखाया है और नस्लवाद व आप्रवासन समेत तमाम ज्वलंत मुद्दों पर अमरीकियों को विभाजित किया है। वे शोधकर्ताओं ने, जो गलत सूचनाओं का अध्ययन करते हैं, भविष्यवाणी की है कि यह स्थिति इस साल के राष्ट्रपति चुनाव में और भी बुरी हालत में पहुंचेगी। इस समस्या को समझने के दिशानिर्देश कुछ इस प्रकार हैं:

गलत जानकारी बनाम गैरजानकारी

प्रिंटिंग प्रेस के पहले से राजनीतिक छद्मसूचना मौजूद रही है लेकिन इंटरनेट ने झूठ, षडयंत्रकारी सिद्धांतों व अतिशयोक्तियों को पहले से कहीं अधिक तेजी के साथ प्रसारित होने का अवसर दिया है।

गलत सूचना को , मंशा से परे, ईमानदार गलतियों या तथ्यों की गलत समझदारियों समेत, किसी मिथ्या सूचना के रूप में परिभाषित किया जाता है। इसके विपरीत गैरजानकारी, स्पष्टतया भ्रम या भटकाने के माध्यम के रूप में, जानबूझकर फैलाई गयी व गढ़ी गयी गलत जानकारी का संदर्भ देती है। दोनों राजनीतिक विज्ञापनों या सोशल मीडिया पोस्ट आदि में दिख सकती हैं। उनमें झूठी खबरें या संशोधित वीडियोज शामिल हो सकते हैं। शोध इंगित करता है कि झूठे दावे सटीक दावों की तुलना में अधिक आसानी से फैलते हैं क्योंकि उन्हें ध्यान खींचने के लिए गढ़ा गया होता है।

मेसाच्युसेट्स इंस्टीटयूट आफ टेक्नोलाजी (एमआईटी) के वैज्ञानिकों ने 126000 से अधिक कहानियों का विश्लेषण किया, कुछ सच्ची और कुछ झूठी, जिन्हें साल 2006 से लेकर 2016 के समापन के दौरान लाखों बार ट्वीट किया गया था। उन्होंने पाया कि भ्रामक या गलत कहानियां छह गुना अधिक तेजी के साथ प्रसारित हुईं और ज्यादा लोगों तक पहुंचीं।

आनलाइन छद्म सूचना को अमरीका के राजनीतिक ध्रुवीकरण गहराने तथा सरकार में अविश्वास करने में योगदान करने का दोषी बताया गया है। खतरों को 2016 में रेखांकित किया गया था जब रुसी ट्रोलरों ने विवादास्पद मुद्दों से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट लिखने व उसे प्रसारित करने के लिए झूठे खाते बनाए।

बोट्स और साइबोर्ग्स का युद्ध

इस डिजीटल टकराव में बोट्स, उपयोग करके फेंक देने वाले पैदल सैनिक हैं। सोशल मीडिया परिप्रेक्ष्य में, ये स्वायत्त कार्यक्रम बगैर इंसानी भागीदारी के सामग्री-प्रसार के लिए खाता जारी रख सकते हैं। अनेक हानिरहित होते हैं, कविताओं या पालतू जानवरों की तस्वीकर पर गाहे बगाहे टवीट करते हुए। लेकिन अन्य किसी भले कार्य के लिए होते हैं और वे वास्तविक यूजर्स से मिलते जुलते बनाए जाते हैं।

युनिवर्सिटी आफ साउदर्न कैलीफोर्निया में शोधकर्ताओं के एक अध्ययन ने सितंबर और अक्टूबर 2016 में भेजे गए चुनाव संबंधी ट्वीट का विश्लेषण किया और पाया कि पांच में से एक को बोट्स द्वारा भेजा गया था। द प्यू रीसर्च सेंटर ने 2018 अध्ययन में निष्कर्ष निकाला है कि बोट्स होने की संभावना वाले खाते, लोकप्रिय वेवबसाइटस से जुड़े

छिछला झूठ, घटिया झूठ या मूर्खतापूर्ण झूठ ऐसे वीडियोज हैं जिन्हें अधिक बुनियादी तकनीकों के उपयोग से संशोधित किया गया है, मसलन उसके फुटेज की गति को धीमा कर देना या तेज कर देना या कटिंग कर देना।

कुल ट्वीट्स का दो तिहाई ट्वीट्स के लिए जिम्मेदार हैं।

हालांकि फ्लेश एंड ब्लड ट्वीटर यूजर्स, विभिन्न विषयों के बारे में, अक्सर दिन में कम बार पोस्ट करेंगे, मगर अधिकांश स्वाभाविक बोट्स दिन में सैंकड़ों बार, दिन और रात, और अक्सर किसी एक विशेष विषय पर ट्वीट करेंगे। वे कुछ मौलिक रचने के बजाय अधिकांशतया एक सामग्री को बार बार पोस्ट करते हैं।

बोट्स को पहचानें

बोट्स को पहचानना, सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ताओं के लिए भी कठिन हो सकता है। अटलांटिक्स कौंसिल्स डिजीटल फोरेंसिंक रीसर्च लैब के डायरेक्टर, ग्राहम ब्रुकी ने कहा, '' हमारे पास 12 तरीके हैं जिनसे हम बोट्स को पहचानते हैं और यदि हम उनमें से सात या आठ पर प्रहार करते हैं तो हमें कहीं अधिक आत्मविश्वास होता है।'' वाशिंगटन डीसी की यह संस्था सोशल मीडिया, साइबर सुरक्षा और सरकार के बीच संबंधों का अध्ययन करती है।

इसके बावजूद, ब्रुकी ब्राजील के एक ट्वीटर अकाऊंट का मामला याद करते है जो लगभग लगातार - कभी कभी प्रति मिनट एक की दर से- सामग्री पोस्ट कर रहा था और अन्य बोट जैसे चरित्र प्रदर्शित करता था। और फिर भी, ''यह एक नन्हीं दादी थी, जिसने कहा कि वो मैं हूं। ''

फर्जी वीडियोज

वे वीडियोज अत्यंत फर्जी होते हैं जिन्हें कृत्रिम मेधा या मशीन लर्निंग के साथ डिजीटल स्तर पर बनाया गया है ताकि वे ऐसे दिखें जो पहले कभी नहीं हुआ। उन्हें उभरते खतरे के रूप में देखा जाता है, जैसा कि वीडियो एडिटिंग साफ्टवेयर में उन्नति ने इन्हें वास्तविक खबर के रूप में बनाना जालसाजों के लिए संभव बना दिया है, मानो पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने एक बिलकुल नयी जगह पर एक बिलकुल नया भाषण दिया है। इन्हें बनाना कठिन और महंगा होता है- खासतौर पर स्वीकार्य ढंग से बनाना।

फेसबुक ने पिछले महीने घोषणा की कि वह व्यग्यांत्मक के अलावा, फर्जी वीडियोज को प्रतिबंधित करेगा। मार्च की शुरुआत में, ट्वीटर फर्जी वीडियो, फोटाग्राफी व ऑडियो रिकार्डिंग '' हानिकारक होने की संभावना के कारण'' को प्रतिबंधित करेगा। वो सामग्री जो जोड़तोड़ कर बनाई जाती है मगर वह अनिवार्यतया हानिकारक नहीं है, उस पर चेतावनी का लेबल लग सकता है। और यूट्यूब ऐसे संशोधित मीडिया के छलपूर्ण उपयोगों पर प्रतिबंध लगाता हे जो गंभीर हानि का कारण बन सकता है।

तुलना स्वरूप, छिछला झूठ, घटिया झूठ या मूर्खतापूर्ण झूठ ऐसे वीडियोज हैं जिन्हें अधिक बुनियादी तकनीकों के उपयोग से संशोधित किया गया है, मसलन उसके फुटेज की गति को धीमा कर देना या तेज कर देना या कटिंग कर देना। इसके उदाहरण में दिसंबर के यूके चुनाव से पहले ब्रिटेन की कंजर्वेटिव पार्टी द्वारा पोस्ट किया गया एक संशोधित वीडियो शामिल है जिसे ऐसा दिखाया गया मानो लेबर पार्टी सदस्य को ब्रेक्सिट के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देने में परेशानी हो रही थी।

वे शोधार्थी, जो अमरीकियों की बदलती मीडिया आदतों का अध्ययन करते हैं। उनका कहना है कि लोग खबर के लिए विभिन्न स्रोतों व संदर्भों की ओर देखते हैं, जब सोशल मीडिया पर जानकारी का आंकलन करते समय आलोचनात्मक सोच का उपयोग करते हैं। वायरल दावों को दुबारा पोस्ट करने को लेकर पुनर्विचार करते हैं। वर्ना, वे कहते हैं, गलत जानकारी निरंतर प्रसारित होती रहेगी और यूजर्स लगातार इसे फैलाते रहेंगे। फरेरा ने कहा कि इसका एकमात्र समाधान है शिक्षा।

जब आप एक एक्टर बनना चाहते हैं तो आप की जिम्मेदारी बढ़ती है आप की लोकप्रियता बढ़ती है और आपके प्रशंसकों का आपके प्रति प्यार बढ़ता है
- भूमि पेडनेकर

'मिलेनियल्स के लिए इंस्टाग्राम भी काफी कुछ परिभाषित करता है'

अभिनेत्री गुल पनाग का मानना है कि किसी भी महिला या पुरुष का व्यक्तित्व ही समय के साथ मानवीय संबंधों में परिवर्तन लाता है। प्रस्तुत है इस बारे में अधिक जानकारी जुटाती टीम पायनियर की ये रिपोर्ट-

'अब हम और अधिक नहीं सह सकते।' 'अब कुछ भी पहले जैसा नहीं रह गया है' 'हमारा साथ रहना लगातार कठिन होता जा रहा है' कुछ तो अलग हुआ ही है, जैसी स्थितियां वास्तविक जीवन में दो लोगों के बीच आती रहती हैं। दोनों ही एक दूसरे के प्यार पर प्रश्न खड़े करना प्रारंभ कर देते हैं। उन्हें ऐसा भी लगने लगता है कि जीवन वैसा नहीं चल रहा जैसा कि उन्होंने सोचा था। मैक्स प्लेयर पर चल रही सीरीज़ 'पवन और पूजा' में लीड रोल कर रही अभिनेत्री गुल पनाग के अनुसार गलतफहमी और एक दूसरे को समुचित समय न दे पाने जैसे कारण ही समस्या की जड़ में होते हैं। इसके अलावा लोगों का व्यक्तित्व भी कई बार संबंधों में आ रहे परिवर्तनों का बड़ा कारण बन जाता है।'

अपने ही विवाह का उदाहरण देते हुए गुल बताती हैं, 'हर स्तर पर संबंध को बनाए रखना कठिन होता जाता है और लोगों के जीवन में आ रहे परिवर्तनों के कारण उनके बीच के प्यार की परिभाषा में भी बदलाव आता जाता है। लोगों का व्यक्तित्व भी उनके लिए प्यार के अर्थ में बदलाव का कारण बनता है। उदाहरण के लिए मैं ऋषि के साथ दो दशकों से रह रही हूं। जब मैं उससे मिली थी तो मैं एक अलग व्यक्ति थी, वो भी एक अलग व्यक्ति था। लेकिन अनुभव और उम्र गुजरने के साथ आज हम दोनों में व्यापक परिवर्तन आ चुका है। तो ऐसे में हम एक दूसरे से वैसा ही बने रहने की अपेक्षा कैसे कर सकते हैं?'

सीरीज़ में उनके चरित्र पूजा और पवन (गुल और शरमन जोशी) के बीच भी कुछ ऐसा ही संबंध बनता जाता है। इस सीरीज़ में एक ही नाम लेकिन अलग अलग आयुवर्ग- 60-70 साल के वृद्ध, 40-50 साल के मध्यआयुवर्ग और 20-30 वर्ष के युवा दंपत्तियों की कहानी है। हर आयुवर्ग के दंपत्ति के लिए प्यार, संबंधों के प्रति उनके दृष्टिकोण में परिवर्तन दिखाई देता है। मध्यआयुवर्ग के पूजा और पवन अपने जीवन से जुड़ी समस्याओं से व्यथित दिखाई देते हैं जहां उनके प्यार और कॅरियर में एक संघर्षमय पड़ाव आता है। गुल का कहना है, 'संबंधों में बदलाव अपरिहार्य है, ये क्यों नहीं बदलेगी? मेरे चरित्र पूजा की यही समस्या है। वो एक बनावटी जीवन की कल्पना का भार ढोती रहती है। लोगों के जीवन की भी ऐसी ही समस्याएं हैं। वो स्वाभाविक हैं क्योंकि आप भी और आपकी परिस्थितियां भी समय के साथ लगातार परिवर्तित होती रहती हैं। मध्यआयु की पूजा के चरित्र का यही सार है।'

गुल स्वय भी अपने चरित्र के साथ एक प्रकार के जुड़ाव का अनुभव करती हैं। क्या यही सोचकर उन्होंने इस रोल के लिए हां कहा था? वो बताती हैं, 'मैं इसमें महेश सर का उत्तर ही देती हूं। जब कोई आपको पूजा के चरित्र के लिए संपर्क करता है तो आप इसके बारे में जानकर प्रेरित होने लगते हैं क्योंकि वो अत्यंत महत्वपूर्ण चरित्र है। इस शो में तीन कहानी और छः चरित्र हैं। ये अच्छा चरित्र है लेकिन साथ ही ये चुनौतीपूर्ण भी है क्योंकि ये कोई महामानव न होकर वास्तविक जीवन से जुड़ा चरित्र है। वो कोई सेना अधिकारी नहीं हैं और उनकी शारीरिक भाषा भी वैसी नहीं है। इसमें बस उनके जीवन की परिस्थितियों के बारे में ही चिंतन किया गया है। इसमें सामान्य परिस्थितियों में रहने वाले असाधारण व्यक्तियों की कहानी को दिखाया गया है। वो कोई गैंग्स्टर नहीं हैं। आप यदि मुझसे मध्यआयु वाली पूजा के बारे में पूछेंगे तो वो 30 से 40 साल की महिला है और उसके विवाह को 15 साल हो चुके हैं और उसे एक बेटी भी है। वो इस जीवन से ऊब चुकी है। उसे अपने जीवन की नीरसता खलती है क्योंकि वो मात्र एक पत्नी बन कर रह गई है।'

अपने पिछले रोल्स के बारे में स्मरण करते हुए उन्होंने बताया कि पूजा अलग है और उसकी किसी दूसरे रोल से तुलना नहीं की जा सकती, 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर2 में वो बहुत स्मार्ट और फिट कोच बनी थीं। उनके व्यक्तित्व को परिभाषित करने के लिए कई विशेषणों का प्रयोग किया गया था। लेकिन फैमिली मैन में भी सलोनी के मेरे चरित्र को परिभाषित करने के लिए कई विशेषण थे। फिल्म बाईपास रोड, में मैं विलेन हूं जिसे बहुत ईगो होती है। लेकिन पूजा को कोई विशेषण नहीं दिया जा सकता और यही कारण है कि एक अभिनेत्री के रूप में उसका चरित्र निभाना अत्यंत चुनौतीपूर्ण हो जाता है। मैं पूजा के रोल को आपके लिए आकर्षक कैसे बना सकती हूं? मैं पूजा को देखने के लिए आपसे बस यही कह सकती हूं कि वो एक वास्तविक चरित्र जैसी लगती है क्योंकि उसके चरित्र को वास्तविक जीवन से ही उठाया गया है।'

शो में नई सदी के युगल के बारे में बताते हुए वो कहती हैं आज भी प्यार के मूल तत्व में ऐसा कोई विशेष परिवर्तन नहीं आया है जैसा सोचा जाता है। बस हमारे दृष्टिकोण में परिवर्तन आया है। वो बताने लगती हैं, 'मेरा मानना है कि प्यार हमेशा से ऐसा ही रहा है। बस हम विविध माध्यमों से इसे चर्चा का विषय बनाते जा रहे हैं। यदि हम भारत के परिप्रेक्ष्य में बात करें तो 135 करोड़ में से आज भी कितने लोग लिव-इन संबंधों में रहते दिखाई देते हैं। अंग्रेजी मीडिया की दर्शक संख्या ही 20 करोड़ है उनमें से 20 प्रतिशत लोग ही ऐसे होंगे। हां, ये विषय सदैव से जटिल रहा है आज हमारे वातावरण में दबाव अधिक होता है। लोगों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। वे इस प्रश्न से हमेशा दो चार होते रहते हैं 'क्या मैं उतना अच्छा हूं' और सोशल मीडिया ने आकर इस दबाव को और बढ़ा दिया है और आप हर स्तर पर अपनी तुलना दूसरों से करते रहने के लिए बाध्य कर दिये गए हैं। संबंध वही हैं। सोशल मीडिया पर स्वयं को 'गोल्स' के रूप में प्रस्तुत करने के लिए उन्हें अच्छा दिखाते रहने का भी दबाव है जबकि वास्तविकता कुछ और हो सकती है। जिन लोगों को अपनी पहली बार मिलने की उस ऊर्जा की तलाश होती है वो उन्हें नहीं मिल पाती क्योंकि इसका कारण समय का आगे बढ़ जाना है। लेकिन इस सदी के युवाओं के लिए इंस्टाग्राम भी काफी कुछ परिभाषित करता रहता है।'

गुल का कहना है कि यदि हम सबकुछ अलग रख दें तो भी उन्हें इस बात से संतोष है कि इस शो में तीन दंपत्तियों के बीच के प्यार को नाटकीय रूप नहीं दिया गया है। वो बताती हैं, 'वे बिलकुल वास्तविकता के संपर्क में दिखते हैं। कहानी में भी किसी प्रकार का बनावटीपन नहीं है। उनके बीच उठने वाली समस्याएं विश्वसनीय दिखती हैं। उन्हें देखकर आपको बरबस ही सही, अपने जीवन की कमियों का भी ध्यान हो आएगा।'

विद्या के अनुसार हर बात के होते हैं दो पहलू

बॉलिवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने फिल्म कबीर सिंह का बचाव किया है जिसे 2019 की हिट फिल्म माना गया था। लोगों ने इसकी आलोचना करते हुए कहा कि फिल्म पुरुषवादी सोच और पुरुष को महिमामंडित करती है।

लेकिन उनका कहना है कि वो ऐसी फिल्म में हीरोइन का चरित्र निभाने के लिए तैयार नहीं हैं। वो ऐसी फिल्मों को देखेंगी अवष्य क्योंकि ये एक कटु सच्चाई को जनता के सामने लाती है। उन्होंने बताया कि वो इतनी परिपक्व तो हैं ही कि समझ सकें कि हर बात के दो पहलू होते हैं। उनके अनुसार, 'कई बार मैं ऐसी फिल्मों को भी देखती हूं जो मेरे विष्वास पर सही नहीं उतरतीं। लेकिन विगत कुछ बरसों में हम परिपक्व हुए हैं और अब मुझे पता है कि हर कहानी के दो पहलू होते हैं।'

अभिनय से पैसे कमाना संघर्ष था: जितेंद्र कुमार

नई दिल्ली। फिल्म शुभ मंगल ज्यादा सावधान में मुख्य भूमिका निभा रहे जितेंद्र कुमार कहते हैं कि भौतिक विज्ञान पढ़ाकर अच्छी कमाई को छोड़कर अभिनय की दुनिया में कदम रखने के लिए सही समय चुनना ही बहुत बड़ा संघर्ष था। अब बालीवुड फिल्म में मुख्य किरदार निभाने का उनका सपना पूरा हो रहा है।

आईआईटी खड़गपुर से स्नातक जितेंद्र कुमार पहले एयरोनॉटिकल इंजीनियर बनना चाहते थे लेकिन कालेज में सिविल इंजीनियरिंग से उन्हें समझौता करना पड़ा। इन सब के बाद भी उनका दिल कहीं और रमा था। जितेंद्र ने कहा, मैं एयरोनॉटिकल इंजीनियर बनना चाहता था। लेकिन मेरी रैंक अच्छी नहीं थी इसलिए मुझे सिविल इंजीनियरिंग मिला। वहीं पढ़ाई में मेरी दिलचस्पी खत्म हो गई। अगर आप अपने इंजीनियरिंग क्षेत्र को लेकर उत्साहित नहीं हो तो आप एक अच्छे इंजीनियर नहीं बन सकते। खराब इंजीनियर बनने की सूरत में उन्होंने अपने पर ही हंसते हुए कहा, क्यों पुल गिराऊंमैं?

उसके बाद उन्होंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा। 2012 में वे द वायरल फीवर चैनल से जुड़ गए और अपना गुजारा चलाने के लिए भौतिकी का ट्यूशन देन लगे। टीवीएफ में वे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की नकल कर और परमानेंट रूममेट्स में गिट्टू की भूमिका निभाकर लोगों के चहेते बन गए। उन्होंने कहा, मुझे पता था कि मैं भौतिकी अच्छे से पढ़ा सकता हूं, इसलिए ट्यूशन से पैसा कमाना कोई संघर्ष नहीं था। अभिनय से पैसे कमाना संघर्ष था। उसके बाद अभिनय के अच्छे मौके पाना और अपने फैसले पर कायम रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा। 2015 में आई पिचर्स से जितेंद्र ने पैसे कमाना शुरू किया और फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। शुभ मंगल ज्यादा सावधान में वह आयुष्मान खुराना के समलैंगिक प्रेमी की मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी भारत के छोटे कस्बे में बुनी गई है।

जितेंद्र ने कहा कि फिल्म में उनका किरदार अमन अपने प्रेमी कार्तिक(आयुष्मान) के कारण खुद के समलैंगिक होने को स्वीकार लेता है लेकिन अपने रूढ़ीवादी परिवार के सामने इस बात को नहीं रख पाता। फिल्म में जितेंद्र और आयुष्मान का किसिंग सीन भी चर्चा में है। जितेंद्र को लगता है कि लोगों को सीन के बारे में सुन कर झटका लग सकता है लेकिन जब फिल्म में लोग यह देखेंगे तो उन्हें वह रोमांटिक लगेगा। उन्होंने कहा, पहले जब किसी युगल को पर्दे पर किस करते देखते थे तो भी विवाद उठ खड़ा होता था जैसे सालों पहले फिल्म राजा हिंदुस्तानी के समय हुआ था। जब भी कोई ऐसा सीन आता तो कोई खांसने लगता, मम्मी उठकर किचेन में चली जाती। बहुत असहज सी स्थिति हो जाती थी। उन्होंने कहा, अब लोग वैसे दृश्य अपने मां-बाप के साथ भी देख सकते हैं। इस तरह से धीरे-धीरे चीजें बदली हैं।

समय के साथ यह सब सामान्य हो गया है। यह पहला कदम है और मैं आशा करता हूं कि लोग फिल्म में इस किस को भी सामान्य ढंग से लेंगे। जितेंद्र ने कहा कि प्यार कोई समस्या या मुद्दा नहीं है जैसा समाज ने इसे बना दिया है। हम दो अलग जातियों में, अलग धर्म में, समान लिंग के लोगों से प्यार करने से रोकते हैं। लेकिन हम अपराधों को आसानी से भूल जाते हैं, प्रदूषण फैलाने वालों को कोई नहीं रोकता। उन्होंने कहा, लेकिन जब प्यार की बात आती है तो लोग उसका मुद्दा बना देते हैं। ए स्वीकार करने लायक नहीं है। प्रेम लेने-देने में भरोसा रखें। इसके अलावा भी बहुत सारे मुद्दे हैं जिनपर ध्यान देने की जरूरत है। हितेश कैवल्य निर्देशित फिल्म शुक्रवार को रिलीज होगी।

विवाह के बाद जेनिफर लॉरेंस काम पर लौटीं

हॉलिवुड अभिनेत्री जेनिफर लॉरेंस अपने विवाह के एक साल बाद अब पुन: बड़े परदे पर वापसी की तैयारियां कर रही हैं। उन्हें हाल ही में निर्देषक एडम मैके की आगामी नेटफ्लिक्स कॉमेडी फिल्म 'डोंड लुक अप' में एक रोल मिला है।ऑस्कर पुरस्कार जीत चुकी जेनिफर ने हाल ही में कूक मरोनी से विवाह किया था। उनकी अगली फिल्म में दो वैज्ञानिक एक उल्का को ढूंढ निकालते हैं जो छः महीनों के भीतर पृथ्वी से टकराने वाला है। उनका प्रयास दुनिया को इस आपदा से बचाने का होता है। मैके ने बताया, 'जेनिफर 17वीं शताब्दी जैसी जबर्दस्त अभिनेत्री हैं। नेटफ्लिक्स इसे विष्वव्यापी कॉमेडी मान रही है और इससे फिल्म से लोगों की अपेक्षाएं बढ़ जाती हैं और हमारे तथा हमारी टीम के लिए ये एक तरह से प्रेरणा और चुनौती, दोनों है।

भानु प्रताप पहली फिल्म रोमांटिक बनाना चाहते थे लेकिन भूत बना डाली

नई दिल्ली। धर्मा प्रोडक्शन्स के तहत काम करने वाले अन्य निर्देशकों की तरह ही भानु प्रताप सिंह भी चाहते थे कि वह अपनी पहली फिल्म बनाएं तो वह रोमांस पर आधारित हो। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया और उन्होंने अपनी पहली फिल्म ही हॉरर बना डाली।

भूत पार्ट वन : द हॉन्टेड शिप की पटकथा पढ़ने के बाद भानु ने सोचा था कि एक निर्देशक के तौर पर खुद को स्थापित करने के बाद वह यह फिल्म बनाएंगे। लेकिन यह उनकी पहली ही फिल्म बन गई। फिल्म में मुख्य भूमिकाएं विकी कौशल, भूमि पेडनेकर और आशुतोष राणा ने निभाई हैं। विकी एक लावारिस पड़े हुए पोत सी बर्ड के सर्वे अधिकारी पृथ्वी बने हैं। मुंबई के तट पर आ पहुंचे सी बर्ड की जांच के दौरान पृथ्वी को होने वाले भयावह अनुभवों की दस्तान बताने वाली इस फिल्म के निर्देशक भानु 2014 में आई शशांक खेतान की फिल्म हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया के सहायक निर्देशक थे। यह फिल्म भी धर्मा प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनी थी। भानु ने कहा मैं जानता हूं कि धर्मा प्रोडक्शन्स किस तरह की फिल्में बनाता रहा है। इसलिए मैं चाहता था कि एक रोमांटिक कॉमेडी लिखूं और मैंने लिखी भी। हॉरर फिल्म तो मैं तीन चार फिल्मों के निर्देशन के बाद लेना चाहता था। उन्होंने बताया कि शशांक उनके मित्र हैं और उन्होंने जब उन्हें एक पटकथा पर काम करने को कहा तो वह पटकथा देख कर भानु स्तब्ध रह गए। भानु ने बताया पटकथा लंबा सफर तय कर करण जौहर के पास पहुंची। पांच मिनट की बैठक के बाद करण ने कहा- ठीक है, इसे किया जाए। यह शब्द सुनने के लिए मेरे कान 10-12 साल से तरस रहे थे और करण ने पांच मिनट में हां कर दी। मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इस तरह भूत का निर्माण शुरू हुआ। और फिल्म बन गई।

तापसी को अंतत मिल ही गया पुरस्कार

बॉलिवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू जिन्होंने हाल ही में गुवाहाटी में संपन्न अवार्ड समारोह के दौरान पुरस्कार प्राप्त किया था, का अवार्ड समारोह में ज़ोया अख्तर की फिल्म गली ब्वॉय को अधिकांष पुरस्कार दिये जाने से उत्पन्न विवाद के बारे में कहना है कि 'मुझे प्रसन्नता है कि मेरा नाम विवाद में नहीं खींचा गया क्योंकि मैं तो ऐसे विवादों की आदी हो चुकी हूं। उन्होंने कहा कि इस बार आलोचकों द्वारा उन्हें चुने जाने पर उन्हें हार्दिक प्रसन्नता है। उन्होंने आगे बताया, 'समय लगा लेकिन अंततः मुझे ये मिला, बस मैं इससे अधिक कुछ नहीं कह सकती। मैं तो 2016 से ही इसके लिए अपने उद्बोधन को तैयार कर रही थी लेकिन ऐसा हुआ ही नहीं। लेकिन इस बार मैंने किसी प्रकार की स्पीछे की तैयारी भी नहीं की थी और मुझे वहां बिना किसी तैयारी के बोलना पड़ गया।'

व्हाइट हाउस पत्रकार संगठन के रात्रिभोज में प्रस्तुति देंगे हसन मिन्हाज

वॉशिंगटन। भारतीय मूल के प्रख्यात अमेरिकी कॉमेडियन हसन मिन्हाज व्हाइट हाउस पत्रकार संगठन के वार्षिक रात्रि भोज में प्रस्तुति देंगे। वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आलोचक रहे हैं। मिन्हाज के माता-पिता उत्तरप्रदेश में अलीगढ़ के रहने वाले हैं। व्हाइट हाउस पत्रकार संगठन (डब्ल्यूएचसीए) के वार्षिक रात्रि भोज में 25 अप्रैल को अभिनेता केनन थॉम्पसन और नाइट लाइव के सदस्य भी अपनी प्रस्तुति देंगे। डब्ल्यूएचसीए ने घोषणा की कि हसन मिन्हाज रात्रि भोज में अपनी प्रस्तुति देंगे।डब्ल्यूएचसीए के अध्यक्ष और एबीसी न्यूज के मुख्य व्हाइट हाउस संवाददाता जोनाथन कार्ल ने बताया, अमेरिका में केनन और हसन अच्छा मनोरंजन करने वाले कलाकार हैं। मैं खुश हूं कि वे हमारे लोकतंत्र में स्वतंत्र प्रेस की भूमिका निभाने में मदद करेंगे। राष्ट्रपति ट्रम्प पिछले तीन वर्षों से डब्ल्यूएचसीए के रात्रि भोज में नहीं आ रहे हैं और इस वर्ष भी उनके आने की संभावना नहीं दिख रही है।